शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 05 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-302

पीओके में फिर सक्रिय हुए 35 से ज्यादा आतंकी शिविर

तैयार है ऑपरेशन सिंदूर का दूसरा एपिसोड!

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में धराशाई होने के बाद भी पाकिस्तान अपनी आतंकी फितरत छोड़ने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में स्थित जिन आतंकी ठिकानों को भारत ने उड़ा दिया था, उन्हें अब फिर से बनाने की कवायद शुरू कर दी गई है। आतंकी लगातार लोगों को भारत के खिलाफ भड़का रहे हैं। इसे देखते हुए भारतीय रक्षा तंत्र ने ऑपरेशन सिंदूर के दूसरे एपिसोड की पूरी तैयारी कर रखी है। सेना और अन्य एजेंसियां यह बता रही हैं कि जम्मू-कश्मीर के पास वाले पीओके वाले इलाके में 35 से ज्यादा आतंकी लॉन्च पैड एक बार फिर एक्टिव हो चुके हैं। इसके बाद एलओसी पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। इन आतंकी शिविरों में आतंकवादियों की ट्रेनिंग चल रही है और यहीं से उन्हें भारत में घुसपैठ कराने की कोशिश की जा रही है। इन इलाकों में 110 से अधिक आतंकियों के होने की खबर है। खुफिया एजेंसियां इन पर नजर रख रही हैं।

लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर हाई अलर्ट

उल्लेखनीय है कि थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बीते दिनों कहा कि यदि पाकिस्तान ने किसी कायराना हरकत की कोशिश की तो भारत की सशस्त्र सेनाएं ऑपरेशन सिंदूर-2 के लिए पूरी तरह तैयार हैं और कठोरता से जवाब दिया जाएगा। पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर पाकिस्तान ने अपनी हरकतें बंद नहीं की तो अधिक घातक ऑपरेशन सिंदूर-2 चलाया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नष्ट किए गए एयरबेस और सैन्य चौकियों की संख्या की तुलना में अगली बार भारत की प्रतिक्रिया और भी खतरनाक होगी। जनरल कटियार ने कहा, जब तक पाकिस्तान की सोच नहीं बदलती, हमारा ऑपरेशन और भी घातक होता चला जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर-1 में हमने उसके एयरबेस और चौकियां नष्ट कीं, लेकिन अगर वह फिर से कुछ करने की कोशिश करेगा तो इस बार की हमारी कार्रवाई अत्यंत घातक होगी। जनरल कटियार ने यह माना कि पाकिस्तान हम पर फिर से हमला करने की कोशिश करेगा। वे हमेशा पहलगाम जैसे हमले की कोशिश करते हैं, लेकिन हमें सतर्क रहना होगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि भारतीय सेना पाकिस्तान के किसी भी नापाक मंसूबे को नाकाम करने के लिए तैयार है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकाने उड़ा दिए थे, जिनमें बहावलपुर भी शामिल था और अब वहां पर फिर से आतंकियों का जमावड़ा लगने लगा है।

▶10 पर

---

12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट पुनरीक्षण शुरू

चुनाव आयोग 7 फरवरी को जारी करेगा संशोधित सूची

एसआईआर के नाम से ही ममता ने आपा खोया

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मंगलवार से शुरू हो गया। यह 4 दिसंबर तक चलेगा। चुनाव आयोग 9 दिसंबर को मसौदा सूची और 7 फरवरी 2026 को अंतिम सूची जारी करेगा। इस प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु समेत कुल 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। असम में एसआईआर की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में अलग से होगी। एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होते ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपना आपा खो दिया है और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस एसआईआर के विरोध में सड़कों पर उतर आई है।

देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू हुआ। इनमें नौ राज्य हैं और तीन केंद्रशासित प्रदेश हैं। एसआईआर 4 तारीख को गणना चरण के साथ शुरू होगा और 4 दिसंबर तक चलेगा। चुनाव आयोग 9 दिसंबर को मसौदा सूची जारी करेगा और अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी, 2026 को प्रकाशित की जाएगी। बिहार के बाद यह एसआईआर का दूसरा दौर है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, छत्तीसगढ़, गोवा, राजस्थान, गुजरात, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में से चार तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में अगले साल मार्च से मई के बीच विधानसभा चुनाव होने हैं। बाकी में भी दो से तीन वर्षों में चुनाव होंगे। इन सभी में कुल 51 करोड़ मतदाता हैं।

एक अन्य राज्य असम में भी मार्च-अप्रैल में चुनाव होने हैं, लेकिन वहां मतदाता सूची के संशोधन की घोषणा अलग से की जाएगी क्योंकि राज्य में नागरिकता सत्यापन के लिए सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में प्रक्रिया चल रही है। साथ ही, नागरिकता अधिनियम का एक प्रावधान असम पर लागू था। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसआईआर के इस चरण की घोषणा करते हुए कहा था कि नागरिकता अधिनियम के तहत असम में नागरिकता के लिए अलग प्रावधान हैं।

तमिलनाडु में एसआईआर के खिलाफ सत्तारूढ़ द्रमुक ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। द्रमुक ने फैसले को चुनौती देते हुए इस प्रक्रिया को असांविधानिक, मनमाना और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए खतरा बताया। द्रमुक के संगठन सचिव आरएस भारती की ओर से दायर याचिका में राज्य में एसआईआर के लिए चुनाव आयोग की 27 अक्टूबर की अधिसूचना रद्द करने की मांग की गई है। इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 यानी समानता का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन के अधिकार समेत अन्य प्रावधानों, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और 1960 के मतदाता पंजीकरण नियमों का उल्लंघन बताया गया है।

▶10 पर

राजनीति पर हावी वंशवाद के खिलाफ बोले शशि थरूर

वंशवाद लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा

दशकों से एक ही परिवार का हावी होना दुर्भाग्यपूर्ण

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने भारतीय राजनीति पर हावी वंशवाद के खिलाफ बेबाक विचार व्यक्त किया है। शशि थरूर ने कहा कि वंशवाद भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। थरूर ने कांग्रेस को आईना दिखाते हुए कहा कि एक ही परिवार दशकों से राजनीति पर हावी है। नेहरू-गांधी परिवार ने राजनीति को जन्मसिद्ध अधिकार बना लिया है। डायनेस्टी पॉलिटिक्स लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रोजेक्ट सिंडिकेट में प्रकाशित अपने लेख इंडियन पॉलिटिक्स और ए फैमिली बिजनेस में वंशवादी राजनीति (डायनेस्टी पॉलिटिक्स) को भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया है। शशि थरूर ने लिखा कि नेहरू-गांधी परिवार ने जवाहरलाल नेहरू से शुरू होकर इंदिरा, राजीव, राहुल और प्रियंका तक राजनीतिक नेतृत्व को जन्मसिद्ध अधिकार का रूप दे दिया, जो अब हर पार्टी और क्षेत्र में फैल गया है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि वंशवादी राजनीति भारतीय लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने लिखा कि जब नेतृत्व योग्यता या समर्पण के बजाय वंश से तय होता है, तो शासन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। थरूर ने नेहरू-गांधी परिवार का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत को वंशवाद छोड़कर योग्यतावाद अपनाना चाहिए।

शशि थरूर ने कहा, जब नेतृत्व वंश पर आधारित हो न कि योग्यता, समर्पण या जनसंपर्क पर। इससे शासन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। शशि थरूर ने शिवसेना (उद्धव-आदित्य), समाजवादी पार्टी (मुलायम-अखिलेश), डीएमके (स्टालिन), अकाली दल (बादल-सुखबीर) जैसी पार्टियों के उदाहरण दिए, जहां सरनेम ही मुख्य योग्यता बन गई है। थरूर ने सुधार के तौर पर पार्टियों में आंतरिक चुनाव, टर्म लिमिट्स और मेरिटोक्रेसी की वकालत की, ताकि लोकतंत्र का असली स्वरूप बने। शशि थरूर के इस वैचारिक लेख से कांग्रेस पार्टी में असहजता व्याप्त है। पार्टी के संचार प्रमुख जयराम रमेश और मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने इस पर कोई बयान देने से इन्कार कर दिया। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, थरूर ऐसी ही बातें कहते हैं,

▶10 पर

बिहार में एनडीए की महिला कार्यकर्ताओं से मिले पीएम मोदी

एनडीए की प्रचंड जीत होगी इसमें कोई शक नहीं

जंगलराज के सामने दीवार बन कर खड़ी रहीं बिहार की महिलाएं

पटना, 04 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार अभियान के आखिरी चरण में मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की महिला कार्यकर्ताओं से बातचीत की। भाजपा-एनडीए समर्थक मतदाताओं के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, चुनावी रैलियों में रिकॉर्ड संख्या में महिलाएं शामिल हो रही हैं। वह नारे लगा रही हैं। मुझे इस बात पर कोई संदेह नहीं कि बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत होगी। पीएम ने महिला कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

महिला कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री की बातचीत भारतीय जनता पार्टी की मेरा बूथ, सबसे मजबूत पहल के तहत हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि बिहार चुनाव में जंगल राज के समर्थकों को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़े। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार महिलाओं के जीवन को आसान बनाने और उनका सशक्तिकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहार भाजपा की महिला नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में पीएम मोदी ने कहा, मैंने इस चुनाव को बेहद क़रीब से देखा है और एक बात मैं कह सकता हूं कि एनडीए इस चुनाव में भारी बहुमत से जीत रही है। मुझे एनडीए की जीत पर कोई संदेह नहीं है। पीएम मोदी के साथ संवाद के दौरान ज्यादातर महिलाओं ने खाते में आए 10000 रुपए का जिक्र किया और कहा कि उनके क्षेत्र की महिलाओं में इसको लेकर गजब का उत्साह दिख रहा है। बेगूसराय की महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष डॉक्टर रेखा राम ने कहा कि बीमार लोगों को बूथ तक पहुंचाने के लिए खास तौर पर उन्होंने तैयारी की है। पीएम मोदी ने उनसे पूछा था कि उनके इलाके में अधिक वोटिंग के लिए क्या योजना है? उन्होंने महिला को ये भी जानकारी दी चुनाव आयोग बीमार लोगों को बूथ तक पहुंचाने की व्यवस्था करते हैं। अगर बूथ स्तर पर ये काम महिलाएं कर रही हैं, तो ये बड़ा काम है।

महिलाओं ने कहा कि पिछले 10 साल में स्वास्थ्य स्तर पर बड़ा बदलाव आया। कई एम्स बने हैं। स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र एक्टिव हैं। वहां सारी सुविधाएं मौजूद हैं। इसलिए महिलाओं को कहीं और नहीं जाना पड़ता है। अच्छी सड़क की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब बेगूसराय से दरभंगा जाने में सिर्फ 2 घंटे लगते हैं, पहले कई घंटे लगते थे। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने बिहार में लोगों का उत्साह देखा है। बिहार के लोग मन बना चुके हैं इस बार बिहार के लोग पिछले 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए सबसे करारी हार का सामना महागठबंधन वालों को करना होगा पीएम मोदी ने कहा कि लालू- राबड़ी जंगल राज के 15 साल में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं बना।

▶10 पर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का दावा

ढाई करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के कार्यक्रम में कहा कि सरकार ने करीब 2.5 करोड़ लोगों को घोर गरीबी की स्थिति से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत आज तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आ रहा है।

दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में छात्रों को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा, भारत अपनी आर्थिक मजबूती के कारण ही अपने पैरों पर खड़ा है। जो बात हमें सचमुच अलग बनाती है, वह है 2014 में दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं और चौथी, और अब जल्द ही, संभवतः तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर हमारी प्रगति। सरकार 2.5 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने में सफल रही है। बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में सीतारमण ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बैलेंस शीट में 7-8 साल पहले की दोहरी बैलेंस शीट की समस्या की तुलना में काफी सुधार हुआ है। वित्त मंत्री ने भरोसा जताया कि सरकार चालू वित्त वर्ष के लिए 4.4 प्रतिशत के महत्वाकांक्षी राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल कर लेगी। केंद्र का अनुमान है कि 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत या 15.69 लाख करोड़ रुपए होगा।

आरटीआई के जरिए मिले सरकारी आंकड़ों से खुलासा

भारत में वाम-आतंक खत्म होने की ओर

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत गृह मंत्रालय से हासिल किए गए आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में वाम-आतंक खत्म होने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2014 से 6,000 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि 1,100 नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया गया। भारत के नक्सल विरोधी अभियानों में छत्तीसगढ़ अग्रणी है। गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक वामपंथी उग्रवाद के खात्मे का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी की अगुवाई वाले पिछले 11 वर्षों के शासनकाल में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है। रेड कॉरिडोर में वामपंथी उग्रवाद में तेजी से कमी आई है। गृह मंत्रालय ने नक्सलवाद पर आरटीआई के

वर्ष 2014 से हजारों सरेंडर, 2025 में सर्वाधिक नक्सली ढेर

वर्ष 2014 से अब तक 548 जवानों ने अपनी शहादत दी है

जरिए जानकारी दी है कि मई 2014 से 30 सितंबर 2025 तक छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण (6,153) किए और सबसे ज्यादा नक्सलियों की हत्या भी यहां (1,129) दर्ज की गईं। वर्ष 2016 में सबसे ज़्यादा आत्मसमर्पण (1,440) दर्ज किए गए, जबकि 2025 (30 सितंबर तक) में सबसे ज्यादा वामपंथी उग्रवादियों (311) को मौत के घाट उतारा गया। ये खुफिया जानकारी के आधार पर नक्सलियों के खिलाफ किए गए सफलतापूर्वक मिशन को दर्शाता है।

10 राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, बिहार, ओड़ीशा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई 2014 से अब तक कुल 8,751 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और 1,801 नक्सली मारे गए हैं। इस दौरान कुल 548 सुरक्षाकर्मियों ने अपना बलिदान दिया। इस दौरान 1630 नागरिक मारे गए। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने मई 2014 से 30 सितंबर 2025 के बीच वामपंथी उग्रवादियों से 5,277 हथियार बरामद किए। ये आंकड़े केंद्र सरकार की राज्यों के बीच के समन्वय, विकास और पुनर्वास की नीति की सफलता की पुष्टि करता है। बिहार में चुनावी रैली के दौरान हाल ही में गृह मंत्री शाह ने कहा कि देश भर में नक्सलवाद अब केवल 3 जिलों में सिमट कर रह गया है।

▶10 पर

बिलासपुर में मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन की टक्कर

हादसे में छह यात्रियों की मौत, कई घायल

बिलासपुर, 04 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लालखदान के पास बड़ा रेल हादसा हुआ है। हावड़ा रूट पर चल रही पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में छह की मौत और 12 से ज्यादा लोगों के घायल होने की जानकारी मिल रही है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में लालखदान के पास हावड़ा रूट पर चल रही पैसेंजर ट्रेन और मालगाड़ी के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतरने के कारण यात्रियों में दहशत फैल गई। मिली जानकारी के मुताबिक कई लोगों के मरने की खबर है। रेलवे प्रशासन ने तुरंत रेस्क्यू टीम और मेडिकल यूनिट को मौके पर भेजा है। स्थानीय प्रशासन भी सहायता के लिए पहुंचा। हादसे के कारण पूरे रूट पर ट्रेन परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। कई ट्रेनों को रद्द या रूट डायवर्ट कर दिया गया। हादसे में प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया गया है। जिसमें मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को पांच लाख रुपए और सामान्य रूप से घायल यात्रियों को एक लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। रेलवे प्रशासन ने मेडिकल यूनिट और रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा है।

▶10 पर

जैन दिवाकर का आदर्श जीवन सम्पूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा स्त्रोत्र: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के तत्वावधान में साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने जैन दिवाकर चौथमल की 148वीं जन्म जयन्ती पर उनके गुणगान करते हुए कहा कि जैन दिवाकर चौथमल महाराज जैन धर्म के ऐसे तेजस्वी संतरत्न थे, जिन्होंने न केवल जैन समाज, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आदर्श जीवन का संदेश दिया। जैन दिवाकर एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे। प्रसिद्ध वक्ता, युगद्रष्टा सुधारक, एकता के उपासक और धर्मप्रेमी आचार्य। उनका जीवन आज भी धर्ममार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आपके हृदय में प्रेम, करुणा और सहानुभूति का अद्भुत संगम था। आपने दूसरों को प्रसन्न देखने के लिए स्वयं दुःख सहन किए, और सदा मानवता, सत्य और धर्म के

मार्ग पर अग्रसर रहे। आपका व्यक्तित्व अत्यंत प्रभावशाली था। आप जातिवाद, क्षेत्रवाद और संप्रदायवाद से ऊपर उठकर सबको एकता के सूत्र में बांधने वाले संत थे। आपने समाज को धार्मिक, नैतिक और महान जीवन जीने की प्रेरणा दी। आपके व्यवहार में ऐसी मधुरता और वात्सल्य था कि जो भी आपके संपर्क में आया, वह आपके प्रति श्रद्धा से भर गया। आप एक उच्चकोटि के वक्ता, साहित्यकार और चिंतक थे। आपने काव्य और गद्य दोनों में उत्कृष्ट रचनाएं कीं। आपकी रचनाएं पाठकों को आत्मबोध और धर्म के गूढ़ तत्त्वों की ओर प्रेरित करती हैं। आपने निर्ग्रंथ प्रवचन ग्रंथ में समस्त जैन आगमों का सार समाहित किया। यह आपके ज्ञान और साधना का अमर प्रमाण है, जो सदियों तक जैन समाज का मार्गदर्शन करता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी दिवाकर दिव्य ज्योति नामक 20 भागों में प्रकाशित पुस्तक आपके प्रवचनों का भव्य संग्रह है, जो आज भी साधकों और श्रावकों को ज्ञान का आलोक प्रदान कर रही है। पूज्य गुरुदेव केवल आध्यात्मिक प्रवर्तक ही नहीं, बल्कि समाज सुधारक भी थे। उन्होंने समाज से अनेक कुरीतियों को मिटाने का अभियान चलाया। बाल विवाह, दहेज प्रथा, मृत्युभोज और पशुबलि जैसी अमानवीय प्रथाओं का दृढ़ता से विरोध किया। जीवदया और अहिंसा के संदेश से जनमानस को जाग्रत किया। इस अवसर पर मंत्री नेमीचंद दलाल ने कहा कि जैन दिवाकर जन जन के दिवाकर थे। उन्होंने जैन धर्म को लोक धर्म का स्वरूप प्रदान किया। 1948 में ब्यावर में पांच सम्प्रदायों का उन्होंने एकीकरण किया। सम्पूर्ण मानवता को जोड़ने का प्रयास किया। अनेक चमत्कार उनके जीवन में घटित हुए। जैन धर्म के अनुयायी होते हुए भी आप सभी संप्रदायों और धर्मों का समान रूप से सम्मान करते थे। प्रभावना के लाभार्थी वृद्धिचंद विजयराज संजयकुमार जम्बूकुमार पितलिया रहे। आभार ज्ञापन प्रकाश चानोदिया ने और संचालन नेमीचंद दलाल ने किया।

मानव सेवा के तहत स्कूल में सेवा कार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ कर्नाटक बेंगलूरु की युवा शाखा श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल युवा संगठन ने अपना 65वां मासिक मानव सेवा कार्यक्रम रविवार को निड बसे इंडिया गर्ल्स हाई स्कूल श्रीरामपुरम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मंगलाचरण से शुरुआत करते हुए युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने प्रायोजक परिवार एवं कार्यक्रम में पधारे हुए सभी साथियों का स्वागत किया। इस मानव सेवा के सहयोगी अजीत कुमार, नितेश, शारविल, जैनीत संचेती परिवार यशवंतपुर मेवाड़ में रघुनाथपुरा निवासी रहे। संगठन द्वारा स्कूली छात्राओं को प्रातः कालीन नाश्ता एवं स्टेशनरी, दैनिक उपयोग में आने वाली चीजें और राशन का वितरण किया गया। युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन किया। मानव सेवा प्रभारी दिलीप हिरण का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा। संगठन मंत्री संदीप चौधरी ने प्रायोजक परिवार एवं सभी साथियों का आभार जताया। इस मौके पर निवर्तमान युवा अध्यक्ष राकेश संचेती ने संगठन के सेवा कार्य की सराहना करते हुए अपने विचार व्यक्त किये। खेल प्रभारी अजीत संचेती एवं युवा साथी मौजूद रहे। स्कूल की मुख्य अध्यापिका रुपा मैडम ने युवा संगठन के इस सहयोग और सेवा कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी मदद की अपेक्षा की।

विहार साधु जीवन का अभिन्न अंग: साध्वी शीतलगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का बहुत विशेष और पवित्र महत्व है। कार्तिक पूर्णिमा को शत्रुंजय तीर्थयात्रा पालिताना यात्रा का शुभारंभ दिवस भी है। साधु साध्वीवृंद का विहार प्रारंभ होता है। कोई चाले हाथी घोड़ा, पालखी मंगाय के। साधु चाले पैया पैया, कीड़ी को बचाय के। इस महान् साधना के द्वारा साधु प्राणी के प्रति मैत्री रूप भाव-प्राणों का संरक्षण करता है। आज विश्व में हिन्दू, बौद्ध, सिक्ख, ईसाई, इस्लाम आदि अनेक धर्म प्रचलित हैं पर किसी भी धर्म में पदयात्रा की अनुपम साधना दृष्टिगत नहीं होती। विहार चर्या धर्म उपासना की एक विलक्षण एवं विशिष्ट गतिविधि है, जिनके द्वारा साधु कश्मीर से कन्याकुमारी व अटक से कटक तक की यात्रा कर लेता है। विहार के नियमों को आत्मसात् करना चाहिये, ताकि संयम व जीवन की रक्षा हो सके। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि विहार साधु जीवन का अभिन्न अंग है। जैन साधु पदयात्रा के द्वारा छोटे-छोटे कस्बों में पहुंचते हैं और धर्म का प्रचार-प्रसार करते हैं। इसके द्वारा वे एक अपेक्षा से करुणा और दया को आत्मसात् करते हैं, तो अन्य अपेक्षा से जगत को अपने आचार के द्वारा अहिंसा का संदेश भी देते हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। उसी श्रृखंला में श्री मुनिसुव्रत स्वामी दादा का 108 मंत्रों द्वारा अभिषेक किया गया। मनुबाई मोहनलाल सोलंकी ने लाभ लिया। कार्तिक पूर्णिमा को शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक का लाभ बाम्बे स्टेशनरी ने लिया है। शत्रुंजय तीर्थ भाव वंदना का कार्यक्रम सुबह होगा। उसके पश्चात चातुर्मास परिवर्तन होगा।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हिंदी-विभाग बेंगलूरु विश्वविद्यालय, कार्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिंदी प्राध्यापक संघ तथा हिंदी शोधार्थी संघ के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एवं भारत के विभिन्न प्रांतों में हिंदी भाषा तथा उसका साहित्य, एक वैश्विक विमर्श विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वेंकटगिरि गौड़ा सेमिनार हॉल, हिंदी -विभाग ज्ञान भारती कैंपस बेंगलूरु विश्वविद्यालय में हुआ। संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए बेंगलूरु विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) जयकर एस. एम. ने कहा बेंगलूरु विश्वविद्यालय में इस प्रकार का पहला अंतरराष्ट्रीय हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन हुआ है। इसके लिए हिन्दी विभाग और कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्राध्यापक संघ को मैं बधाई देता हूं। भाषा संबंधी आयोजन होना चाहिए। बेंगलूरु विश्वविद्यालय के हिन्दी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. प्रभाशंकर प्रेमी ने कहा कोई भाषा अपनी मिट्टी की भाषा होती है। भाषाई आधार पर ही राज्यों का नाम पड़ा है। हिन्दी जोड़ने वाली भाषा है। मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा के कुलपति डॉ.मंजुनाथ अंबिग उप-स्थित रहे। कार्यक्रम में हिंदी शोधार्थी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नूतन अग्रवाल 'ज्योति', कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिंदी प्राध्यापक संघ, बेंगलूरु के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.एस.ए.मंजुनाथ, बेंगलूरु विश्वविद्यालय के हिंदी-विभागाध्यक्ष डॉ. शेखर, कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय कॉलेज हिंदी प्राध्यापक संघ के महासचिव बेंगलूरु के डॉ.विनय कुमार यादव उपस्थित रहे।

जीवन की विरासत को संजोए रखना जरूरी: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि जैन आगमों में एक आगम जिसका नाम थानाम है, बहुत महत्वपूर्ण है। थानाम के चौथे अध्ययन में चार तरह की बातें बताई गई है। जिसमें पहला अतिजात है। इसमें पुत्र पिता से आगे जाता है। जो पिता ने कमाया है उससे कहीं बड़ा पुत्र बना लेता है। धन दौलत को चौगुना कर लेता है। दूसरा अन-जात होता है। इसमें जो है उसी तरह रहता है। ना ही बढ़ता है और ना ही घटता है। जैसा मिला है मनुष्य उसी के साथ जीवन यापन करता है। तीसरा अवजात होता है। इस श्रेणी में आने वाला खत्म करता है। ऐसा मानव हर काम में पीछे रहता है। कुछ भी नहीं कर पाता है। चौथा कुल जात होता है। इसमें पुत्र सारी विरासत को नष्ट कर देता है। उसको जो विरासत मिली है उसको बढ़ाने के बजाय मानव उसको नष्ट करने का काम करता है। धन दौलत को बढ़ाना तो दूर जो है उसको भी नहीं बचा पाता है। इन श्रेणी में हम कहां है उसकी सभी को गढ़ना करनी चाहिए। अच्छा बेटा सपूत बेटा कैसा होता है इसमें पता चल सकता है। इन श्रेणियों में मनुष्य कहां है उसको जान कर अच्छा बनने का प्रयास करना चाहिए। कुछ मनुष्य धन दौलत को जुआ में उड़ा देते हैं। सट्टा और जुआ मनुष्य के बुद्धि को भंग कर देता है। यह सब अक्ल पर निर्भर करता है। अक्ल अगर है तो वह काम आएगी। किसी से मांग कर अक्ल का उपयोग नहीं कर सकते है। मनुष्य को जो विरासत में मिली है उसको संजोए रखना चाहिए। अगर उसके साथ लापरवाही करेंगे तो जीवन में कुछ हासिल नहीं होगा। गुरुदेव ने फरमाया कि सट्टा और जुआ में हजारों घर बर्बाद हो गए हैं। इसलिए इनसे जितना हो सके दूर ही रहना चाहिए। समय रहते अगर इसको नहीं समझेंगे तो जीवन बर्बाद हो जाएगा। मनुष्य को सोचना चाहिए कि वह कैसा बेटा है। कैसा संस्कार मिला है। पिता का नाम रोशन करने का प्रयास करना चाहिए। पिता से जो मिला है उसको बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। मनुष्य के संस्कारों पर स्वर्ग बनता है। अगर संस्कार और शिक्षा नहीं है तो स्वर्ग नहीं मिलेगा। अपने बच्चों को संस्कारी बनाना बहुत जरूरी है।

महाप्रज्ञ अलंकरण दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अणुव्रत समिति बेंगलूरु महाप्रज्ञ अलंकरण दिवस जीवन विज्ञान के रूप में डॉ. पुलकित मुनि श्री एवं आदित्य मुनि के पावन सानिध्य में मनाया गया। मुनि ने बताया कि जीवन विज्ञान की गूंज दक्षिण में ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए। महारानी कॉलेज एवं जनता स्कूल के विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम हुआ। जीवन विज्ञान को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर अणुविभा उपाध्यक्ष कैलाश बोराना, संगठन मंत्री राजेश चावत, अणुव्रत समिति बेंगलूरु के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया, माणक मुथा, मदन बोराना, सुरेश दक, रामलाल गन्ना, प्रकाश बाबेल और चंद्रशेखर आदि उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वर्षिनी योग एजुकेशनल एंड कल्चरल ट्रस्ट द्वारा महात्मा गांधी खेल मैदान तुमकुरु में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय योग स्पर्धा के समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे।

संत तथा पानी तो बहते ही अच्छे रहते हैं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चातुर्मास एक कल्प व्यवस्था है, और संत तथा पानी तो बहते ही अच्छे रहते हैं। संत, सरिता और सूर्य किसी के नहीं होते हैं। संत सभी के लिए हित की भावना रखते हैं। उनके संपर्क में जो आता है और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के लिए जो मर्यादा का मार्ग अपनाता है वो अपना समय और पुरुषार्थ सार्थक कर लेता है। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित चातुर्मास समाप्ति पर अपने संदेश में प्रवचन में उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि

संतों के प्रवास की मंडी अब उठने वाली है। स्टेशन से गाड़ी अब छूटने वाली है। मात्र व्रत प्रत्याख्यन से ही हम चातुर्मास स्मृति को स्थाई कर सकते हैं। हम ऐसा सौदा करें कि जीवन में फायदा ही फायदा हो। खूब भटक लिए है, और कब तक भटकेंगे। हम स्वयं आदर्श बने और फिर पथ प्रदर्शक बनें। हम स्वर्णिम स्वयं का इतिहास बनाएं। एक ऐसा इतिहास जो आचार्य जयमल जी और लोकाशाह ने बनाया है। अपने बच्चों को भी हम धार्मिक पर्वों से जोड़े। अलसूर चातुर्मास समाप्ति प्रसंग पर महेंद्र कुमार भंसाली, तेजराज लोढ़ा, नवकार बहु मंडल, राजेश्वरी तातेड, सुनंदा मर्लेचा, सुशीला मूरड़िया, कविता बांठिया एवं जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री सुरेन्द्र बेताला ने साध्वी वृंद के चरणों में विदाई संदर्भ में कृतज्ञता के शब्द पुष्प अर्पित किए। रात रानी ग्रुप ने नाटिका प्रस्तुत की। चातुर्मास में आवश्यक सूत्र कंठस्थ करने वालों को पुरस्कार दिये गए। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

हेल्थ चेक-अप कैंप के बैनर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि पुलकित कुमार जी के पावन सानिध्य में तेरापंथ भवन, गांधीनगर में सेवा केंद्र द्वारा आयोजित सीनियर सिटीजन हेल्थ चेक-अप कैंप के बैनर का विमोचन किया गया। इस कैंप के माध्यम से 200 वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच सेवा प्रदान की जाएगी। बेंगलूरु के सभी आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर्स में यह कैंप 7 नवम्बर से प्रारंभ

होगा। कार्यक्रम के संयोजक राजेश चावत ने बताया कि पंजीकरण के लिए 3 दिन का समय रहेगा। इच्छुक नागरिक पहले टोकन, कूपन प्राप्त करें। पीनिया में लादू लाल बाबेल, राजा राजेश्वरी नगर में राकेश छाजेड़, राजाजीनगर में राजेश देरसरिया और विजयनगर में राजेश चावत से टोकन प्राप्त किया जा सकता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा है। ट्रस्ट के अध्यक्ष ललित मांडोत ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस सेवा का लाभ उठाने का निवेदन किया।

नम्मा मेट्रो की पूरी 21.26 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन मई 2026 तक चालू हो जाएगी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाने के बाद भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने घोषणा की कि नम्मा मेट्रो की पूरी 21.26 किलोमीटर लंबी पिंक लाइन मई 2026 तक चालू हो जाएगी। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए हमारी प्रतिबद्धता जारी है। कलेना अग्रहारा को नागवारा से जोड़ने वाली नम्मा मेट्रो पिंक लाइन मई 2026 तक चालू हो जाएगी। 13.76 किलोमीटर का यह खंड यातायात को आसान बनाएगा और बेंगलूरु में उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। हालांकि, उनके पोस्ट पर तुरंत ही उपयोगकर्ताओं ने आपत्ति जताई और एक सामुदायिक नोट के साथ फ्लैग भी किया। रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआर-सीएल) के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पिंक लाइन एक साथ नहीं, बल्कि दो चरणों में खु-लेगी। दो चरणों में उद्घाटन योजना के बारे में बीएमआरसीएल के अनुसार, कलेना अग्रहारा से तव-रेकेरे तक 7.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड सेक्शन मई 2026 में खु-लेगा, जबकि डेयरी सर्कल से नागवारा तक 13.76 किलोमीटर लंबा भूमिगत सेक्शन दिसंबर 2026 तक ही पूरा होने की उम्मीद है। बीएमआरसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एलिवेटेड सेक्शन लगभग पूरा हो चुका है, सिवाय कुछ छोटे-मोटे कामों के जो लॉन्च से पहले पूरे हो जाएंगे। बन्नेरघट्टा रोड पर चलने वाले इस सेक्शन में छह स्टेशन शामिल हैं, तवारेकेरे, जयदेव अस्पताल, जेपी नगर चौथा चरण, आईआईएमबी, हुलिमावु और कलेना अग्रहारा। जयदेव अस्पताल स्टेशन, जो दक्षिण भारत का सबसे ऊंचा मेट्रो स्टेशन है, बेंगलूरु का तीसरा इंटरचेंज पॉइंट होगा। इस बीच, शहर की सबसे लंबी 13.76 किलोमीटर लंबी मेट्रो सुरंग, भूमिगत सेक्शन पर काम अभी भी जारी है। हालांकि सुरंग निर्माण कार्य दिसंबर 2024 में पूरा हो जाएगा, लेकिन ट्रैक बिछाने, बिजली और सिस्टम का काम अभी पूरा होना बाकी है। इस खंड में डेयरी सर्कल से एमजी रोड होते हुए नागवारा तक 12 स्टेशन शामिल हैं, जो शहर का चौथा इंटरचेंज स्टेशन होगा। अधिकारियों ने बताया कि डेयरी सर्कल-शिवाजीनगर खंड का काम अंतिम चरण में है, जहां सिविल और ट्रैक बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है।

किसानों की समस्याओं के प्रति कर्नाटक सरकार की उदासीनता निंदनीय: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र मंगलवार को कर्नाटक के बेल-गावी जिले के गुरलापुर चौराहे पर गन्ना किसानों के साथ शामिल हुए, जो अपनी फसल के लिए ज्यादा दामों की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने दारूर पुल पर यातायात रोक दिया और निप्पनी-मुधोल मार्ग पर कुछ घंटों तक बैठे रहे, जिससे सड़क पूरी तरह बंद हो गई। उन्होंने चिक्कोडी, अथानी और मुदलागी में बंद का आह्वान किया। चिक्कोडी और आसपास के इलाकों में बसें नहीं चलीं। चिक्कोडी और अथानी में कुछ निजी कार्यालय, स्कूल और कॉलेज बंद रहे। किसान नेता चुनप्पा पुजारी ने विपक्षी नेताओं से उनका समर्थन करने और विभिन्न मठों के प्रमुखों से उनके विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की मांग की। उन्होंने कहा हम पांच दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन कोई भी मंत्री या कांग्रेस विधायक, जो चीनी मिलों का मालिक या प्रबंधक है, हमसे मिलने नहीं आया है। सभी नेता सिर्फ विधान सभाओं या सहकारी समितियों के चुनावों के लिए आ रहे हैं। हम अब इस तरह की उदा-

सीनता बर्दाश्त नहीं करेंगे। किसान उन नेताओं को सबक सिखाएंगे जो हमारी उपेक्षा करते हैं। उन्होंने कहा अभी तक, केवल वे नेता ही धरना स्थल पर आए हैं या समर्थन व्यक्त किया है जिनके पास न तो चीनी मिलों का स्वामित्व है और न ही उनका प्रबंधन। इनमें सांसद जगदीश शेट्टर, पी. सी. गद्दीगौदर और इरन्ना कडाडी, विधायक दुर्योधन ऐहोली और सिद्दू सावदी, और पूर्व विधायक वी. आई. पाटिल शामिल हैं। लेकिन चीनी मिलों के मालिक अन्य नेता यहां नहीं आए हैं। गुरलापुर जाने से पहले विजयेंद्र ने बेलगावी में संवाददाताओं से कहा कि वह किसानों की समस्याओं के प्रति कर्नाटक सरकार की कथित उदा-सीनता से बेहद व्यथित हैं। उन्होंने कहा वरिष्ठ मंत्री सत्ता के खेल में व्यस्त हैं। वे मुख्यमंत्री बनने का इंतजार कर रहे हैं। बदले में, मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने की कोशिश कर रहे हैं। किसान पिछले 4-5 दिनों से सड़कों पर हैं, लेकिन नेता उनकी समस्या सुनने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। राज्य सरकार को खुद पर शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा मैं पूर्व मुख्यमंत्री बी. एस. येदियुरप्पा का बेटा हूं, जिन्होंने अपना जीवन किसानों के लिए आंदोलन करते हुए बिताया। मैं यहां विपक्षी दल के अध्यक्ष के रूप में नहीं, बल्कि येदियुरप्पा के बेटे के रूप में आया हूं, जिनका दिल किसानों के लिए धड़कता है। उन्होंने आगे कहा बेलगावी में राज्य विधानमंडल के 2014 के शीतकालीन सत्र में, किसान विठ्ठल अरबावी ने गन्ने के लिए अपनी जान दे दी थी। उस समय, बी. एस. येदियुरप्पा ने तत्कालीन मुख्यमंत्री पर दबाव बनाने और गन्ना किसानों की समस्याओं का समाधान करने के लिए संघर्ष किया और सफल भी हुए। हालांकि, आज किसान कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, लेकिन सरकार कोई चिंता नहीं दिखा रही है। गन्ना उत्पादक 3,500 रुपये प्रति टन गन्ने के भुगतान की मांग कर रहे हैं। राज्य सरकार को किसानों के सड़कों पर आने से पहले ही कीमत की घोषणा कर देनी चाहिए थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि उनकी सरकार किसान विरोधी है। चूंकि उन पर भरोसा नहीं किया जा सकता, इसलिए हम किसानों का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक की चीनी मिलें सालाना 60 लाख टन गन्ना पीसती हैं। इससे कर्नाटक सरकार को 55,000 करोड़ रुपये का कर प्राप्त होता है। उन्होंने आरोप लगाया जब किसान भारी बारिश से जूझ रहे थे, तब भी संबंधित जिलों के प्रभारी मंत्री, राजस्व मंत्री और कृषि मंत्री ने उत्तरी कर्नाटक का दौरा नहीं किया। सरकार को किसानों की कोई चिंता नहीं है। इसीलिए आज किसान गन्ने के बेहतर दाम के लिए फिर से सड़कों पर उतर रहे हैं। उन्होंने कहा आप जानते हैं कि कर्नाटक की ज्यादातर चीनी मिलों का मालिक कौन है। सरकार को गतिरोध खत्म करने के लिए चीनी मिल मालिकों से बात करनी चाहिए। बी. श्रीरामुलु के इस दावे पर कि बेल-गावी में शीतकालीन सत्र में एक नया मुख्यमंत्री शामिल होगा, विजयेंद्र ने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है क्योंकि कांग्रेस विधायक खुद इसके संकेत दे रहे हैं। सभी जानते हैं कि बिहार चुनाव के बाद नेतृत्व परिवर्तन की संभावना है।

रेणुकास्वामी मामला: अभिनेता दर्शन, पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य पर हत्या का आरोप

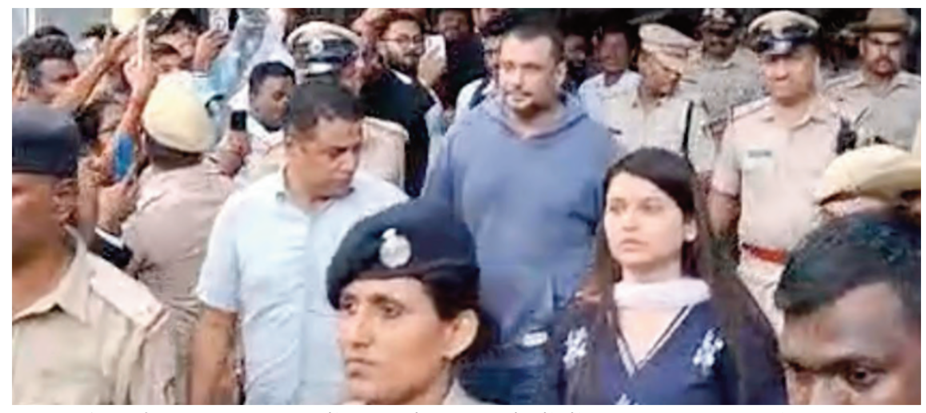

10 नवंबर से मुकदमा शुरू होने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु की एक अदालत ने सोमवार को कन्नड़ अभिनेता दर्शन थुगुदीपा, उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य के खिलाफ 2024 के रेणुकास्वामी हत्याकांड में आरोप तय किए। इस मामले की सुनवाई 10 नवंबर से शुरू होने की संभावना है। चित्रदुर्ग की एक मेडिकल दुकान पर काम करने वाले 33 वर्षीय रेणुकास्वामी को अभिनेता दर्शन के साथियों ने पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजने के आरोप में अगवा कर लिया था। पुलिस ने 3 सितंबर, 2024 को दायर 3,991 पृष्ठों के आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि अभिनेता, उनकी दोस्त पवित्रा गौड़ा और अन्य ने कथित तौर पर उनकी पीट-पीटकर हत्या कर दी और अपराध को छिपाने के प्रयास में शव को एक नाले में फेंक दिया। पवित्रा को आरोपी नंबर 1 और दर्शन को आरोपी नंबर 2 बनाया गया है, जिसमें अपराध में प्रत्येक आरोपी की कथित भूमिका का विवरण दिया गया है। बाद में एक पूरक आरोपपत्र पेश किया गया। रेणुकास्वामी का क्षत-विक्षत शव 9 जून, 2024 को पश्चिमी बेंगलूरु के सुमनहल्ली में एक नाले के पास मिला था। अगले दिन चार लोग पुलिस स्टेशन पहुंचे और हत्या की बात स्वीकार की। हालाँकि, उनसे पूछताछ के बाद पुलिस अभिनेता दर्शन और उनकी साथी पवित्रा गौड़ा तक पहुंची। अब 17 आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या), 359 (अपहरण), 120(बी) (आपराधिक षड्यंत्र), 204 (साक्ष्य नष्ट करने का प्रयास) सहित अन्य धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। अतिरिक्त नगर दीवानी एवं सत्र न्यायालय (सीसीएच-57) के न्यायाधीश द्वारा आरोप पढ़े जाने के बाद मामले के सभी 17 आरोपियों ने 'निर्दोष' होने की दलील दी। न्यायाधीश ने उनकी दलीलें दर्ज कीं और मामले की सुनवाई 10 नवंबर, 2025 के लिए स्थगित कर दी। कड़ी पुलिस सुरक्षा में सभी 17 आरोपियों को अदालत में लाए जाने पर अदालत में काफी नाटकीय माहौल रहा। चूंकि कई वकील और आम जनता अदालत कक्ष में एकत्र हो गई थी, इसलिए न्यायाधीश को सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए मामले से असंबद्ध सभी लोगों को अदालत कक्ष से बाहर जाने के लिए कहना पड़ा। कार्यवाही पूरी होने के बाद, सभी अभियुक्तों ने आरोप-पत्र पर हस्ताक्षर किए और फिर उन्हें परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार परिसर वापस ले जाया गया जहां वे न्यायिक हिरासत में हैं।

सांसद ने केंद्र से मेंगलूरु ईएसआई अस्पताल के अधिग्रहण में तेजी लाने का किया आग्रह

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ सांसद बृजेश चौटा ने केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया से नवगठित कर्नाटक ईएसआई सोसायटी के मनोनीत सदस्यों की स्वीकृति प्रक्रिया में तेजी लाने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इस कदम से मेंगलूरु ईएसआई अस्पताल को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) को औपचारिक रूप से हस्तांतरित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। केंद्रीय मंत्री को लिखे एक पत्र में, चौटा ने उल्लेख किया कि उन्होंने पहले राज्य सरकार से कर्नाटक में ईएसआई अस्पतालों के कामकाज को सुदृढ़ करने के लिए ईएसआई सोसायटी की स्थापना का आग्रह किया था। उनके अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, राज्य सरकार ने अब कर्नाटक ईएसआई सोसायटी का गठन किया है और इसके सदस्यों को मनोनीत किया है, तथा सूची अनुमोदन के लिए केंद्र सरकार को भेज दी है। चौटा

ने अनुरोध किया कि मनोनीत सदस्यों की स्वीकृति जल्द से जल्द प्रदान की जाए, ताकि कर्नाटक ईएसआई सोसायटी अपना संचालन शुरू कर सके। उन्होंने कहा कि इससे मेंगलूरु के ईएसआई अस्पताल का ईएसआईसी द्वारा औपचारिक अधिग्रहण आसान हो जाएगा, जिससे बीमित श्रमिकों के लिए बेहतर प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित होंगी। सांसद ने याद दिलाया कि इस साल फरवरी में, उन्होंने मेंगलूरु स्थित सौ बिस्तरों वाले ईएसआई अस्पताल से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली में ईएसआईसी के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह से मुलाकात की थी। उस बैठक के दौरान, अधिकारियों ने उन्हें बताया कि ईएसआई से संबंधित कार्यों को सुव्यवस्थित करने, कुशल निधि प्रबंधन सुनिश्चित करने और केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक अलग ईएसआई सोसायटी का गठन आवश्यक है। यह सोसायटी राज्य में ईएसआई से संबंधित सभी गतिविधियों और निधि वितरण की देखरेख करने वाली एक प्रशासनिक संस्था के रूप में कार्य करेगी। चौटा ने जोर देकर कहा कि एक बार जब ईएसआई अस्पताल सीधे ईएसआईसी के नियंत्रण में आ जाएंगे, तो वे लाभार्थियों के लिए अधिक कुशल प्रशासन, उचित प्रबंधन और उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित कर सकेंगे। इसके बाद, चौटा ने कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड से ईएसआई सोसायटी की स्थापना के लिए शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया था। इसके बाद, मई में, दिल्ली स्थित ईएसआईसी मुख्यालय से एक उच्च-स्तरीय टीम ने मेंगलूरु के शिवबाग स्थित ईएसआई अस्प-ताल का दौरा किया और उसकी सुविधाओं और चुनौतियों का आकलन किया। टीम ने अस्प-ताल के उन्नयन और उसके बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए समर्थन का भी आश्वासन दिया।

भाजपा को यतनाल को वापस लाना चाहिए: रमेश जारकीहोली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक और पार्टी नेता रमेश जारकीहोली ने कहा कि भाजपा को बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को पार्टी में वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। यहां बोलते हुए, जारकीहोली ने कहा मैंने हमेशा यतनाल का समर्थन किया है। मैं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र का समर्थन नहीं करता। उनके निष्कासन के समय से ही, मैं यह कहता रहा हूँ कि यतनाल को भाजपा में वापस शामिल होना चाहिए। अब भी, हमें यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए कि उन्हें वापस लिया जाए। यतनाल ने कहा है कि वह दूसरी पार्टी तभी बनाएंगे जब विजयेंद्र बने रहेंगे। उन्हें निष्कासित हुए आठ महीने हो गए हैं। लेकिन वह राजनीति में सक्रिय रहे हैं। राज्य भर में उनके अपने समर्थक हैं। भाजपा को उन्हें नहीं खोना चाहिए। उन्होंने कहा

हमने विजयेंद्र का विरोध किया है। लेकिन हमने येदियुरप्पा के खिलाफ कभी कुछ नहीं कहा। यह स्पष्ट है कि विजयेंद्र की वजह से भाजपा पार्टी बर्बाद हो रही है। इससे हमें भी दुख होता है। जारकीहोली ने कहा कि लक्ष्मण सावदी के साथ उनके गहरे राजनीतिक मतभेद हैं और वह 2028 में अथानी में उन्हें हराने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा हम अथानी से बेलगावी जिला केंद्रीय सहकारी बैंक का चुनाव भले ही हार गए हों। लेकिन हम अथानी विधानसभा सीट जीतेंगे। उन्होंने जारकीहोली परिवार के साथ राजनीतिक मतभेद रखने वाले भाजपा के एक अन्य नेता रमेश कट्टी को आगाह किया कि वे अपने तौर-तरीके सुधारें और नेताओं या समुदायों को गाली न दें। उन्होंने कहा वह मेरे दोस्त हैं। लेकिन मैं इस बात से दुखी हूँ कि उन्होंने हाल ही में हुए सहकारी चुनावों के दौरान मेरे समुदाय को गाली दी। मेरे भाइयों ने हुक्केरी में ग्रामीण विद्युत सहकारी समिति में रमेश कट्टी के पैनल के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन मैं इसके पक्ष में नहीं था। रमेश कट्टी को सार्वजनिक रूप से ऐसे बोलना बंद कर देना चाहिए जैसे उनका दिमाग खराब हो गया हो। वरना, उन्हें अपने राजनीतिक जीवन में बहुत नुकसान होगा। उन्हें लगा कि भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस के अंदरूनी मतभेदों पर बात करने का कोई मतलब नहीं है। हमारी पार्टी के सदस्य कांग्रेस की नवंबर क्रांति पर चर्चा क्यों कर रहे हैं? मुझे समझ नहीं आ रहा। हमें क्या फर्क पड़ता है कि डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनते हैं या सिद्धरामैया बने रहते हैं, हमें उनकी क्या जरूरत है? हमारा काम एक प्रभावी विपक्ष के रूप में काम करना है। एक चीनी मिल के प्रबंधन से जुड़े रमेश जारकीहोली ने कहा कि वह गन्ने के ज्यादा दामों के लिए किसानों के संघर्ष का समर्थन कर रहे हैं। किसानों को न्याय मिलना चाहिए। सरकार को जल्द से जल्द समर्थन मूल्य घोषित करना चाहिए।

बेंगलूरु में अलग-अलग घटनाओं में टीवी कलाकार समेत दो महिलाओं का यौन उत्पीड़न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इंदिरानगर पुलिस सुबह की सैर पर निकली 33 वर्षीय महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति की तलाश कर रही है। महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि 1 नवंबर को इंदिरानगर के डूपनहल्ली के पास उस व्यक्ति ने सार्वजनिक रूप से अश्लील हरकत की और उसका यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया। शिकायत के अनुसार, कथित घटना सुबह करीब 11.57 बजे हुई। महिला डोमलूर के दूसरे स्टेज, 5वीं मेन रोड स्थित विंड चाइम्स अपार्टमेंट के पास टहल रही थी, तभी एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया, उसने अपने कपड़े उतार दिए और सार्वजनिक रूप से हस्तमैथुन करने लगा। इस हरकत से स्तब्ध होकर, वह तुरंत अपने घर की ओर भागी। उसने पुलिस को बताया कि आरोपी लगभग 30 साल का था, सांवला था और उसने काली टी-शर्ट और नीली जींस पहनी हुई थी। महिला ने अपने पड़ोसी को इसकी जानकारी दी और बाद में अपनी दोस्त को घटना के बारे में बताया, जिसने शिकायत दर्ज कराने का सुझाव दिया। पुलिस ने सार्वजनिक रूप से अश्लील हरकत, यौन उत्पीड़न और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता द्वारा दिए गए विवरण के आधार पर आर-ोपी की तलाश जारी है। एक अन्य घटना में, एक तेलुगु और कन्नड़ टेलीविजन अभिनेत्री ने एक व्यक्ति के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई, जिसने कथित तौर पर उसे फेसबुक पर अश्लील संदेश और वीडियो भेजे थे। शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस ने 1 नवंबर को आरोपी नवीन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, लगभग तीन महीने पहले, आरोपी ने फेसबुक पर अभिनेत्री को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। जब अभिनेत्री ने इसे स्वीकार नहीं किया, तो उसने मैसेंजर के जरिए उसे अश्लील संदेश भेजना शुरू कर दिया। अभिनेत्री द्वारा उसे ऐसा करने से रोकने की चेतावनी देने के बावजूद, आरोपी ने कथित तौर पर ब्लॉक किए जाने के बाद भी कई फर्जी अकाउंट से अश्लील सामग्री, जिसमें उसके गुप्तांगों की स्पष्ट तस्वीरें और वीडियो शामिल हैं, भेजना जारी रखा। कई कन्नड़ और तेलुगु धारावाहिकों में अभिनय कर चुकीं अभिनेत्री ने 1 नवंबर को सुबह करीब 11:30 बजे नगरभावी स्थित नंदन पैलेस के पास आरोपी से मिलकर उसे व्यक्तिगत रूप से चेतावनी देने का फैसला किया। हालांकि, जब कुछ ही देर बाद उत्पीड़न फिर से शुरू हो गया, तो उन्होंने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। उनकी शिकायत के आधार पर, अन्नपूर्णेश्वरी नगर पुलिस ने यौन उत्पीड़न और इलेक्ट्रॉनिक संचार में अश्लील हरकतों से संबंधित कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

दो किसानों की हत्या के बाद कुद्रेमुख जंगल में अकेला जंगली हाथी पकड़ा गया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में केरेकट्टे के पास दो किसानों की जान लेने वाले जंगली हाथी को आखिरकार दो दिनों के व्यापक अभियान के बाद वन विभाग ने पकड़ लिया है। यह अकेला हाथी कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान के भगवती नेचर कैंप के पास जंगल में छिपा हुआ था। मेंगलूरु वन प्रभाग और कुद्रेमुख वन्यजीव प्रभाग के अधिकारियों की देखरेख में यह व्यापक अभियान चलाया गया। शिवमोग्गा जिले के साकरेबैल, कोडागु जिले के दुबारे और ना-गरहोल हाथी शिविर के अनुभवी दलों और पांच प्रशिक्षित हाथियों ने इस अभियान में भाग लिया। वन अधिकारियों ने ड्रोन का उपयोग करते हुए कुद्रेमुख के पहाड़ी इलाकों में व्यापक खोजबीन की। हाथी को सुबह-सुबह भगवती कैंप के पास देखा गया और सावधानीपूर्वक योजना के बाद रविवार शाम तक उसे पकड़ लिया गया। इस अभियान में 50 से अधिक वन अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। हाल ही में, केरेकट्टे के पास केरेकड्डे इलाके में हाथी ने दो किसानों - हरीश शेट्टी और उमेश पर हमला कर उन्हें मार डाला था। इस घटना के बाद, स्थानीय निवासियों ने विरोध स्वरूप एसके सीमा को जाम कर दिया था और हाथी को तुरंत पकड़ने और पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देने की मांग की थी। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए हाथी को स्थानांतरित करने पर निर्णय लेने से पहले उसका उचित उपचार किया जाएगा।

बिहार चुनाव: शिवकुमार ने व्यापारियों से श्रमिकों को 3 दिन का सवेतन अवकाश देने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी हैं, ने व्यवसायियों से बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए अपने कर्मचारियों को तीन दिन का सवेतन अवकाश देने की अपील की है। डी.के. शिवकुमार ने इस संबंध में एक पत्र लिखा है। बिहार में आम चुनाव चल रहे हैं और 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा। बेंगलूरु और कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों में बड़ी संख्या में बिहार के

निवासी रहते हैं। सभी कंपनियों, व्यावसायिक उद्यमियों, होटलों, ठेकेदारों, बिल्डरों, दुकानदारों और अन्य व्यवसायियों को बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान में सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य में रहने वाले लोगों को कम से कम तीन दिन का सवेतन अवकाश देना चाहिए। उन्होंने इसके माध्यम से उनसे चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है। हाल ही में, डी.के. शिवकुमार ने बेंगलूरु के ब्यातारायणपुरा में बिहारियों से बातचीत की। उन्होंने उनसे अपने गृहनगर जाकर चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने इसके अलावा आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का वादा भी किया। इसी क्रम में उन्होंने व्यवसायियों को एक पत्र लिखकर अपील की है।

पूर्व मंत्री एच.वाई. मेटे का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री और बागलकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक एच.वाई. मेटे (79) का मंगलवार को निधन हो गया। बीमारी के कारण शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती मेटे का निधन हो गया।

मेटे का निधन अप्रभावी उपचार के कारण हुआ। 9 अक्टूबर,

1946 को बागलकोट जिले के तिमापुर में जन्मे मेटे बागलकोट डीसीसी बैंक के निदेशक थे। वे 1989 में गुलेदागुड्डा निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने गए थे।

कश्मीर में फिर शुरू हुई फिल्मों की शूटिंग, लौट रही रौनक

जम्मू, 04 नवंबर (एजेंसियां)। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के लगभग सात महीने बाद कश्मीर घाटी ने एक बार फिर दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग से एक फिल्मी दल का स्वागत किया है। यह स्वागत कश्मीर में फिर से रौनक लौटने और रौनक के प्रति कश्मीरियों के आग्रह का संकेत है।

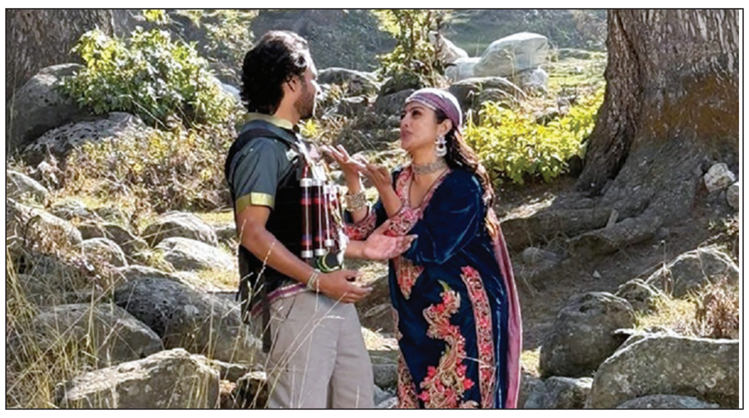

जिस फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है उसका नाम अभी गुप्त रखा गया है। श्रीनगर और दक्षिण कश्मीर के विभिन्न खूबसूरत स्थानों पर शूटिंग चल रही है। यह परियोजना उन फिल्म निर्माताओं के बीच नए आत्मविश्वास का संकेत देती है, जिन्होंने स्थानीय फिल्म और पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र को हिला देने वाले हमले के बाद पहले अपने शेड्यूल वापस ले लिए थे। फिल्म परियोजना से जुड़े एक कास्टिंग निर्देशक ने कहा कि यह शूटिंग क्षेत्र में फिल्म गतिविधि के लिए एक सकारात्मक पुनः आरंभ का प्रतीक है। पहलगाम हमले के बाद कई प्रोडक्शन हाउस ने सुरक्षा चिंताओं के कारण कश्मीर में अपनी शूटिंग रोक दी थी। घाटी से बाहर से होने के कारण, हालांकि शुरुआत में हमें कुछ आशंकाएं थीं, लेकिन यहां आने के बाद, अनुभव पूरी तरह से सकारात्मक रहा। लोग सहयोगी हैं, माहौल सुरक्षित लगता है, और स्थानीय लोगों का समर्थन अविश्वसनीय रहा है, उन्होंने आशा व्यक्त की कि जल्द ही और क्रू भी यहां आएंगे।फिल्म के निर्देशक और मुख्य कलाकार, जो वर्तमान में शूटिंग में व्यस्त हैं, सबने कहा कि शुरुआत में उन्हें घाटी के हालात को लेकर चिंताएं थीं, लेकिन पहुंचने पर उन्हें सुखद आश्चर्य हुआ। इस साल की शुरुआत में जो कुछ हुआ था उसे देखते हुए यहां आने से पहले हमें कुछ आशंकाएं थीं। लेकिन यहां पहुंचने के बाद हमें यह जगह सुरक्षित और स्वागत योग्य लगी। लोग बहुत सहयोगी हैं, सुरक्षा व्यवस्था अच्छी है और हम एक सकारात्मक माहौल में खुलकर काम कर पा रहे हैं।

गौरतलब है कि फिल्म क्रू की वापसी स्थानीय सूत्रधारों, पर्यटन संचालकों और कश्मीर फिल्म उद्योग से जुड़े कलाकारों के लिए मनोबल बढ़ाने वाली है। अपने मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों और अनोखे सांस्कृतिक आकर्षण के कारण, यह घाटी लंबे समय से फिल्म निर्माताओं के लिए एक पसंदीदा जगह रही है, चाहे वह क्लासिक बालीवुड हिट फिल्में हों या समकालीन वेब प्रोडक्शन। जम्मू कश्मीर पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने इस विकास का स्वागत करते हुए इसे पुनः प्राप्त विश्वास का एक सकारात्मक संकेत बताया। नवंबर के अंत और दिसंबर के महीनों में बालीवुड और क्षेत्रीय उद्योगों सहित कई फिल्म परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं।

हज यात्रियों की मदद के लिए साथ जाएंगे 115 हज इंस्पेक्टर

450 सरकारी कर्मचारियों ने किया आवेदन

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब में हज यात्रियों की मदद के लिए 115 राज्य हज इंस्पेक्टर उनके साथ जाएंगे। उन्हें खादिमुल हुज्जाज के नाम से जाना जाता है। सऊदी अरब में हज यात्रियों की मदद करने वाले राज्य हज इंस्पेक्टर (खादिमुल हुज्जाज) बनने के लिए करीब 450 सरकारी कर्मचारियों ने ऑनलाइन आवेदन किया है। आवेदकों को कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा और साक्षात्कार के बाद चयनित किया जाएगा।

हज कमेटी ऑफ इंडिया सऊदी अरब में हज यात्रियों की मदद के लिए पुरुष व महिला कर्मचारियों को खादिमुल हुज्जाज यानि राज्य हज इंस्पेक्टर बना कर हज यात्रियों के साथ रवाना करती है। इन पर हज यात्रियों को ठहराने से लेकर उन्हें हज के अरकान पूरा कराने तक की जिम्मेदारी होती है। प्रदेश से इस बार 17226 हज यात्री रवाना किए जाएंगे। राज्य हज कमेटी के सचिव एसपी तिवारी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 3 नवंबर तक करीब 450 सरकारी कर्मचारियों ने ऑनलाइन आवेदन किये हैं।

उन्होंने बताया कि 150 हज यात्रियों पर एक हज इंस्पेक्टर का चयन किया जाएगा। इस हिसाब से लगभग 115 हज इंस्पेक्टरों को चयनित किया जाना है। इनके चयन के लिए कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा 16 नवंबर को होगी।

नवंबर के चौथे सप्ताह में साक्षात्कार के बाद फाइनल रिजल्ट घोषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बिना महरम श्रेणी की महिला हज यात्रियों की मदद के लिये महिला हज इंस्पेक्टरों का भी चयन किया जाएगा।

भारत तेजी से बढ़ती विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : राष्ट्रपति मुर्मू

नैनीताल, 04 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि देश की अर्थव्यवस्था विश्व में तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और यह निरंतर प्रगति करे, इसके लिए केन्द्र सरकार कई नीतिगत कदम उठा रही है।

श्रीमती मुर्मू ने कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार के कदमों से युवाओं के लिये भी अनेक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि इन अवसरों का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ ही युवाओं के प्रशिक्षण के लिये भी समुचित कदम उठाये जाने चाहिए, ताकि युवा उनका भरपूर उपयोग कर सकें।

राष्ट्रपति ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से कमाये धन को वंचित वर्ग और देश की सेवा के लिये दान करना चाहिए। यही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा, अन्न दानं परम दानं, विद्या दानमतः परम्। अन्नेन क्षणिका तृप्तिः यावज्जीवं च विद्यया।। अर्थात् विद्या दान अन्न दान से श्रेष्ठ दान है और उससे जीवन भर परम संतुष्टि मिलती है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की आधारशिला होती है। इसलिये शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जिससे बौद्धिकता के साथ नैतिक बल और चरित्र बल मजबूत हो। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकार को भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये देश के युवाओं की संकल्पशक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिये विकसित राष्ट्र बनाने में अपना योगदान दें।

उन्होंने कुमाऊं विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों से भी कहा कि शिक्षा के साथ ही हम सभी का सामाजिक दायित्व भी है और वह अपने आसपास के गांवों में जायें और कुछ गांवों को गोद लेकर उनकी समस्याओं का समाधान करें।

श्रीमती मुर्मु ने कहा, उत्तराखंड महान वीरों की भूमि के साथ ही ज्ञान और संस्कृति और देवताओं और ऋषि मुनियों की धरती है। यहां नदियों और जंगलों की अकूत संपदा है। मैं यहां आकर अभिभूत हूं।

उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनकी उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इससे पहले राष्ट्रपति ने नैनीताल की प्रसिद्ध नयना देवी मंदिर और कैंची धाम के दर्शन किये तथा राजभवन नैनीताल के मुख्य द्वार का शिलान्यास किया। इस दौरान प्रदेश के राज्यपाल गुरमीत सिंह और उच्च शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत भी मौजूद थे।

डीआईजी भुल्लर के ठिकानों पर सीबीआई की रेड 20.5 लाख नकद समेत कई दस्तावेज बरामद

चंडीगढ़, 04 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब कैडर के आईपीएस अधिकारी और डीआईजी रैंक के अधिकारी हरचरण सिंह भुल्लर के खिलाफ दर्ज अप्रत्याशित संपत्ति (डीए) मामले की जांच के तहत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मंगलवार को पंजाब के कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। सीबीआई ने यह तलाशी कार्रवाई पटियाला और लुधियाना जिलों में स्थित कुल सात ठिकानों पर एक साथ की। ये स्थान उन व्यक्तियों से जुड़े बताए जा रहे हैं जो कथित रूप से आरोपी अधिकारी की अवैध कमाई को अचल संपत्तियों और कारोबारी निवेशों में लगाने के लिए बेनामीदार या सहयोगी के रूप में कार्य कर रहे थे। छापेमारी के दौरान लगभग 20.5 लाख रुपए नकद बरामद किए गए। साथ ही, एक एप्पल लैपटॉप, दो मोबाइल फोन और एक सीसीटीवी डीवीआर भी जब्त किया गया। इसके अलावा, 50 से अधिक संपत्ति से संबंधित दस्तावेज बरामद हुए, जिनमें बिक्री विलेख, लेनदेन पत्र और निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। कंपनी गठन और धन लेनदेन से जुड़ी फाइलें भी मिलीं, जो संपत्तियों को छिपाने और अवैध निवेश की ओर इशारा करती हैं।

सीबीआई के अनुसार, सभी जब्त की गई वस्तुएं और दस्तावेज विधिक प्रक्रिया के तहत कब्जे में लेकर जांच के लिए भेज दिए गए हैं। प्राथमिक जांच में यह संकेत मिला है कि आरोपी अधिकारी ने अपनी आय से अधिक संपत्ति अर्जित की है, जिसे विभिन्न माध्यमों से निवेश किया गया।

एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि तलाशी स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में की गई और सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन किया गया।

बता दें कि सीबीआई ने 16 अक्टूबर को रोपड़ रेंज के डीआईजी के तौर पर तैनात भुल्लर को बिचौलिए कृषाणु शारदा के साथ गिरफ्तार किया था।

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने को वैश्विक दृष्टिकोण बनाने की दिशा में काम करे इजराइल और भारत : जयशंकर

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने इजरायल के साथ संबंधों को परस्पर विश्वास पर आधारित बताते हुए गाजा शांति योजना का समर्थन किया है और कहा है कि आतंकवाद की चुनौती का सामना कर रहे दोनों देशों को आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के वैश्विक दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए।

डा. जयशंकर ने भारत की यात्रा पर आये इजरायत के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ मंगलवार को यहां वार्ता से पहले अपने प्रारंभिक वक्तव्य में यह बात कही।

विदेश मंत्री ने बातचीत के बाद श्री सार के साथ बैठक को सार्थक बताते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर सार्थक चर्चा की।

डा. जयशंकर ने कहा , आज नई दिल्ली में इज़राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार के साथ एक शानदार बैठक हुई। विभिन्न क्षेत्रों में हमारी रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने पर सार्थक चर्चा हुई। आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति हमारी शून्य सहिष्णुता की पुष्टि की। क्षेत्र के विकास, गाजा शांति योजना और एक स्थायी समाधान के निर्माण के प्रयासों पर इज़राइली दृष्टिकोण साझा करने के लिए विदेश मंत्री सार की सराहना करता हूं। बहुपक्षीय मंचों पर हमारे सहयोग पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच प्रशिक्षण पर समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान का भी साक्षी रहा।

विदेश मंत्री ने इजरायली नेता का उनकी पहली भारत यात्रा पर स्वागत करते हुए कहा कि भारत और इज़राइल के बीच एक रणनीतिक साझेदारी है और दोनों कठिन समय में एक साथ खड़े रहे हैं। दोनों देशों ने परस्पर अटूट विश्वास के आधार पर एक रिश्ता बनाया है।

डा. जयशंकर ने आतंकवाद को भारत और इजरायल के लिए साझा चुनौती बताते हुए कहा कि हमें आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने के वैश्विक दृष्टिकोण की दिशा में मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा , हमारे दोनों देश आतंकवाद की एक विशेष चुनौती का सामना कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि हम आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता के वैश्विक दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करें।

गाजा शांति योजना का समर्थन करते हुए विदेश मंत्री ने उम्मीद जतायी कि यह समस्या के स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगी।

उन्होंने कहा, हम स्वाभाविक रूप से आपके क्षेत्र में के घटनाक्रमों पर बहुत बारीकी से नज़र रख रहे हैं। हम बंधकों और दुर्भाग्य से अपनी जान गंवाने वालों के अवशेषों की वापसी का स्वागत करते हैं। भारत गाजा शांति योजना का समर्थन करता है और आशा करता है कि यह एक स्थायी और स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगी।

डा. जयशंकर ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत की क्षमताओं और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत इन क्षेत्रों में इजरायल में कार्य करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा, भारत ने कई नई क्षमताएं विकसित की हैं, विशेष रूप से रेल, सड़क और बंदरगाह अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में। हमारे व्यवसाय इज़राइल में अवसरों का पता लगाने के लिए बहुत उत्सुक हैं और हम निश्चित रूप से इस पर अधिक ध्यान देना चाहेंगे।

उन्होंने कहा कि कृषि और नवाचार में साथ मिलकर काम करने का हमारा एक बहुत ही मज़बूत रिकॉर्ड है और इसे आगे बढाना दोनों देशों के हित में है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर और साइबर क्षेत्र में सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। यह अब और भी प्रासंगिक हो गया है।

भारत-इजराइल के बीच समझौता, उन्नत तकनीकों का होगा साझा उपयोग

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और इजरायल के बीच मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों देशों के बीच हुआ यह एमओयू रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने के लिए है। इसके साथ ही दोनों देशों ने आतंकवाद जैसी साझा चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया और इस खतरे के खिलाफ सामूहिक संकल्प को दोहराया है। दोनों देशों के बीच 17वीं संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के तहत दोनों देश उन्नत तकनीकों का साझा उपयोग, सह-विकास और सह-उत्पादन करेंगे। यह बैठक इजरायल के तेल अवीव में हुई। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और इजरायल के रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक मेजर जनरल आमिर बराम ने की। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत और इजरायल के बीच रक्षा सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में यह एक और महत्वपूर्ण कदम है। इजरायल में हुई इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को लेकर इस महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य रक्षा साझेदारी को सुदृढ़ दिशा और साझा दृष्टिकोण प्रदान करना है।रक्षा मंत्रालय का मानना है कि यह समझौता दोनों देशों के बीच पहले से स्थापित मजबूत और विश्वसनीय रक्षा संबंधों को और गहरा करने में सहायक सिद्ध होगा। इस दौरान उन्नत तकनीक के आदान-प्रदान और नवाचार पर जोर दिया गया। इस एमओयू के तहत सहयोग के कई प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिनसे दोनों देशों को लाभ होगा। इनमें रणनीतिक संवाद और रक्षा नीतिगत परामर्श, प्रशिक्षण एवं रक्षा उद्योग सहयोग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकीय नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा साइबर सुरक्षा सहयोग शामिल हैं।

यह समझौता दोनों देशों को उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकियों के साझा उपयोग और सह-विकास एवं सह-उत्पादन को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएगा। साझा चुनौतियों पर चर्चा और भविष्य की दिशा तय करने के मदद करेगा। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने वर्तमान रक्षा सहयोग परियोजनाओं की समीक्षा की और यह स्वीकार किया कि भारत और इजरायल ने एक-दूसरे की क्षमताओं से पारस्परिक लाभ प्राप्त किया है।दोनों पक्षों ने भविष्य के सहयोग के संभावित क्षेत्रों, विशेषकर प्रौद्योगिकी, परिचालन क्षमता और नवाचार के क्षेत्र में, गहन चर्चा की। भारत और इजरायल के बीच रक्षा सहयोग लंबे समय से चले आ रहे गहरे विश्वास और साझा सुरक्षा हितों पर आधारित है। यह साझेदारी न केवल रक्षा उद्योग में बल्कि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में भी निरंतर सशक्त हो रही है। यह बैठक इस तथ्य की पुष्टि करती है कि भारत और इजरायल आने वाले वर्षों में सुरक्षा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और सामरिक साझेदारी के नए अध्याय लिखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सात देशों के प्रतिनिधियों ने देखा भारत का निष्पक्ष चुनाव मॉडल

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने 'अंतर्राष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षक कार्यक्रम (आईईवीपी)-2025' की शुरुआत मंगलवार को नई दिल्ली के भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान में की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुनिया के अलग-अलग देशों को भारत की चुनाव प्रक्रिया और उसकी पारदर्शिता से परिचित कराना है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया और प्रतिभागियों से बातचीत की। इस बार कार्यक्रम में 7 देशों फ्रांस, दक्षिण अफ्रीका, बेल्जियम, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और कोलंबिया से 14 प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की कार्यप्रणाली का प्रदर्शन दिखाया गया। इसके बाद चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें बताया कि भारत में चुनाव कैसे कराए जाते हैं, मतदाता सूची कैसे बनती है, मतदान केंद्रों की व्यवस्था कैसे होती है और निष्पक्ष चुनाव के लिए क्या-क्या कदम उठाए जाते हैं।

इस कार्यक्रम के तहत सभी विदेशी प्रतिनिधि 5 और 6 नवंबर को बिहार का दौरा करेंगे। वे वहां ईवीएस डिस्पैच सेंटर्स का निरीक्षण करेंगे और 6 नवंबर को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान को प्रत्यक्ष रूप से देखेंगे। इससे उन्हें भारत की विशाल और पारदर्शी चुनाव प्रणाली को करीब से समझने का मौका मिलेगा।

भारतीय चुनाव आयोग ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी। साथ ही कार्यक्रम की कुछ फोटोज भी शेयर की हैं।

गौरतलब है कि अंतर्राष्ट्रीय चुनाव पर्यवेक्षक कार्यक्रम (आईईवीपी), चुनाव आयोग का एक मुख्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम है, जिसके जरिए भारत अन्य देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ अनुभव साझा करता है।

यह कार्यक्रम 2014 से लगातार आयोजित किया जा रहा है और अब तक कई देशों के प्रतिनिधि इसमें हिस्सा ले चुके हैं। इसके माध्यम से भारत दुनिया को यह दिखा रहा है कि इतने बड़े और विविध देश में चुनाव को कैसे शांतिपूर्वक, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूती से संपन्न कराया जाता है।

कोडीनयुक्त कफसिरप और नॉरकोटिक दवाओं के खिलाफ कार्रवाई

योगी सरकार ने नशे पर कसी नकेल

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ योगी सरकार ने बड़ी मुहिम छेड़ दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने उत्तर प्रदेश में कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक्स श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस विशेष अभियान में अब तक प्रदेशभर में लाखों की अवैध नॉरकोटिक और कोडीनयुक्त औषधियां जब्त की गई हैं, 16 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 6 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासनस की आयुक्त डॉ. रौशन जैकब ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में अब तक 115 प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण/छापेमारी की गई, लाखों की औषधियां जब्त की गईं, 115 नमूने जांच हेतु भेजे गए और 16 एफआईआर दर्ज कर 6 गिरफ्तारियां की गईं। जांच में संदिग्ध पाए गए अभिलेखों की अग्रिम विवेचना तक 25 मेडिकल स्टोर्स पर कोडीनयुक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर रोक लगाई गई है। प्रदेश भर में कोडीन युक्त नॉरकोटिक ड्रंग्स एंड साईकोट्रॉपिक श्रेणी की औषधियों की अवैध आवाजाही की जांच हेतु संदिग्ध मेडिकल स्टोर की सघन जांच, विशेष अभियान के रूप में जारी है। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से नकली एवं नशे के रूप में दुरुपयोग होने वाली औषधि के भंडारण, क्रय-विक्रय अथवा आवाजाही से संबंधित सूचना विभाग द्वारा जारी व्हाट्सप्प नंबर 8756128434 पर दी जा सकती है।

अवैध नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री और भंडारण के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कई जिलों में छापेमारी की है और एनडीपीएस एक्ट में सख्त कार्रवाई की। लखनऊ में 11 अक्टूबर को एक अवैध गोदाम से 3 लाख रुपए की फेंसीपिक टी सिरप जब्त की गई और दीपक मानवानी को गिरफ्तार किया गया। बहराइच में 13 अक्टूबर को रॉयल फार्मा और ममता मेडिकल एजेंसी से 30 हजार की अवैध दवाएं जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। लखीमपुर खीरी में 14 अक्टूबर को पीयुष मेडिकल एजेंसी के मालिक के घर से 68 लाख की ट्रेमाडोल कैप्सूल बरामद कर सरोज कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। वहीं, 4 नवंबर को लखीमपुर खीरी में ही न्यू रॉय मेडिकल एजेंसी से 2 लाख की कोडीन युक्त 1200 बोतलें पकड़ी गईं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। लखनऊ में इन दवाओं की मार्केटिंग करने वाली कंपनियों आरपिक और राधिका लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के डिपो पर भी छापे मारकर रिकॉर्ड जब्त किए गए। इस तरह पूरे प्रदेश में जांच जारी है।

औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम, 1940 की धारा 22(1)(डी) के तहत सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में पाया गया कि कई मेडिकल स्टोर्स ने कोडीन युक्त सिरप और नशीली दवाओं की खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड नहीं दिखाए। इस आधार पर लखनऊ, कानपुर नगर, रायबरेली, सीतापुर, मुजफ्फरनगर, प्रयागराज, वाराणसी और कौशांबी जिलों के 25 मेडिकल स्टोर्स पर इन दवाओं की बिक्री पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, नेपाल सीमा और हरियाणा, दिल्ली, पंजाब से जुड़े जिलों में नशीली दवाओं की अवैध आवाजाही पर रोक लगाने के लिए संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स की सघन जांच विशेष अभियान के रूप में जारी है।

पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधान और जिला पंचायत अध्यक्ष के खर्च की सीमा तय

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों की खर्च सीमा तय हो गई। राज्य निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अधिकतम सीमा जारी कर दी है। दूसरी ओर प्रदेश में आज से एसआईआर शुरू हो गया। पंचायत चुनाव में ग्राम प्रधान अधिकतम सवा लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। सदस्य ग्राम पंचायतों के लिए अधिकतम सीमा 10 हजार रुपए तय की गई है। क्षेत्र पंचायत सदस्य अधिकतम एक लाख रुपए, जिला पंचायत सदस्य 2.5 लाख रुपए, क्षेत्र पंचायत प्रमुख 3.5 लाख रुपए और जिला पंचायत अध्यक्ष अधिकतम 7 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। इसी तरह से अलग-अलग वर्गों के लिए पर्चा खरीदने और जमानत की राशि भी निर्धारित कर दी गई है।

दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश में मंगलवार से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रारंभ होगा। इसमें बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) 4 नवंबर से 4 दिसंबर के बीच कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं के पतों पर जाएंगे। बीएलओ, मतदाताओं को भरने के लिए गणना फॉर्म दो प्रतियों में देंगे। वहीं, एक फॉर्म मतदाताओं से साइन करवाकर अपने पास रखेंगे। बीएलओ कम से कम 3 बार मतदाता के घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण और इन्हें संग्रह करने का काम करेंगे। गणना प्रपत्र में मतदाता का नाम, एपिक संख्या, भाग संख्या, क्रम संख्या, विधानसभा क्षेत्र का नाम और राज्य की प्रविष्टियां पहले से ही भरी होंगी। फोटो भी पहले से छपा होगा। हालांकि, मतदाता अपने नवीनतम पासपोर्ट साईज फोटो भी गणना प्रपत्र पर चस्पा कर सकते हैं। मतदाता गणना प्रपत्र में विवरणों को भरने में बीएलओ की मदद ले सकते हैं।

मतदाता चुनाव आयोग के पोर्टल से वर्ष 2003 की मतदाता सूची में अपना या अपने संबंधी का नाम देख सकते हैं। इसका विवरण भी गणना प्रपत्र में भर सकते हैं। गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं देना है। जो मतदाता गणना प्रपत्र भरकर अपना विवरण बीएलओ के पास जमा करेंगे, उन मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 9 दिसंबर को होगा। इन पर दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक रहेगी।

नोटिस का चरण 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक चलेगा। इसमें नोटिस जारी करने, सुनवाई और सत्यापन, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे व आपत्तियों का निस्तारण होगा। मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी को होगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय से क्षुब्ध किसी मतदाता की ओर से दाखिल की गई प्रथम अपील की सुनवाई जिला मजिस्ट्रेट करेंगे और जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय के विरुद्ध द्वितीय अपील की सुनवाई प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी करेंगे।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में दिल्ली में होगी शिक्षकों की महारैली

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षण सेवा में बने रहने व पदोन्नति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के बाद शिक्षक संगठनों ने नवंबर-दिसंबर में दिल्ली कूच का ऐलान किया है। लेकिन नवंबर अंत में होने वाले एक बड़े कार्यक्रम से अब इसकी संभावना नहीं है। यही वजह है कि नौ राज्यों के शिक्षक संगठन टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीएफआई) ने अब पांच दिसंबर को दिल्ली कूच की घोषणा की है।

टीएफआई ने पिछले दिनों दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में बैठक कर 21 नवंबर को जंतर मंतर पर महारैली की थी। टीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि नवंबर के अंत में सिख समाज ने एक राष्ट्रीय आयोजन किया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हो रहे हैं। इससे दिल्ली प्रशासन ने नवंबर में रैली की अनुमति निरस्त कर दी है। इसे देखते हुए हमने पांच दिसंबर को महारैली करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली रैली के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महारैली के माध्यम से हम 27 जुलाई 2011 को टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को इससे मुक्त रखने की मांग करेंगे ताकि देश भर के लाखों शिक्षकों को राहत मिल सके।

अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा भी 24 नवंबर को दिल्ली में जंतर मंतर पर प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। मोर्चा पदाधिकारियों के अनुसार इसमें यूपी से दो लाख से अधिक शिक्षक जाएंगे। इसके लिए सभी संघटक संगठनों को अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। मोर्चा ने टीईटी लागू होने से पहले शिक्षकों पर इसे थोपे जाने का विरोध कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में शुरू हुई एसआईआर की प्रक्रिया

घर-घर जाएंगे बीएलओ, 2003 की वोटर-लिस्ट अहम होगी

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में एसआईआर की प्रक्रिया चार नवंबर से शुरू हो गई। यह प्रक्रिया 4 दिसंबर तक चलेगी। प्रक्रिया के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) 4 नवंबर से 4 दिसंबर के बीच कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं के पतों पर जाएंगे। बीएलओ, मतदाताओं को भरने के लिए गणना फॉर्म दो प्रतियों में देंगे। वहीं, एक फॉर्म मतदाताओं से साइन करवाकर अपने पास रखेंगे। बीएलओ कम से कम 3 बार मतदाता के घर जाकर गणना प्रपत्र वितरण और इन्हें संग्रह करने का काम करेंगे।

गणना प्रपत्र में मतदाता का नाम, एपिक संख्या, भाग संख्या, क्रम संख्या, विधानसभा क्षेत्र का नाम और राज्य की प्रविष्टियां पहले से ही भरी होंगी। फोटो भी पहले से छपा होगा। हालांकि, मतदाता अपने नवीनतम पासपोर्ट साईज फोटो भी गणना प्रपत्र पर चस्पा कर सकते हैं। मतदाता गणना प्रपत्र में विवरणों को भरने में बीएलओ की मदद ले सकते हैं। मतदाता चुनाव आयोग के पोर्टल से वर्ष 2003 की मतदाता सूची में अपना या अपने संबंधी का नाम देख सकते हैं। इसका विवरण भी गणना प्रपत्र में भर सकते हैं। गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार का कोई दस्तावेज नहीं देना है। जो मतदाता गणना प्रपत्र भरकर अपना विवरण बीएलओ के पास जमा करेंगे, उन मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।

विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 9 दिसंबर को होगा। इन पर दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 9 दिसंबर से 8 जनवरी तक रहेगी। नोटिस का चरण 9 दिसंबर से 31 जनवरी तक चलेगा। इसमें नोटिस जारी करने, सुनवाई और सत्यापन, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे व आपत्तियों का निस्तारण होगा। मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी को होगा। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के निर्णय से क्षुब्ध किसी मतदाता की ओर से दाखिल की गई प्रथम अपील की सुनवाई जिला मजिस्ट्रेट करेंगे और जिला मजिस्ट्रेट के निर्णय के विरुद्ध द्वितीय अपील की सुनवाई प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी करेंगे।

ऐसे सभी मतदाता जिनका नाम 2003 में हुए एसआईआर की मतदाता सूची में नहीं मिलेगा, उन्हें संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सुनवाई के लिए नोटिस जारी करेंगे। यहां बता दें कि जिनका नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में होगा, उनका सत्यापन संबंधित ब्योरा देने पर स्वतः हो जाएगा। आयोग के मुताबिक, ऐसे मतदाता करीब 70 प्रतिशत होंगे, जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में होगा। केंद्र एवं राज्य सरकार, सार्वजनिक उपक्रम का पहचान पत्र व पेंशन भुगतान आदेश, जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड व विवि का मैट्रिकुलेशन व शैक्षणिक प्रमाणपत्र, स्थायी निवास प्रमाणपत्र, वन अधिकार प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, परिवार रजिस्टर, सरकार द्वारा जारी कोई भी भूमि या मकान आवंटन प्रमाणपत्र और आधार।

45 हजार होमगार्ड की भर्ती का रास्ता साफ, शासन ने दी मंजूरी

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में 45 हजार से अधिक पदों पर होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती करने का रास्ता साफ हो गया है। शासन ने इसका शासनादेश जारी करने के साथ गाइडलाइन तय कर दी है। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को भर्ती करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलों से रिक्त पदों पर भर्ती का प्रस्ताव तैयार कर होमगार्ड मुख्यालय के जरिये बोर्ड भेजा जाएगा, जिसके बाद बोर्ड एनरोलमेंट के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करेगा। जिसके बाद लिखित परीक्षा होगी। शासन ने भर्ती के लिए 18 से 30 वर्ष तक की आयु सीमा निर्धारित की है।

प्रमुख सचिव होमगार्ड राजेश कुमार सिंह द्वारा जारी शासनादेश के मुताबिक भर्ती बोर्ड लिखित परीक्षा का आयोजन होने के बाद जिलावार मेरिट लिस्ट जारी करेगा। तत्पश्चात शारीरिक मानक परीक्षा, दस्तावेजों का सत्यापन और शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी। इसमें सफल रहने वाले अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी। इससे पहले जिलों द्वारा रिक्त पदों पर भर्ती के लिए भेजे जाने वाले प्रस्ताव में पुरुष और महिला की रिक्तियों की अलग-अलग संख्या स्पष्ट रूप से भेजी जाएगी। साथ ही, आरक्षण के प्रावधानों का पालन करते हुए रिक्तियों की संख्या तय कर कमांडेंट जनरल को सूचना देनी होगी। डीजी होमगार्ड द्वारा जिलों से रिक्त पदों की सूचना मिलने के बाद उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को उपलब्ध कराया जाएगा।

आदेश के मुताबिक शारीरिक व मानसिक दोष तथा दिव्यांग व्यक्ति एनरोलमेंट के पात्र नहीं होंगे। एनरोलमेंट के लिए आवश्यक होगा कि अभ्यर्थी उस जिले का मूल निवासी हो, जिसकी रिक्ति के सापेक्ष आवेदन किया गया है। सार्वजनिक, शासकीय, अर्द्धशासकीय अथवा सार्वजनिक उपक्रम की सेवाओं में नियमित रूप से कार्यरत व्यक्ति पात्र नहीं होंगे। संघ सरकार या राज्य सरकार द्वारा या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा या सरकार के स्वामित्वाधीन या नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति भी पात्र नहीं होगा। किसी न्यायालय में आपराधिक मुकदमा विचाराधीन होने और एक से अधिक पति या पत्नी जीवित होने की दशा में भी एनरोलमेंट नहीं किया जा सकेगा।

फायर सर्विस में 922 नई भर्तियां होंगी, एक भी महिला नहीं होंगी

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। यूपी में फायर सर्विस विभाग में जल्द ही 922 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। खास बात यह है कि इसमें से एक भी महिला नहीं है। प्रदेश पुलिस के अग्निशमन तथा आपात सेवा विभाग के पुनर्गठन के बाद सृजित 922 पदों पर जल्द भर्ती होगी। पुनर्गठन के बाद तीन इकाइयों का गठन किया जाना है जिसमें रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम, एक्सप्रेसवे एक्सीडेंट एंड ट्रॉमा सेंटर तथा स्पेशियली ट्रेंड रेस्क्यू ग्रुप शामिल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा एक्सप्रेसवे में प्रत्येक 100 किमी की दूरी पर एक फायर टेंडर और स्टाफ की तैनाती की जानी है। साथ ही, रत्येक रीजन में कमांडो की तरह स्पेशल यूनिट बननी है। एक्सप्रेसवे पर तैनात करने के लिए 244 कर्मियों की आवश्कता है। इसी तरह प्रत्येक रीजन में कमांडो की तरह स्पेशल यूनिट तैयार करने के लिए 183 कर्मियों की जरूरत है। यह केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल, विभिन्न आपात स्थितियों तथा सुपर हाईराइज इमारतों में होने वाली दुर्घटनाओं से निपटने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किए जाएंगे। इसके अलावा रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत 9 क्षेत्रीय एयरपोर्ट पर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के लिए जनशक्ति उपलब्ध कराने का भारत सरकार का प्रदेश सरकार के साथ एमओयू हुआ है। इसकी वजह से कुशीनगर, आजमगढ़, श्रावस्ती, कानपुर नगर, अयोध्या, अलीगढ़, मुरादाबाद, चित्रकूट और सोनभद्र एयरपोर्ट के लिए 420 कर्मियों की आवश्यकता है। वर्तमान में जिलों से ही कर्मियों को एयरपोर्ट पर तैनात किया गया है। अग्निशमन अधिकारी के 14 रिक्त पदों के अलावा अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के 46 पद, लीडिंग फायरमैन के 144 पद, फायर सर्विस चालक के 144 पद, फायरमैन के 438 पद, लीडिंग फायरमैन (लेखा) के 75 पद और चतुर्थ श्रेणी (आउटसोर्सिंग) के 61 पदों पर भर्तियां होंगी। भर्तियों में एक भी पद महिलाओं के लिए नहीं होने के मसले पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान ने कहा, हर विभागों की तरह फायर सेवा में भी महिलाओं की भागीदारी होनी चाहिए। वैसे भी पहली बार कोई सरकार महिलाओं को बराबरी की भागीदारी देने का काम कर रही है। कई ऐसे विभाग हैं, जहां महिलाओं की तैनाती नहीं थी, लेकिन प्रदेश सरकार ने इसपर विशेष फोकस किया है और महिलाओं को तैनात कर रही है। मुझे पूरा भरोसा है कि जल्द ही फायर सेवा में भी महिलाओं को प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

रवि किशन को धमकी देने वाला गिरफ्तार

गोरखपुर, 04 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद रवि किशन शुक्ल को फोन पर जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को रामगढ़ताल थाना पुलिस ने पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान अजय कुमार यादव के रूप में हुई है। वह खुद को बिहार के आरा जिले का निवासी बता रहा था लेकिन जांच में पता चला कि वह वास्तव में पंजाब के लुधियाना जिले के फतेहगढ़ बग्गा कला का रहने वाला है।

सोमवार को उसे लुधियाना से गोरखपुर लाया गया। पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। बीते 30 अक्टूबर को सांसद रवि किशन के निजी सचिव शिवम द्विवेदी के मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति का फोन आया था। फोन करने वाले ने अपना नाम अजय यादव, निवासी जवनिया, आरा (बिहार) बताया था। आरोप है कि उसने खुद को अभिनेता-नेता खेसारी लाल यादव का समर्थक बताते हुए फोन पर गाली-गलौज की। सांसद को गोली मारने की धमकी दी थी। उसने कहा था कि रवि किशन जाति विशेष पर टिप्पणी करते हैं, इसलिए वह उन्हें गोली मार देगा। जब सचिव ने कहा कि सांसद ने कभी किसी समुदाय के खिलाफ टिप्पणी नहीं की है, तो उसने कहा कि चार दिन बाद जब वह बिहार आएंगे तो गोली मार देगा।

आरोपी ने फोन पर बातचीत के दौरान खेसारी लाल यादव के विवादित बयान का समर्थन किया था और राम मंदिर को लेकर भी अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद सांसद के निजी सचिव एवं पीआरओ ने एसएसपी को मामले की जानकारी दी थी। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने कहा, सर्विलांस एवं साइबर सेल की टीम ने जब कॉल डिटेल्स की जांच की तो पता चला कि आरोपी पंजाब के लुधियाना जिले में है। इस पर गोरखपुर पुलिस की टीम ने पंजाब पुलिस से संपर्क कर संयुक्त अभियान चलाया और आरोपी लुधियाना के फतेहगढ़ बग्गा कला से गिरफ्तार कर लिया गया।

राष्ट्रीय लोकदल चुनेगा अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

मथुरा अधिवेशन में होगी नए अध्यक्ष की घोषणा

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 नवम्बर को मथुरा में आयोजित किया जाएगा। इस अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा की जाएगी। इस अधिवेशन में देशभर से राष्ट्रीय लोकदल के सभी प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह जानकारी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी ने दी।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोकदल का सदस्यता अभियान 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर शुरू किया गया था, जो 31 अक्टूबर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तक चला। यह सदस्यता अभियान पार्टी के इतिहास में सबसे व्यापक और सफल रहा, जिसके माध्यम से लाखों नए कार्यकर्ता जुड़े। त्यागी ने बताया कि इस अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की औपचारिक घोषणा की जाएगी। अधिवेशन का उद्देश्य संगठन को और सशक्त बनाना, पार्टी की भावी रणनीति पर विमर्श करना तथा आगामी राजनीतिक दिशा तय करना है। अधिवेशन में देशभर के सभी राज्यों से पार्टी के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे।

माफिया मुख्तार से खाली कराई गई जमीन पर बने फ्लैट की चाबी सौंपेंगे योगी

लखनऊ, 04 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को हजरतगंज के पॉश इलाके डालीबाग में माफिया मुख्तार अंसारी से खाली कराई गई जमीन पर बने ईडब्ल्यूएस फ्लैट की चाबी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभार्थियों को सौंपेंगे। सीएम योगी डीजीपी आवास के सामने एकता वन में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को चाबी सौंपेंगे। यह फ्लैट सरदार वल्लभ भाई पटेल आवासीय योजना के तहत बनाए गए हैं। इनकी कुल संख्या 72 हैं। इन फ्लैट्स की कीमत 10.70 लाख रुपए है, मंगलवार को लॉटरी की प्रक्रिया संपन्न हुई।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रदेश भर में अभियान चलाकर माफिया के कब्जे से अवैध भूमि को खाली कराया गया था। इसी क्रम में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप हजरतगंज के पॉश इलाके डालीबाग में माफिया मुख्तार के कब्जे से अवैध जमीन को मुक्त कराया गया था। इसके सीएम योगी के निर्देश पर एलडीए की ओर से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए ईडब्ल्यूएस फ्लैट बनाए गए। डालीबाग में अवैध कब्जे से खाली करायी गयी लगभग 2,322 वर्गमीटर भूमि पर एलडीए ने सरदार वल्लभ भाई पटेल आवासीय योजना लांच की। एलडीए वीसी ने बताया कि योजना

में ग्राउंड प्लस थ्री स्ट्रक्चर के 3 ब्लॉक में 36.65 वर्गमीटर क्षेत्रफल के कुल 72 फ्लैट बनाए गए हैं। योजना की लोकेशन काफी प्राइम है। 20 मीटर चौड़ी बंधा रोड पर स्थित इस योजना से बालू अड्डा, 1090 चौराहा, नरही, सिकंदरबाग एवं हजरतगंज चौराहा महज पांच से 10 मिनट की दूरी पर है। ईडब्ल्यूएस श्रेणी के इन भवनों की कीमत 10.70 लाख रुपए रखी गयी है। योजना में स्वच्छ जल एवं विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा व्यवस्था एवं दो पहिया वाहनों के लिए पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था की गयी है। यहां पर बाह्य विकास कार्य जैसे रोड और पार्क का निर्माण भी किया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को लॉटरी प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को डीजीपी आवास के सामने एकता वन में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को चाबी सौंपेंगे। सरदार वल्लभ भाई पटेल आवासीय योजना के भवनों के लिए 4 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2025 के मध्य ऑनलाइन पंजीकरण खोला गया था। सोमवार को पंजीकरण अवधि समाप्त होने तक लगभग 8000 लोगों ने पंजीकरण कराया।

बच्चों को खिलाएं ये फूड्स, तेज चलेगा दिमाग

हर पेरेंट्स चाहते है कि बच्चा पढ़ाई में अच्छा हो, खेल-कूद में अव्वल हो। यह तभी हो पाएगा जब बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेगा। आगे बढ़ने के लिए बच्चे का दिमाग तेज होना जरूरी है। अगर दिमाग काम करेंगे तभी तो बच्चा अच्छे से अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे पाएगा। दिमाग तेज करने के लिए ऐसे आहार खाने की जरूरत है, जो ब्रेन पॉवर को बढ़ाते है। यहां कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें बच्चों को खाने के लिए देना जरूरी है।

अंडा: अंडे में विटामिन बहुत अधिक मात्रा में होता है और इसके सेवन से दिमाग के सेल्स का विकास होता है। ज्यादा सेल्स होने पर बच्चे का दिमाग भी तेज चलता है। इसके सेवन से उनकी मेमोरी भी बढ़ती है और शारीरिक रूप से फिट रहने में भी मदद मिलती है।

दही : बच्चों को नियमित रूप से दही का सेवन कराना चाहिए। दही से दिमाग के सेल्स लचीले होते हैं। इससे दिमाग को सिग्नल लेने और उस पर तुरंत प्रतिक्रिया करने की क्षमता को बढ़ाता है।

मछली: मछली में बहुत अधिका मात्रा में विटामिन डी और ओमेगा 3 होता है। यह बच्चे की याद्दाश्त बढ़ाती है। इसमें बच्चे के दिमाग को विकसित करने के मिनरल्स पाएं जाते हैं।

स्ट्रॉबरी और ब्लूबेरी: दोनों ही बेरीज में एंटी ऑक्सीडेंट होता है जो कि दिमाग की कार्य करने की क्षमता को बढ़ाता है।

ड्राई फ्रुट्स: बच्चों को ड्राई फरूट्स खिलाने से दिमाग का विकास किया जा सकता है। बच्चों को दूध में भी इसे मिलाकर खिला सकते हैं। बच्चों के लिए रात को बादाम भिगोकर रखें और सुबह उन्हें छिलकर खिला दें।

ओट्स: दिमाग के लिए ईंधन का काम करता है ओट्स का सेवन। इसमें फाइबर भरपूर होते हैं। यह विटामिन ई, बी-विटामिंस, पोटेशियम और जिंक का अच्छा स्त्रोत है।

दूध: दूध में कैल्शियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। यह बच्चों के शारीरिक विकास के लिए जरूरी है। दूध व दूध से बनी चीजों का सेवन करने से दिमागी रूप से बच्चों के विकास में मदद मिलती है।

पेरेंटिंग टिप्स : बिल्कुल भी अनदेखा न करें इसे

बच्चे को अनुशासित करने के लिए परिवार के सभी सदस्यों का एकमत होना ज़रूरी है। अगर कोई व्यक्ति उसे किसी गलती के लिए डांट रहा हो तो उस समय दूसरे को उसका बचाव नहीं करना चाहिए। उसके अच्छे कार्यों की प्रशंसा ज़रूर करें पर हर काम के बदले उसे रिश्वत के रूप में चीज़ें देने का वादा कभी न करें। अगर घर में दो बच्चे हों तो उनके लिए अलग-अलग चीज़ें लाने के बजाय उन्हें एक ही खिलौना दें। इससे उनमें सहज ढंग से शेयरिंग की भावना विकसित होगी और उनका व्यवहार भी अनुशासित रहेगा। उनके साथ रोज़ाना प्यार भरी बातचीत का समय ज़रूर निकालें।

बच्चों के लिए नुकसानदेह

आजकल ज्यादातर बच्चों के साथ ऐसी समस्या होती है क्योंकि महानगरों के एकल परिवार में रहने वाले कामकाजी माता-पिता के पास उनके लिए पर्याप्त समय नहीं होता। ऐसे में उन्हें खुश करने के लिए वे उनकी हर मांग तुरंत पूरी कर देते हैं। इससे बच्चे में ना सुनने की आदत विकसित नहीं हो पाती। वह पहले से ही यह मानकर चलता है कि पेरेंट्स उसकी हर बात मान लेंगे। ऐसे में जब कभी वे अपने बच्चे की कोई मांग पूरी नहीं करते तो रोते-चिल्लाते हुए वह अपनी नाराज़गी ज़ाहिर करता है। इसके अलावा पेरेंट्स का ओवर कंपन्सेट्री बिहेवियर भी बच्चों के लिए बहुत नुकसानदेह होता है। आजकल ज्यादातर पेरेंट्स यही सोचते हैं कि बचपन में मैं जिन चीज़ों के लिए तरसता था, अपने बच्चों को उनकी कमी महसूस नहीं होने दूंगा। इसीलिए जैसे ही बच्चा किसी चीज़ की फरमाइश करता है तो माता-पिता पल भर में ही उसे पूरी कर देते हैं।

दूसरों के सामने मनमानी

शुरुआत से ही पेरेंट्स का यह व्यवहार बच्चों को ज़िद्दी और अनुशासनहीन बना देता है। इसलिए जहां तक संभव हो बच्चों की हर मांग पूरी नहीं करनी चाहिए। मनोवैज्ञानिकों द्वारा किए कई अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि बदलते समय के साथ बच्चों के आईक्यू में तेज़ी से वृद्धि हो रही है। आज के बच्चे पहले की तुलना में ज्यादा बुद्धिमान हैं। इसीलिए वे बड़ों से अपनी बात मनवाने के तरीके भी बहुत जल्दी सीख जाते हैं। उन्हें यह मालूम होता है कि अगर मैं दूसरों के सामने रोना-चिल्लाना शुरू कर दूंगा तो इससे मेरे पेरेंट्स को शर्मिंदगी महसूस होगी और इससे बचने के लिए वे तुरंत मेरी बात मान लेंगे। इसलिए आपने भी नोटिस किया होगा कि कुछ बच्चे अकसर दूसरों के सामने मनमानी करते हैं। अगर छोटी उम्र से ही उन्हें अनुशासित किया जाए तो ऐसी परेशानी नहीं होती। जहां तक आपके बच्चे का सवाल है तो ज्यादा देर नहीं हुई है।

व्यवहार में सकारात्मक बदलाव

इससे वे रिश्तों के प्रति उदासीन हो जाते हैं। परिवार में बच्चे की पढ़ाई, खेलने और टीवी देखने के समय और खानपान की आदतों को लेकर कुछ स्पष्ट नियम बनाएं। अपने बेटे को समझाएं कि उसे हर हाल में उनका पालन करना ही होगा। अगर वह ऐसा नहीं करता तो उसके लिए खेलने, टीवी देखने के समय या पॉकेटमनी में कटौती जैसी सज़ा भी निर्धारित करें। इन प्रयासों से कुछ ही महीनों के बाद आपको उसके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव ज़रूर नज़र आएगा।

गैजेट्स के इस्तेमाल से दूर

आप अब भी सचेत हो जाएं। सबसे पहले उसके लिए परिवार में अनुशासन की निश्चित सीमा तय करें। उसे स्पष्ट रूप से समझा दें कि उसकी हर बात नहीं मानी जाएगी। अगर आप उसे किसी बात के लिए मना करती हैं तो उसकी वजह ज़रूर बताएं। किसी बात के लिए मना करने के बाद अगर वह रोने-चिल्लाने या ज़िद करने लगे तो परेशान होकर अपनी ना को हां में कभी न बदलें। इससे उसके मन में यह बात बैठ जाएगी कि मम्मी मुझे रोता हुआ नहीं देख पातीं। इससे हर बार अपनी ज़िद पूरी करवाने के लिए वह यही तरीका अपनाएगा। जहां तक संभव हो, उसे गैजेट्स के इस्तेमाल से दूर रखें। आईफोन और लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल करने वाले बच्चों के मन में यह भावना घर कर जाती है कि गैजेट्स की तरह लोग भी पल भर में मेरी हर बात मान लेंगे।

सर्दियों में पुरुष अपनी त्वचा से ऐसे हटाएं रूखापन

सर्दियों के मौसम में त्वचा में काफी रूखापन आ जाता है. ठंडी हवाएं चलने के कारण त्वचा की नमी चली जाती है. ऐसे में महिलाओं को ही नहीं बल्कि पुरुषों को भी अपनी त्वचा की देखभाल करनी चाहिए. पुरुषों को सर्दियों में त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए खास ध्यान देना चाहिए. त्वचा को सर्दियों में भी खुशनुमा रखने के लिए पुरुषों को ये उपाय अपनाने चाहिए.

1. अगर त्वचा ड्राइ है तो सर्दियों में इसे हाइड्रेट रखने की जरूरत होती है. त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए फेस मॉइश्चराइजर्सर का इस्तेमाल काफी फायदेमंद रहता है. इससे त्वचा में नमी बनी रहती है.

2. सर्दियों में पुरुषों को शेविंग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए. सर्दियों में शेविंग के वक्त रेजर के इस्तेमाल से त्वचा और रूखी बन सकती है. इसके लिए सर्दियों में रेजर का इस्तेमाल ना करके ट्रिमर का इस्तेमाल करना चाहिए. इससे त्वचा के कटने का डर भी नहीं रहता है.

3. सर्दियों में हाथों के फटने की समस्या भी रहती है. सर्दियों में हाथों का भी खास ख्याल रखना चाहिए. इसके लिए अल्ट्रा मॉइश्चराइजिंग हैंड लोशन का इस्तेमाल करना फटे हाथों से राहत दिला सकता है.

4. सर्दियों में होंठ फटने की समस्या भी आम रहती है. इससे छुटकारा पाने के लिए होंठ पर लिप बाम का इस्तेमाल करना चाहिए. दिन में जब भी आपको लगे कि होंठ रूखे हो गए हैं तब आप लिप बाम का इस्तेमाल कर सकते हैं.

5. सर्दियों में सनस्क्रीन का इस्तेमाल त्वचा के लिए काफी फायदेमंद रहता है. इससे त्वचा में नमी बनी रहती है.

सर्दियों में होने वाली छोटी-छोटी प्रॉब्लम को इन टिप्स से करें दूर

सर्दियों में रूसी, फटे होंठ, चेहरे-हाथों पर रूखापन और दाग-धब्बों की समस्या आम देखने को मिलती है। मौसम के बदलाव के साथ आप अपनी त्वचा की देखभाल में भी बदलाव कर देते है। इससे आपकी त्वचा और बालों को ज्यादा नुकसान होता है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिससे आप इस मौसम में भी खुद को खूबसूरत बनाए रख सकेत है। आइए जानते है सर्दियों में खास केयर के कुछ टिप्स।.

फटे होंठ : सर्दियों में बार-बार होंठ फटने वाली परेशानी से छुटकारा पाने के लिए इस पर रोजाना पैट्रोलियम जैली, लिप बाम और ऑलिव ऑयल से मसाज करें।

चेहरे की देखभाल : सर्दियों की हवा के कारण चेहरे पर रूखापन और दाग-धब्बे पड़ जाते है। ऐसे में इस मौसम में भी घर से बाहर निकलते समय मॉश्चराइजर लगाना ना भूले।

हाथों पैरों में रूखापन : मॉइश्चर और हाइड्रेशन की कमी के कारण सर्दियों में हाथ रूखे और एड़ियां फटने लग जाती है। ऐसे में रात को सोने से पहले नारियल तेल से हाथों-पैरों की मसाज करें।

बालों में रूसी : इस मौसम में गर्म पानी से सिर धोने पर रुसी जैसी परेशानी हो जाती है। गर्म की बजाए एंटी-डैंड्रफ शैंपू के साथ गुनगुने पानी से सिर धोएं। रूसी की समस्या दूर हो जाएगी।

नाक लाल : जुकाम के कारण नाक लाल होने पर त्वचा फटने लग जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नाक पर गर्म तेल या मॉश्चराइजर से हल्की मसाज करें।

इन खेलों से बढ़ेगी बच्चों की मेमोरी पावर

बच्चों की पढ़ाई को लेकर मां-बाप को अक्सर टेंशन रहती है कि वह क्या करें, जिससे बच्चों का दिमागी कसरत होती रहे। बच्चों को एक जगह पर लगातार बैठ कर पढ़ाई करना बिल्कुल भी पसंद नहीं होता, ऐसे में कुछ स्मार्ट तरीके अपना कर उन्हें खेल-खेल में पढ़ाया जा सकता है। जिससे उनकी दिमागी कसरत भी हो जाएगी और यादाश्त भी बढ़ने लगेगी।

बच्चों को शब्दों से खेलें : क्या-क्या देखाङ्कबच्चों को घूमने का बहुत शौंक होता है और वह उन जगहों को भी अच्छे से याद रखते हैं, जहां पर मस्ती करते हैं। घर आने पर बच्चों को पूछें की आपने वहां पर क्या-क्या देखा और कौन से रंग आपको पसंद आए। यादाश्त बढ़ाने का यह आसान और बेहतरीन तरीका है।

खिलौनों से बढाएं मेमोरी -बच्चों के सामने खिलौने रख दें और उन्हें दाई या बाई और रखने के लिए कहें। बच्चे को गेंद फिर दाई ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहें। अगले दिन फिर से गेंद को दाई और रखने के लिए कहें।

बच्चों खिलौनों से बढाएं मेमोरी: इसी तरह 2-3 बार करें और अगले दिन गेंद को बाई ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चा दाई ओर ही जाएगा। इस तरह आप उसकी यादाश्त बढ़ा सकते हैं।

घर के कामों से दें एजुकेशन: बच्चो को घर के छोटे-छोटे काम करने को कहें। किचन में काम करते समय उन्हें चीजें पकड़ाने के लिए कहें। इससे सब्जियों और फलों के नाम बच्चों को याद रहेंगे।

घर के कामों से दें एजुकेशन : शब्दों से खेल एक पेपर पर अंग्रेजी के कुछ शब्द लिखें और बच्चों को इनमें से वॉवेल और छोटे-छोटे स्पैलिंग काटने के लिए कहें। इस तरह शब्दों के खेल से बच्चों का याद्दाशत बढ़ेगी।

सर्दियों में सेहत का सस्ता खजाना, रहें महफूज

सर्दियों में भूख भी तेज लगती है और खाया हुआ पचता भी है। बढ़ती ठंडक के साथ सेहत भी महफूज रहे, इसके लिए अभी से खान-पान में बदलाव शुरू कर दें। सर्दियों के सस्ते व आसानी से उपलब्ध सुपरफूड्स की जानकारी दे रही हैं स्वाति गौड़..

अदरक है गुणो का खान-

अदरक सिर्फ एक मसाला नहीं है। सेहत के लिए वरदान है। चाय में डाल कर पिएं, काढ़ा बनाएं या सब्जी में मसाले की तरह इस्तेमाल करें। इसमें भरपूर आयोडीन, कैल्शियम व विटामिन होते हैं। सूजन व दर्दकम करने के गुण होते हैं। यह शक्तिशाली एंटी वायरल भी है। कई आयुर्वेदिक दवाओं में इस्तेमाल किया जाता है। ' पेट की समस्याओं में लाभकारी होता है। गरिष्ठ भोजन खाने से होने वाला अपच दूर होता है और पाचन में सुधार होता है। अदरक के नियमित सेवन से कोलेस्ट्रॉल काबू में रहता है व रक्तसंचार ठीक रहता है। अदरक संक्रमण से बचाता है। अदरक में एंटी फंगल और कैंसर प्रतिरोधी गुण पाए जाते हैं। गठिया, सियाटिका, आर्थ्राइटिस गर्दन व रीढ़ की हड्डी के रोगों में इसका काढ़ा फायदा पहुंचाता है।

गजब है गाजर-

गाजर में बीटा-कैरोटीन भरपूर होता है, जिसे शरीर विटामिन-ए में बदल लेता है। गाजर को सलाद के रूप में खाएं या इसकी सब्जी बना कर, यह फायदेमंद होता है। दाम में कम और पोषक तत्वों का भंडार होने की वजह से इसे सुपरफूड कहा जाता है। टमाटर और चुकन्दर मिला कर इसका जूस पीना त्वचा के साथ आंखों के लिए फायदेमंद रहता है। गाजर में मौजूद विटामिन-ए शरीर को संक्रमण से दूर रखता है। सांस से जुड़े रोगों में फायदा होता है। इसमें मौजूद एंटी एजिंग तत्व असमय बुढ़ापा आने से रोकते हैं। इसमें मौजूद विटामिन-सी और के, पोटैशियम व आयरन खांसी-जुकाम से लड़ने में मदद करते हैं। इनमें फाइबर अधिक होता है, जो पाचन सही रखता है

हरी पत्तेदार सब्जियां

सर्दियां सरसों के साग के अलावा पालक, मेथी, बथुआ, सोया और पत्तागोभी के स्वाद लेने का मौसम है। इनमें कैलरी न के बराबर होती है और पोषक तत्व प्रचुरता में होते हैं। सेहत और स्वाद दोनों की दृष्टि से लाजवाब होती हैं पत्तेदार सब्जियां। पालक सीमित मात्र में ही खाना चाहिए। इसमें भरपूर आयरन होता है, पर ज्यादा आयरन सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है। जिन्हें खून की कमी है, उन्हें सप्ताह में दो बार पालक जरूर खाना चाहिए। पकाते समय पालक के डंठल भी इस्तेमाल करने चाहिए। ब्रोकली में बहुत से एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, कैल्शियम व मैग्नीशियम प्रचुरता में होते हैं। इसके सेवन से लो ब्लड प्रेशर में राहत मिलती है। सरसों और मेथी में भरपूर कैल्शियम होता है। सरसों में फोलेट और विटामिन ईभी पर्याप्त मात्र में होता है। यह हड्डियों को मजबूत बना कर गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस से बचाता है। यह अस्थमा, दिल के रोगों व मीनोपॉज में भी फायदा पहुंचाता है।

गुणकारी गुड़-

तासीर में गर्म गुड़ को सर्दियों की मिठाई भी कह सकते हैं। सेहत और त्वचा दोनों के लिए यह फायदेमंद है। यह खून भी साफ करता है। मेटाबॉलिज्म धीमा नहीं पड़ने देता। गुड़ में कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, मैग्नीशियम, पोटैशियम और कुछ मात्र में कॉपर भी पाया जाता है। चीनी की तुलना में इसमें पचास गुना ज्यादा खनिज पाए जाते हैं। मीठा होने के बावजूद यह वजन को नियंत्रित रखने में लाभकारी है। गुड़ शरीर से विषैले तत्व बाहर निकालने में मदद करता है। यह भूख के साथ-साथ खून भी बढ़ाता है। गुड़ खाने से आंखों की रोशनी बढ़ती और स्मरण शक्ति तेज होती है। गर्म दूध के साथ इसका सेवन वजन को नियंत्रित रखने में बहुत मदद करता है।

सेहत से भरपूर खजूर-

सर्दियों में नियमित खजूर का सेवन न केवल शरीर को अंदर से गर्म रखता है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को मजबूत भी बनाते हैं। खजूर सुपाच्य होता है और इसमें फाइबर भी प्रचुर मात्र में होता है। इसमें वसा ना के बराबर होती है, इसलिए वजन बढ़ने की भी चिंता नहीं रहती। रोजाना दो से तीन खजूर हमारी फाइबर की रोजाना की छह प्रतिशत जरूरत को पूरा कर देते हैं। यह रक्त में हीमोग्लोबिन का सही स्तर बनाए रखता है। खजूर में विटामिन (ए, बी, के) के अलावा पोटैशियम और मैग्नीशियम प्रचुरता में होते हैं। खजूर दिल को दुरुस्त रखता है, बल्कि प्रोस्टेट, ब्रेस्ट और पेनक्रियाज के कैंसर से भी बचाव में सहायक है।

बलशाली बाजरा-

बाजरा बढ़ते बच्चों और बुजुर्गों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम प्रचुर मात्र में पाया जाता है। कुछ लोग इसे गरीबों का अनाज या मोटा अनाज भी कहते हैं। गांव-देहात में खाया जाने वाला बाजरा अपने कमाल के गुणों के कारण आज सुपरफूड के रूप में पहचाना जाने लगा है। इसमें कैल्शियम, आयरन, प्रोटीन और फाइबर भारी मात्र में पाए जाते हैं। बाजरे की रोटी पचने में बहुत आसान होती है और इसमें ग्लूटन नहीं होता, इसलिए जिन लोगों को गेहूं के आटे से एलर्जी होती है, उनके लिए बाजरे की रोटी बहुत लाभकारी होती है। शुगर के मरीजों को भी बाजरा खाने की सलाह दी जाती है। किडनी में पथरी होने पर इसका सेवन नहीं करना चाहिए। बाजरे में प्रचुर मात्र में फाइबर होता है। यह कब्ज, गैस और अपच से छुटकारा दिलाता और पाचन तंत्र दुरुस्त रखता है। गेहूं और चावल की अपेक्षा बाजरे में कई गुना ज्यादा एनर्जी होती है और घी, धनिए व पुदीने की चटनी के साथ खाने से इसकी पौष्टिकता और स्वाद दोनों बढ़ जाते हैं।

टनाटन रखें तिल

तिल में मोनो-सैचुरेटेड फैटी एसिड होता है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल कम करता है, इसलिए दिल से जुड़ी बीमारियों में तिल फायदेमंद होते हैं। इसमें ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो तनाव और डिप्रेशन को कम करने में सहायक होते हैं। इनमें बी-कॉम्प्लेक्स, काबरेहाइड्रेट और प्रोटीन भी पाया जाता है, जो शरीर को आवश्यक ऊर्जा देते हैं। तिल लाल, काले और सफेद रंग में मिलते हैं। तिल के नियमित सेवन से रक्त का प्रवाह सही रहता है। तासीर गर्म होने के कारण सर्दियों में तिल के तेल की मालिश फायदा करती है। इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व घाव को जल्द भरने में मदद करते हैं। एग्जिमा और सोराइसिस जैसे त्वचा रोगों में भी यह फायदा पहुंचाता है।

हेल्दी रखे हल्दी

हल्दी को मसालों की रानी कहा जाता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल तत्व पाए जाते हैं। साथ ही प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-सी, विटामिन-के, पोटैशियम, कैल्शियम,आयरन, मैग्नीशियम और जिंक का भंडार होता है। हालांकि इसे सूखे मसाले के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कुछ लोग कच्ची हल्दी की सब्जी बनाकर भी खाते हैं। हल्दी का नियमित सेवन गठिया के रोग में बहुत आराम पहुंचाता है, क्योंकि इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट भारी मात्र में पाए जाते हैं।

रेसिपी

गोभी के पकोड़े

सामग्री

पानी : जरूरत अनुसार, फूलगोभी(कटी हुई) : 300 ग्राम,मैदा : 150 ग्राम हल्दी : 1/2 छोटा चम्मच,नमक : 2 छोटे चम्मच चीनी : 3 छोटे चम्मच,कलौंजी : 1/2 छोटा चम्मच,खसखस : 1 छोटा चम्मच,हरी मिर्च : 2 छोटे चम्मच,तेल : 2 बड़े चम्मच,तेल : फ्राई करने के लिए

सेंधा नमक : गार्निशिंग के लिए

विधि

आंच पर एक बर्तन में पर्याप्त पानी डालकर उबाल लें। इसमें 300 ग्राम कटी हुई फूलगोभी डालकर ढक्कन के साथ कवर कर दें। फिर इसे 5-7 मिनट के लिए उबालें और निकालकर ठंडा करने के लिए रख दें। एक बाउल में 150 ग्राम मैदा, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी, 2 छोटे चम्मच नमक, 3 छोटा चम्मच चीनी, 1/2 छोटा चम्मच कलौंजी, 1 छोटा चम्मच खसखस, 2 छोटे चम्मच हरी मिर्च, 2 बड़े चम्मच तेल और 400 मिलीलीटर पानी डालकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार कर लें। अब गोभी को मैदे के तैयार मिश्रण में डालकर अच्छी तरह से डिप करें। मध्यम आंच पर एक कढ़ाई में पर्याप्त तेल डालकर गर्म करें। इसमें गोभी को डालकर सुनहरा भूरा और खस्ता होने तक फ्राई करें। बाद में इसे अब्सॉर्बेंट पेपर पर निकाल लें। इसके बाद इस पर सेंधा नमक छिड़कें। आपके गोभी के पकोड़े तैयार हैं, इसे कैचअप के साथ गर्मा-गर्म परोसें।

हरे प्याज का पराठा

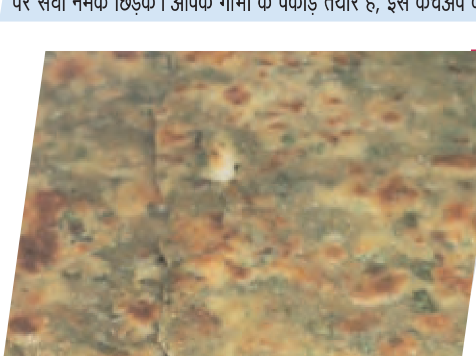

सामग्री

मैदा : 280 ग्राम, नमक- 3/4 छोटा चम्मच

चीनी : 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी : 80 मिलीलीटर

शीत पानी : 70 मिलीलीटर,तेल :फ्राई करने के लिए

हरा प्याज : स्वादानुसार,तेल : ब्रश करने के लिए

विधि

एक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से परांठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर परांठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब परांठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

संपादकीय

अंततः विश्व चैंपियन

हम तो भारत की बेटियों को पहले ही 'चैम्पियन' घोषित कर चुके थे, लेकिन आधिकारिक नतीजा 2 नवम्बर को सामने आया। महिला क्रिकेट विश्व कप में टीम इंडिया ने, अंततः, परचम लहराया। विश्व चैम्पियन बनी। एक शून्यता भरी गई। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को 52 रन से शिकस्त दी। यकीनन यह जीत और सिरमौर बनने की ललक, तड़प, खेल का जुनून और जज्बा, आक्रामकता सब कुछ अपने निष्कर्ष तक पहुंचे और भारत विश्व चैम्पियन बन गया। बेशक शानदार जीत है, टीम इंडिया ने पहली बार वैश्विकता का इतिहास रचा है, मील-पत्थर तो कई स्थापित किए जा चुके हैं। अब टीम इंडिया खाली हाथ नहीं है, अंतिम चरण की अभिशप्त टीम नहीं है, पराजय का एहसास विजय में तबदील हो गया है। अब ऑस्ट्रेलिया (7 बार), इंग्लैंड (4 बार), न्यूजीलैंड (एक बार) के बाद भारत भी विश्व चैम्पियन टीम का चौथा देश है। देश गर्व और गौरव के साथ वे पल भी याद कर रहा है, जब 1983 में विश्व चैम्पियन की ट्रॉफी तत्कालीन पुरुष टीम के कप्तान कपिल देव ने हासिल की थी। पूरा विश्व हैरान था, लेकिन उल्लसित भी था, क्योंकि क्रिकेट की एक नई शक्ति का उदय हुआ था। तब विश्व में कोई भी उम्मीद नहीं करता था कि वेस्टइंडीज की तूफानी टीम को भारत की अपेक्षाकृत कमजोर टीम पराजित कर सकती है, लेकिन टीम इंडिया ने अनहोनियों को साकार किया। उसी से प्रेरित होकर, जीत के जज्बे और जुनून के साथ, एमएस धोनी के नेतृत्व में विराट कोहली, सहवाग, युवराज सिंह, गौतम गंभीर आदि की पीढ़ी ने अपने खेल को ऐसा तराशा कि टीम इंडिया 2 अप्रैल, 2011 को दूसरी बार, एकदिनी क्रिकेट की, विश्व चैम्पियन बनी। इस बार भी तारीख 2 ही थी, शहर भी मुंबई था, बेशक महीना नवम्बर का था और हम महिला क्रिकेट के भी विश्व चैम्पियन बने। टीम इंडिया ने अपनी पराजयों, खालीपन, निराशा, जीत छिटकने के तनावों से बहुत कुछ सीखा। अंततः शीर्ष तक पहुंच कर उसे साबित किया। बेशक खिताबी जीत सामूहिक होती है, लेकिन शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के खेल, अंततः, टर्निंग प्वाइंट और निर्णायक बने। शेफाली को विश्व कप टीम से बाहर रखा गया था। वह रिजर्व खिलाड़ी भी नहीं थी, लेकिन अंतिम मुकाबले के लिए उन्हें अचानक बुलाया गया, क्योंकि सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल चोटिल हो गई थीं। शेफाली ने 87 रन (78 गेंद) की सर्वश्रेष्ठ पारी ही नहीं खेली, बल्कि सलामी जोड़ीदार स्मृति मंधाना के साथ 104 रनों (106 गेंद) की साझेदारी भी निभाई और खेल को एक ठोस शुरुआत दी। महिला एकदिनी क्रिकेट विश्व कप के 13 संस्करणों के इतिहास में यह सिर्फ दूसरी बार हुआ, जब सलामी जोड़ी ने फाइनल मुकाबले में शतकीय साझेदारी की है। शेफाली ने प्रतिद्वंद्वी टीम के दो प्रमुख बल्लेबाजों-लुस और काप-को भी आउट किया। इस तरह शेफाली ने विश्व कप अद्र्धशतक और 2 विकेट चटकाने की दोहरी उपलब्धि भी हासिल की। दीप्ति शर्मा ने विश्व कप में 215 रन ठोंके और 22 सर्वाधिक विकेट लेकर एक और इतिहास रचा। विश्व कप के इतिहास में एक और कीर्तिमान दीप्ति के नाम दर्ज हो गया, लिहाजा उन्हें 'प्लेयर ऑफ दि टूर्नामेंट' के सम्मान से नवाजा गया। शेफाली को 'प्लेयर आफ दि मैच' आंका गया और सम्मानित किया गया। दीप्ति ने ही अफ्रीकी टीम की विस्फोटक बल्लेबाज एवं कप्तान लॉरा वोल्वार्ट (101) को आउट किया और वहीं से खेल टीम इंडिया के पाले में सरक आया। हमारी सलामी बल्लेबाज एवं उपकप्तान स्मृति मंधाना ने भी कुल 434 रन बनाए, जो विश्व कप के एक संस्करण में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। स्मृति लॉरा (571 रन) के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। भारत में महिला क्रिकेट काफी उपेक्षित रही है। पुरुष खिलाडियों की तुलना में महिला क्रिकेटरों के वेतन, भत्ते, अनुबंध, रिटायरमेंट के बाद की सुविधाएं और पैकेज आदि बहुत कम हैं। बीसीसीआई ने कुछ साल पहले ही महिला क्रिकेट का प्रभार संभाला है। अब महिलाएं भी विश्व चैम्पियन हैं और यह निरंतरता बरकरार रहनी चाहिए। शीर्ष पर पहुंचने के अपने ही तनाव होते हैं, लिहाजा महिला टीम को टेस्ट और टी-20 क्रिकेट में भी साबित करना है। बहरहाल देश की बेटियों को बार-बार शाबाश और सलाम... । भारत की यह जीत निश्चित ही उत्साहजनक है। भविष्य में भी इसी तरह के खेल की अपेक्षा रहेगी।

महिला क्रिकेट विश्व कप में टीम इंडिया ने, अंततः, परचम लहराया। विश्व चैम्पियन बनी। एक शून्यता भरी गई। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीकी टीम को 52 रन से शिकस्त दी। यकीनन यह जीत और सिरमौर बनने की ललक, तड़प, खेल का जुनून और जज्बा, आक्रामकता सब कुछ अपने निष्कर्ष तक पहुंचे और भारत विश्व चैम्पियन बन गया। बेशक शानदार जीत है, टीम इंडिया ने पहली बार वैश्विकता का इतिहास रचा है, मील-पत्थर तो कई स्थापित किए जा चुके हैं। अब टीम इंडिया खाली हाथ नहीं है, अंतिम चरण की अभिशप्त टीम नहीं है, पराजय का एहसास विजय में तबदील हो गया है। अब ऑस्ट्रेलिया (7 बार), इंग्लैंड (4 बार), न्यूजीलैंड (एक बार) के बाद भारत भी विश्व चैम्पियन टीम का चौथा देश है। देश गर्व और गौरव के साथ वे पल भी याद कर रहा है, जब 1983 में विश्व चैम्पियन की ट्रॉफी तत्कालीन पुरुष टीम के कप्तान कपिल देव ने हासिल की थी। पूरा विश्व हैरान था, लेकिन उल्लसित भी था, क्योंकि क्रिकेट की एक नई शक्ति का उदय हुआ था। तब विश्व में कोई भी उम्मीद नहीं करता था कि वेस्टइंडीज की तूफानी टीम को भारत की अपेक्षाकृत कमजोर टीम पराजित कर सकती है, लेकिन टीम इंडिया ने अनहोनियों को साकार किया। उसी से प्रेरित होकर, जीत के जज्बे और जुनून के साथ, एमएस धोनी के नेतृत्व में विराट कोहली, सहवाग, युवराज सिंह, गौतम गंभीर आदि की पीढ़ी ने अपने खेल को ऐसा तराशा कि टीम इंडिया 2 अप्रैल, 2011 को दूसरी बार, एकदिनी क्रिकेट की, विश्व चैम्पियन बनी। इस बार भी तारीख 2 ही थी, शहर भी मुंबई था, बेशक महीना नवम्बर का था और हम महिला क्रिकेट के भी विश्व चैम्पियन बने। टीम इंडिया ने अपनी पराजयों, खालीपन, निराशा, जीत छिटकने के तनावों से बहुत कुछ सीखा।

कुछ अलग

पटाखों की महफिल...

दिवाली बीते एक हफ्ता गुजर चुका था, पर शहर में अभी भी पटाखों की धमक कम न हुई थी। वायु और ध्वनि प्रदूषण से गलियों में सांस लेना मुश्किल हो रहा था, मगर कुछ धर्मरक्षक अगले साल की दिवाली के लिए पहले से पटाखों की बचत में जुटे थे। आखिर धर्म बचाने का भार उन्हीं के मजबूत कंधों पर था। पंडित रामनाथ जो शहर के मुख्य मंदिर के पुजारी और सत्ताधारी दल के पदाधिकारी थे, सरकारी और गैर सरकारी भेंटों से मिले मिठाई, मेवे और पटाखों के डिब्बों में आकंठ डूबे थे। उनके घर का एक कमरा मिठाइयों-मेवों के लिए था, दूसरा अगले साल के पटाखों के लिए। उनमें सबसे अकड़ में थे ग्रीन पटाखे, जिन्हें चलाने की इजाजत खुद सुप्रीम कोर्ट से मिली थी। कोर्ट का तर्क था कि प्रदूषण कम करने के लिए प्रयोग जरूरी है, इसलिए दिल्ली में पहले सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़े जाएं।

नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से वे इस युवा ऊर्जा को नावाचार से जोडऩे के प्रयास में लगे हुए हैं

आदर्श युवा ग्रामसभाएं मजबूत करेंगी लोकतंत्र

प्रमोद भार्गव

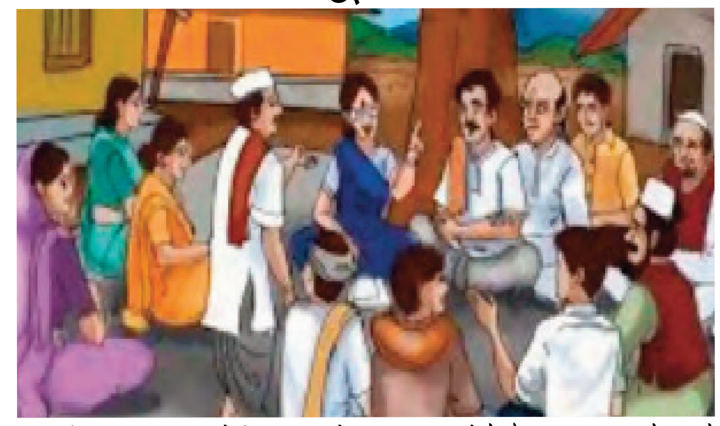

किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी होती है। यह सुखद है कि विश्व की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या भारत में है। आधे नागरिक 25 वर्ष से कम आयु के हैं। इसीलिए नरेंद्र मोदी जब से प्रधानमंत्री बने हैं, तभी से वे इस युवा ऊर्जा को नावाचार से जोडऩे के प्रयास में लगे हुए हैं। इसमें सफलता भी मिली है। इसी का नतीजा है कि देश-दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर एक उभरती हुई वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। अब युवा जनसांख्यिकीय ताकत को पंचायतीराज में शिक्षित युवाओं के समावेशीकरण की दृष्टि से एक अनूठी नवाचारी पहल पंचायती राज मंत्रालय ने की है। इसमें जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसके अंतर्गत आदर्श युवा ग्रामसभा यानी मॉडल यूथ ग्रामसभा (एमवायजीएस) एक ऐसी पहल है, जो युवाओं में लोकतांत्रिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रेरित करती है। ये युवा ग्रामों में जमीनी लोकतंत्र की भावना को न केवल मजबूती देंगे, अपितु त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में शामिल होकर नवीन डिजिटल माध्यमों से ग्राम पंचायत प्रशासन को पारदर्शी बनाने के साथ, उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का काम भी करेंगे। इस व्यवस्था को तीनों विभागों ने तालमेल बिठाकर 30 अक्टूबर 2025 को शुभारंभ भी कर दिया है। त्रिस्तरीय पंचायती राज में सरपंच, जनपद अध्यक्ष और जिला पंचायत अध्यक्ष से कहीं ज्यादा संवैधानिक महत्व ग्राम सभाओं का है। हालांकि कमोबेश पूरे देश में ग्राम सभाओं को नजरअंदाज किया जाता है। कलेक्टर और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी ग्राम सभाओं के कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रस्तावों को टाल देते हैं। ग्राम सभाओं की इस कानूनी बाध्यता को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए वेदांता जैसी खनिज उत्खनन की बहुराष्ट्रीय कंपनी और ओड़ीसा राज्य सरकार के मामले में 2013 में दिए गए एक फैसले से जानते हैं। शायद देश में ऐसा पहली बार हुआ था कि पंचायती राज और ग्रामसभा के अधिकारों की कितनी अहम्भूमिका ग्राम विकास में अंतर्निहित है। पंचायत और वनाधिकार कानून की यह न्यायिक व्याख्या ऐसी राज्य सरकारों के लिए एक सबक है, जो इन कानूनों को ताक पर रखकर मनमानी करती हैं। इस दृष्टि से ओड़ीसा की नियमगिरी की पहाडियों पर सर्वोच्च न्यायालय ने बॉक्साइट के उत्खनन की प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। यहां गौरतलब है कि न्यायालय ने खुद व्यापार की कोई नई कानूनी संहिता नहीं रची थी, बल्कि अदालत ने पहले से ही प्रचलन में आए पंचायती राज अनुसूचित क्षेत्र विस्तार अधिनियम (पेसा) और आदिवासी एवं अन्य वनवासी भूमि अधिकार अधिनियम यवनाधिकार कानून में तय मानदण्डों के आधार पर ही अपना फैसला दिया था। अदालत ने केवल यह रेखांकित किया था कि इन कानूनों के तहत आदिवासी क्षेत्रों में स्थानीय खनिज संपदाओं के उपयोग के संबंध में ग्रामसभाएं पूरी तरह अधिकार संपन्न हैं और उनकी अनुमति के बिना कोई कंपनी या राज्य सरकार बेजा दखल नहीं दे सकती है। साथ ही, कार्यपालिका ग्रामसभा के निर्णय को मौके पर पालन कराने के लिए बाध्यकारी है। इस फैसले के बाद वेदांता समूह को मिले खनन के अधिकार पर ग्रहण लग गया था। इससे गांव में जमीन पर सामुदायिक हक किसका है, यह निर्धारित करने का निर्णय ग्राम सभाओं को मिल गया था। इससे पहले इसी आधार पर 2009 में अरावली पर्वत श्रृंखलाओं में खनन पर रोक लगा चुकी थी। ग्राम सभाओं के इसी महत्व को अंगीकार करते हुए कर्नाटक के बेल्लारी, तुमकुर और चित्रांगदा जिलों में लौह अयस्क उत्खनन के 50 पट्टे भी शीर्ष न्यायालय ने रद्द कर दिए थे। अदालत के इस लोकतांत्रिक एवं जनहितैषी कानून सम्मत फैसले से इस अवधारणा को शक्ति मिली थी कि जिन मूल निवासियों के संसाधनों पर परियोजनाएं स्थापित होनी हैं, उन्हें लगाने या न लगाने का अधिकार पंचायत अधिनियम में दर्ज ग्राम सभाओं को है। ग्राम सभाएं निर्णय लेने को पूरी तरह स्वतंत्र हैं। चूंकि आदर्श युवा ग्राम सभाओं में ऐसे विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत गतिविधि आधारित और अनुभवजन्य शिक्षा पर बल देती है। इस प्रशिक्षण का लक्ष्य छात्रों में संवैधानिक मूल्यों, दायित्वों के प्रति सम्मान के साथ देश के प्रति भावनात्मक जुड़ाव विकसित करना है। इसीलिए इन आदर्श युवा ग्राम सभाओं में जवाहर नवोदय विद्यालय, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय और अन्य सरकारी विद्यालयों के नवीं एवं दसवीं के छात्रों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। क्योंकि यही संस्थान समाज के विविध वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अतएव इस पहल का दायरा सभी ग्रामीणों से लेकर जनजातीय समुदायों तक फैला हुआ है। चूंकि संविधान के 73वें संशोधन ने पंचायती राज व्यवस्था में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के आरक्षण के साथ इन समुदायों की महिलाओं को भी आरक्षण की सुविधा प्राप्त है। इसीलिए ग्राम पंचायतों को भारत की विविधता का वास्तविक प्रतिबिंब माना जाता है। निश्चित ही यह लोक कल्याणकारी निर्णय ग्रामीण जनसमूहों में चेतना का आधार बनेगा और ग्राम विकास में ग्राम सभा की भूमिका मजबूत होगी। साथ ही इस ऐतिहासिक फैसले के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकारों और उद्योगपतियों को यह संदेश लेने की जरूरत है कि वे अब अपेक्षाकृत ज्यादा मानवीय और समावेशी विकास की पक्षधर दिखें। तभी विकेंद्रीकृत पंचायती राज प्रणाली में कानून की सार्थकता सिद्ध होगी। युवाओं द्वारा स्वप्न देखना स्वाभाविक लक्षण है। लेकिन प्रचार के जरिए देश में माहौल कुछ ऐसा बना दिया गया है कि सरकारी अथवा निजी क्षेत्र में नौकरी करना ही जीवन की सफलता है। परंतु यह प्रयोग प्रशिक्षित युवा वर्ग में निर्वाचन के जरिए पंचायती राज व्यवस्था में प्रशासनिक अधिकार प्राप्त कर लेने की उम्मीद जगाता है। यदि इन युवाओं को पर्याप्त अवसर मिलते हैं, तो उनमें पंचायती राज की कमियों को दूर करने की क्षमता तो दिखाई देगी ही, वे आलोचनात्मक सोच के माध्यम से चुनौतियों की पहचान कर उनके उचित समाधान के प्रति भी प्रतिबद्ध दिखाई देंगे। चूंकि ये शिक्षित होंगे, इसलिए समकालीन मुद्दों पर नई दृष्टि से विचार करेंगे और समाज को संवाद से प्रेरित करेंगे। अतएव कह सकते हैं कि युवा सरकारी नौकरी पाने की बजाय ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार एवं स्वावलंबन का बड़ा आधार बनेंगे। पंचायती राज में इन युवाओं की भूमिका इसलिए भी अहम्रूप में रेखांकित होगी, क्योंकि अब वर्तमान नीतिगत तकनीकी उपायों और कृत्रिम बुद्धि कंप्यूटर से चलने वाले प्रशासन के जरूरी हिस्सा हो गए हैं। इनका सही इस्तेमाल निरीक्षण और अशिक्षित पंचायत प्रतिनिधि की बजाय सुशिक्षित एवं तकनीक का जानकार निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि कहीं ज्यादा कारगर एवं परिणाममूलक उपयोग कर पाएंगे। अतएव आदर्श युवा ग्राम सभा एक रूपांतरणकारी दौर से गुजरेगी और इस स्थानीय शासन-प्रशासन व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्य मजबूत होंगे। भारत जब दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में चल पड़ा है, तब पंचायती राज की लोकतांत्रिक नींव को मजबूत करना जरूरी हो जाता है।

देश-दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर एक उभरती हुई वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। अब युवा जनसांख्यिकीय ताकत को पंचायतीराज में शिक्षित युवाओं के समावेशीकरण की दृष्टि से एक अनूठी नवाचारी पहल पंचायती राज मंत्रालय ने की है। इसमें जनजातीय कार्य मंत्रालय और शिक्षा विभाग का भी सहयोग लिया जा रहा है। इसके अंतर्गत आदर्श युवा ग्रामसभा यानी मॉडल यूथ ग्रामसभा (एमवायजीएस) एक ऐसी पहल है, जो युवाओं में लोकतांत्रिक भागीदारी और नेतृत्व को प्रेरित करती है। ये युवा ग्रामों में जमीनी लोकतंत्र की भावना को न केवल मजबूती देंगे, अपितु त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में शामिल होकर नवीन डिजिटल माध्यमों से ग्राम पंचायत प्रशासन को पारदर्शी बनाने के साथ, उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का काम भी करेंगे।

देश दुनिया से

भारतीय समाज में दफन होते खूनी रिश्ते

भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्दी ही जर्मनी को पीछे छोडक़र कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारत आर्थिक उन्नति तो कर रहा है, परंतु साथ ही साथ सामाजिक अवनति की ओर अग्रसर है। आदमी ने मशीनी मानव का रूप धारण कर लिया है जिससे मानवीय संबंधों का क्षय, नैतिकता का पतन और खूनी रिश्तों की अहमियत भूल गया है। भारतवर्ष जो रिश्तों की प्रगाढ़ता के लिए पूरे विश्व में जाना जाता था, वहां आज खूनी रिश्तों को भी अहमियत नहीं दी जा रही है। भारतीय समाज, पिता-पुत्री, चाचा-भतीजी, दादी-पौत्र और दादा-पौत्री आदि जो अहम रिश्ते हैं, उनकी मर्यादाओं को भी भूल गया है। इससे यह सिद्ध होता है कि औरत को अभी भी उपभोग की वस्तु समझा जाता है और रिश्तों को गौण। एक समय था जब भारत उच्च नैतिक मूल्यों के लिए विश्व विख्यात रहा है, परन्तु पिछले कुछ वर्षों से भारतीयों द्वारा खूनी रिश्तों की मर्यादा को भी तार-तार कर दिया गया है। हमारे देश में बालिकाओं और महिलाओं के साथ वलात्कार और यौन शोषण की वारदातों के सम्बन्ध में तो हर दिन सुनते हैं, परन्तु जब पिता अपनी ही पुत्री का यौन उत्पीडऩ करता है तो हमें सोचने पर मजबूर कर देता है कि हमारा समाज किस ओर जा रहा है। क्या अभी भी महिलाओं को संभोग की वस्तु समझा जा रहा है। जब बच्चियां अपने घर में भी सुरक्षित नहीं हैं तो शायद यह दोष हमारी पितृसत्तात्मक प्रणाली पर है, जहां महिलाओं को अभी भी सम्मान नहीं दिया जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में घटित और विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित घटनाएं जो नीचे वर्णित हैं, के विश्लेषण से पता चलता है कि नैतिक मूल्यों का क्षय चरम सीमा पर है। 29 मई 2025 को उच्चतम न्यायालय ने एक कार्डियोलोजिस्ट की अपील को सुनने से इन्कार कर दिया जिसमें आरोपी को निचली अदालत द्वारा अपनी ही सात वर्षीय बेटी पर यौन हमला शराब के नशे में करने के आरोप में सजा सुनाई थी। अपनी नाबालिग बेटी का यौन शोषण करने के आरोपी एक पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ मामले को चौंकाने वाला कहकर 11 जून 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने उसकी प्राथमिकी को खारिज करने से मना कर दिया। पूर्व न्यायाधीश पर उसकी अपनी ही बेटी ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। पूर्व न्यायाधीश मुंबई उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय गए थे। चंबा जिले के चुराह क्षेत्र में 21 मई 2025 को एक नाबालिग ने अपने रिश्ते के दादा पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के पेट में दर्द होने पर अस्पताल में जांच के दौरान नाबालिग गर्भवती पाई गई। आरोपी दादा को पुलिस रिमांड पर लिया है। हिमाचल प्रदेश के उपमंडल धीरा के अंतर्गत थुरल तहसील के एक गांव में पिता अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म करता चला आ रहा था।

भारत आर्थिक उन्नति तो कर रहा है, परंतु साथ ही साथ सामाजिक अवनति की ओर अग्रसर है। आदमी ने मशीनी मानव का रूप धारण कर लिया है जिससे मानवीय संबंधों का क्षय, नैतिकता का पतन और खूनी रिश्तों की अहमियत भूल गया है। भारतवर्ष जो रिश्तों की प्रगाढ़ता के लिए पूरे विश्व में जाना जाता था, वहां आज खूनी रिश्तों को भी अहमियत नहीं दी जा रही है। भारतीय समाज, पिता-पुत्री, चाचा-भतीजी, दादी-पौत्र और दादा-पौत्री आदि जो अहम रिश्ते हैं, उनकी मर्यादाओं को भी भूल गया है। इससे यह सिद्ध होता है कि औरत को अभी भी उपभोग की वस्तु समझा जाता है और रिश्तों को गौण। एक समय था जब भारत उच्च नैतिक मूल्यों के लिए विश्व विख्यात रहा है, परन्तु पिछले कुछ वर्षों से भारतीयों द्वारा खूनी रिश्तों की मर्यादा को भी तार-तार कर दिया गया है।

बेटी ने 30 जुलाई 2025 को पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र में 8 जुलाई 2025 को पिता के खिलाफ अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने का मामला रामपुर थाना में दर्ज हुआ। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रोहडू क्षेत्र में 25 वर्षीय युवक ने 3 जुलाई 2025 को अपनी दादी का रेप किया। दादी अपने पति की मौत के बाद अकेली रहती थी। रेप के बाद किसी से इस घटना का जिक्र न करने को कहा। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 24 जुलाई 2025 को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई मौत की सजा को न मानते हुए 30 वर्ष का कठोर दंड सुनाया। यह व्यक्ति अपनी नाबालिग बच्ची का 4 वर्षों से यौन शोषण कर रहा था और उसे गर्भवती कर दिया था। हिमाचल प्रदेश के ऊना में हाल ही में एक व्यक्ति को अपनी सगी 13 वर्षीय भतीजी के रेप के जुर्म में कोर्ट ने 25 वर्ष का कठोर कारावास और 55 हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई। हिमाचल प्रदेश के मंडी में 14 वर्षीय नाबालिग लडक़ी को उसके बुआ के बेटे ने ही दुष्कर्म कर गर्भवती किया है। पुलिस ने उस लडक़ी के बुआ के बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। हिमाचल प्रदेश के लंबागांव के अंतर्गत एक गांव में एक नाबालिग लडक़ी ने 29 जुलाई 2025 को एक बच्ची को टांडा मेडिकल कालेज में जन्म दिया है। लडक़ी की मां के बयान के आधार पर, मां के धर्म भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भारतीय अपने देश में ही नहीं, बल्कि अन्य देशों में भी दुष्कर्म की घटनाएं करके भारत को बदनाम कर रहे हैं। इंग्लैंड सरकार के पिछले 4 वर्ष के डाटा के अनुसार वहां भारतीय ही सबसे ज्यादा यौन शोषण की वारदातों में संलिप्त हैं। हाल ही में ब्रिटेन में 24 वर्षीय एक भारतीय युवक को 13 साल से कम उम्र की नाबालिग लडक़ी का रेप करने के जुर्म में 6 जुलाई 2025 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। पवित्र रिश्तों की मर्यादा जिस कद्र तार-तार हो रही है, इसके लिए हमें अपने देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन करने होंगे। समाज, सरकार और न्यायपालिका तीनों मिलकर इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। महिलाओं को भी लोक-लाज को छोडक़र पितृसत्तात्मक समाज के साथ भिडऩा होगा और साथ में बुद्धिजीवी वर्ग को भी इस सामाजिक समस्या पर मंथन करना होगा। दावा किया जा रहा है कि भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है, लेकिन ये घटनाएं कुछ और ही कहती हैं।

आप का नजरिया

अनुमतियों के मजहब

हिमाचल में फाइल की फफूंद अकसर राज्य की महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं को खराब कर देती है। विभिन्न प्रकार की अनुमतियों के हाशियों से गुजरते संकल्प राजनीति का शिकार हो जाते हैं। कुछ अनुमतियां इतनी सरल प्रतीत होती हैं कि प्रदेश के सीमावर्ती इलाके खड्डों, नदियों और स्वां के तटीकरण के बजाय रेत-बजरी के खनन में सारी बंदिशों की होली जला देती हैं। हिमाचल का अमीर वर्ग अगर ढूंढना है, तो वह खड्डों के खनन या क्रशरों के व्यापारिक कौशल में मिलेगा। इतना ही नहीं वह पहाडिय़ों को काट कर महल बना रहा है या उपजाऊ भूमि खरीद कर अब नया व्यापार सजा रहा है। खदान-खुदाई और ठेकेदारी में पिघलती नैतिकता ने समाज की इच्छाएं तक बदल दीं। धारा 118 का सरलीकरण और इससे जुड़े सियासी मुहावरे, हर सत्ता में नए मजूमदार खोजते हैं। अनुमतियों के विवाद, अनुमतियों के स्कैंडल में झांकते हैं, नतीजतन हिमाचल में भू माफिया ने जमीनों की इतनी कतरनें कर दी हैं कि आम आदमी को एक अदद फ्लैट पाने के लिए चंडीगढ़ का बगलगीर होना पड़ रहा है। यह दीगर है कि हिमाचल में भी खेती से अच्छा व्यवसाय जमीन बेचना हो गया। अब रेरा की अनुमतियों ने फ्लैट्स संस्कृति का जाल फैलाया है। हिमाचल में अनुमतियों से अनुमोदन तक नई ख्वाहिशों का मुद्रण हो रहा है। यही वजह रही कि जरूरत से ज्यादा शिक्षा फैल गई। अब निजी निवेश में शिक्षा का औचित्य तालीम को बांटना है, तो प्रदेश में बांटे गए बीएड कालेज शिक्षकों की जमात से अन्याय ही कर रहे हैं। कुछ इसी तरह की अनुमतियों के सागर में नर्सिंग कालेज या तकनीकी विश्वविद्यालय का औचित्य कई पाठ्यक्रमों को बांटने लगा है। हिमाचल के उत्थान में विभागीय भूमिका का विस्तार नए कार्यालयों की सेज सजा कर खत्म हो गया। सबसे कमजोर विभाग टीसीपी को मान लें जहां शहर बसाने का नियोजन, नेताओं की इच्छाओं की भेंट चढ़ गया। ग्रीन एरिया में उपजाऊ भवन उगाए गए, तो शहरी विकास योजनाओं में आए गांवों को हटाने के लिए सियासी सर्कस जारी रहा। प्रदेश में अनुमतियों की फाइल पर बंटते रूट, टैक्सी परमिट, खनन के पट्टे और जेसीबी मशीनों के लाइसेंस अगर अफरातफरी का आलम होते हैं, तो फिर सुशासन की कसौटियां कब बनेंगी। हिमाचल में वन संरक्षण अधिनियम की अनुमतियों की ताल पर सियासत के कई घरौंदे बसते हैं। यहां विकास का मजहब वन संरक्षण कानून की अदाकारी है। कहीं तो वन भूमि लाल कालीन बन कर किसी परियोजना के लिए बिछ जाती है और कहीं जंगल के कांटे ऐसे चुभोए जाते हैं कि जनता तक को हारना पड़ता है। प्रगति के हर पांव पर वनापत्तियों का बंधन जब चाहे छूट जाता है और जब चाहे सारी प्रक्रिया को रोक लेता है। अदालत में फंसे केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर का वृत्तांत देखा जाए, तो कहा जा सकता है कि वन संरक्षण कानून के हथौड़े राजनीति को स्वेच्छधारी बना देते हैं। यही स्वेच्छा देहरा में पूरे केंद्रीय विश्वविद्यालय को बसाने के लिए एक ऐसी राजनीतिक केस हिस्ट्री तैयार कर चुकी है, जहां कई नेताओं के चरित्र से पूरा हिमाचल खौफजदा हो सकता है। भविष्य में अनुमतियों के पिटारे में शिमला का रिज मैदान आएगा और जहां नेताओं की कब्रों से बुत निकल आएंगे। यह मान के चलिए कि अगले दशकों की अनुमतियों में कितने ही नेताओं की प्रतिमाएं रिज पर विराजमान होंगी। हम सस्ती राजनीति के दम से अपने मुकाम पर तिलक लगाने के लिए एक अदद अनुमति या अनुमतियों का दुरुपयोग करने में माहिर हो चुके हैं।

हिमाचल का अमीर वर्ग अगर ढूंढना है, तो वह खड्डों के खनन या क्रशरों के व्यापारिक कौशल में मिलेगा। इतना ही नहीं वह पहाडिय़ों को काट कर महल बना रहा है या उपजाऊ भूमि खरीद कर अब नया व्यापार सजा रहा है। खदान-खुदाई और ठेकेदारी में पिघलती नैतिकता ने समाज की इच्छाएं तक बदल दीं। धारा 118 का सरलीकरण और इससे जुड़े सियासी मुहावरे, हर सत्ता में नए मजूमदार खोजते हैं। अनुमतियों के विवाद, अनुमतियों के स्कैंडल में झांकते हैं, नतीजतन हिमाचल में भू माफिया ने जमीनों की इतनी कतरनें कर दी हैं कि आम आदमी को एक अदद फ्लैट पाने के लिए चंडीगढ़ का बगलगीर होना पड़ रहा है। यह दीगर है कि हिमाचल में भी खेती से अच्छा व्यवसाय जमीन बेचना हो गया। अब रेरा की अनुमतियों ने फ्लैट्स संस्कृति का जाल फैलाया है। हिमाचल में अनुमतियों से अनुमोदन तक नई ख्वाहिशों का मुद्रण हो रहा है। यही वजह रही कि जरूरत से ज्यादा शिक्षा फैल गई। अब निजी निवेश में शिक्षा का औचित्य तालीम को बांटना है, तो प्रदेश में बांटे गए बीएड कालेज शिक्षकों की जमात से अन्याय ही कर रहे हैं। कुछ इसी तरह की अनुमतियों के सागर में नर्सिंग कालेज या तकनीकी विश्वविद्यालय का औचित्य कई पाठ्यक्रमों को बांटने लगा है। हिमाचल के उत्थान में विभागीय भूमिका का विस्तार नए कार्यालयों की सेज सजा कर खत्म हो गया। सबसे कमजोर विभाग टीसीपी को मान लें जहां शहर बसाने का नियोजन, नेताओं की इच्छाओं की भेंट चढ़ गया। ग्रीन एरिया में उपजाऊ भवन उगाए गए, तो शहरी विकास योजनाओं में आए गांवों को हटाने के लिए सियासी सर्कस जारी रहा।

दृष्टि कोण

पंजाब के लिए भी हरेक बिहारी की अहमियत

गत सप्ताह की शुरुआत में, बिहार के मुज़फ़्फ़रपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक टिप्पणी में पंजाब में काम करने वाले बिहारी प्रवासियों के लिए हीनता-सूचक शब्द बरतने के लिए कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथ लिया, इसने पंजाब में 30 लाख की विशाल संख्या वाले कार्यबल पर फिर ध्यान खींचा, जबकि इनके बिना पंजाब में आज कोई भी परिवार काम नहीं चला सकता। लेकिन इससे पहले कि आप यह तय कर लें कि पंजाब में बिहार-यूपी की यह प्रवासी आबादी 21वीं सदी के गिरमिटिया, यानी ब्रिटिश राज द्वारा दुनियाभर में गन्ने के खेतों में काम करवाने को ले जाए गए बंधुआ मज़दूरों का आधुनिक रूप है या नहीं, आइए इस तर्क का संदर्भ समझते हैं। सर्वप्रथम, पीएम मोदी की टिप्पणियां बिहार में बीजेपी की असाधारण पहुंच बनाने का हिस्सा हैं, जहां इसके सहयोगी दल के नीतीश कुमार पिछले 20 सालों से सत्ता पर काबिज हैं। इस अंतिम दौर में, बीजेपी के सभी शीर्ष नेता सियासी रूप से बेहद जागरूक इस राज्य में प्रचार के लिए अवतरित हैं - बीजेपी शासित छोटे से हरियाणा से भी 54 नेता चुनाव प्रचार में हैं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी दो बार जा चुके हैं। द्वितीय, जैसे बीजेपी ने एक साल पहले हरियाणा में किया था, वह कोई कसर नहीं छोड़ेगी। वह विपक्ष को बिहार में सत्ता में आने से रोकने के लिए सब कुछ करेगी। बीजेपी जानती है कि महागठबंधन की जीत हुई तो बीजेपी की अजेयता की धारणा टूट जाएगी। साथ ही, यह विजय राहुल गांधी में 2026 में असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में नई ऊर्जा से चुनाव लड़ने का जोश भर देगी और फिर 2027 में पंजाब के लिए भी तैयार कर देगी। यही वजह है कि मुज़फ़्फ़रपुर में नरेंद्र मोदी ने 2022 में तत्कालीन पंजाब कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा की गई 'यूपी के भैया' वाली टिप्पणी का मुद्दा उछाला। मोदी बखूबी समझते हैं कि कांग्रेस, चाहे कितनी भी कमज़ोर व बंटी हुई हो - आज पंजाब इकाई में मुख्यमंत्री पद के कम से कम पांच दावेदार हैं - फिर भी वह देश में एकमात्र पार्टी है जो बीजेपी के संभावित विरोधियों को एकजुट कर सकती है। एक बार फिर, चन्नी को अपना बचाव करने को मजबूर होना पड़ा – उन्होंने कहा कि वह तो सिर्फ दिल्ली के आम आदमी पार्टी नेताओं को निशाना बना रहे थे, जो 2022 में पंजाब में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे थे – लेकिन सच यह है कि यह शब्द, 'भैया', एक तुच्छता-सूचक संबोधन है, जो गिरते पंजाबी आत्म-सम्मान में श्रेष्ठता भाव जगाने की गर्ज से है। कभी दूध और शहद की धरती रहा पंजाब अब लगातार मुश्किलों में घिरता जा रहा, क्योंकि वह एक ही वक्त में कृषि संकट, जो कई दशकों की भीषणतम बाढ़ से और बढ़ गया व करीब नदारद उद्योग जैसी समस्या से जूझ रहा है, जिससे सूबे का स्थान राज्यवार जीडीपी के बरक्स कर्ज के अनुपात में देश में दूसरे नंबर पर है (सिर्फ अरुणाचल प्रदेश की हालत इससे पतली है)। चूंकि प्रकृति को शून्यता पसंद नहीं, इसलिए कनाडा और दूसरे पश्चिमी देशों को पलायन कर रहे पंजाबियों की वजह से पैदा हुआ खालीपन भरने को –2021 की कनाडा की जनगणना के अनुसार, वहां करीब 10 लाख पंजाबी (कुल आबादी का 2.6 फीसदी) हैं – सीमांचल, पूर्वांचल, मगध और मिथिला से आए सांवले रंग के 'भैया' लोगों ने उनके द्वारा रिक्त रोजगार मौकों को भर दिया। कहा जाता है कि पंजाब की 30 लाख प्रवासी आबादी में 60 प्रतिशत बिहार और 21 प्रतिशत उत्तर प्रदेश के हैं। मतलब, तीन करोड़ वाले राज्य में आबादी के हिसाब से हर दस पंजाब वासियों में एक प्रवासी है।

पोषण के लिहाज से सबसे शक्तिशाली तरल माना जाता है व्हेल का दूध

लंदन , 04 नवंबर (एजेंसियां) ।

अगर धरती पर किसी जीव का दूध सबसे रहस्यमयी, गाढ़ा और पौष्टिक कहा जाए, तो वह व्हेल मछली का दूध है। यह समुद्र के भीतर बनने वाला ऐसा चमत्कार है, जो न केवल अपनी संरचना से वैज्ञानिकों को हैरान करता है, बल्कि पोषण के लिहाज से इसे सबसे शक्तिशाली तरल माना जाता है।

व्हेल मछली का दूध इतना गाढ़ा होता है कि यह पानी में घुलता भी नहीं, बल्कि टूथपेस्ट या क्रीम जैसा दिखता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह दूध मां व्हेल अपने बच्चे को समुद्र के भीतर रहते हुए पिलाती है, ताकि वह पानी में न बह जाए और पूरा पोषण सीधे बच्चे तक पहुंचे। ब्लू व्हेल, जो धरती की सबसे बड़ी जीव है, लगभग तीन टन वजन वाले बच्चे को जन्म देती है। लेकिन इस बच्चे को तेजी से बढ़ाने की जिम्मेदारी इस असाधारण दूध की होती है। मां व्हेल प्रतिदिन करीब 200 लीटर दूध पैदा करती है, जिसमें लगभग 35 से 50 प्रतिशत वसा और 12 प्रतिशत तक प्रोटीन पाया जाता है। इसकी बनावट इतनी गाढ़ी होती है कि यह सामान्य दूध से कई गुना ज्यादा ऊर्जा देता है।

परिणामस्वरूप, एक बेबी व्हेल एक दिन में 100 किलो तक वजन बढ़ा लेती है यानी हर घंटे लगभग 4 से 5 किलो। महज छह महीनों में उसका वजन 25 टन तक पहुंच जाता है, जो किसी भी जीव में विकास की सबसे तेज दरों में से एक है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह अत्यधिक वसा बच्चे को ठंडे महासागर के वातावरण में ऊर्जा और ऊष्मा बनाए रखने में मदद करती है। समुद्री यात्राओं के दौरान जब व्हेल माएं हजारों किलोमीटर तक अंटार्कटिका या अन्य ठंडे क्षेत्रों की ओर जाती हैं, तब यह गाढ़ा दूध उनके बच्चों के लिए जीवनदायिनी भूमिका निभाता है। इस दूध में मौजूद फैट ग्लोब्यूल्स सामान्य दूध की तुलना में बहुत बड़े होते हैं, जिससे इसकी बनावट चिपचिपी और गाढ़ी हो जाती है। यही वजह है कि इसे पीना नहीं, बल्कि लगभग चम्मच से खाना पड़ता है। हालांकि, इस दूध का स्वाद इंसान के लिए किसी सजा से कम नहीं है। इसमें समुद्री मछली की तीव्र गंध होती है और यह खारा होता है, क्योंकि व्हेल का आहार मुख्य रूप से प्लैंकटन होता है। इंसान अगर इसे चखने की कोशिश करे तो उल्टी जैसा महसूस हो सकता है, क्योंकि हमारा पाचन तंत्र इतनी अधिक वसा को सह नहीं सकता। इसके बावजूद, व्हेल शिशुओं के लिए यह दूध अमृत के समान है, जो उन्हें समुद्र के कठोर वातावरण में जीवित रहने की शक्ति देता है। ताजा वैज्ञानिक अध्ययन ने यह खुलासा किया कि व्हेल के दूध में ओमेगा-3 फैटी एसिड की अत्यधिक मात्रा होती है, जो हृदय के लिए अत्यंत लाभकारी मानी जाती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह दूध इंसानी दूध की तुलना में 10 गुना अधिक वसा और चार गुना अधिक प्रोटीन से भरपूर है। हालांकि इसे संग्रहित करना बेहद कठिन है, क्योंकि व्हेल समुद्र की गहराइयों में अपने बच्चों को दूध पिलाती हैं।

न्यूज ब्रीफ

पेरू ने पूर्व प्रधानमंत्री के दूतावास में शरण लेने के बाद मेक्सिको के साथ राजनयिक संबंध तोड़े

लीमा। पेरू ने सोमवार को मेक्सिको के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने का फैसला किया। यह फैसला पेरू की पूर्व

प्रधानमंत्री बेटसी शावेज के मेक्सिको दूतावास में शरण मांगने के बाद लिया गया है। शावेज पूर्व राष्ट्रपति पेड्रो कास्टिलो की सरकार में मंत्री रह चुकी हैं। पेरू के विदेश मंत्री ह्यूगो डे जेला ने यहां पत्रकारों को बताया , 'पेरू के अधिकारियों को सोमवार को पता चला कि शावेज मेक्सिको के दूतावास में छिप गई हैं।' उन्होंने कहा कि इस शत्रुतापूर्ण कृत्य के जवाब में, और मेक्सिको के वर्तमान तथा पूर्व राष्ट्रपतियों द्वारा पेरू के आंतरिक मामलों में बार-बार हस्तक्षेप को ध्यान में रखते हुए, पेरू सरकार ने मेक्सिको के साथ राजनयिक संबंध तोड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि अभी तक इस बारे में इससे अधिक कोई ब्यौरा नहीं दिया गया है। शावेज पर 2022 के अंत में राष्ट्रपति कास्टिलो द्वारा संसद भंग करने के प्रयास में कथित भूमिका के लिए आपराधिक आरोप लगे हैं। कास्टिलो को हटा दिया गया और वे अभी भी गिरफ्तार हैं। शावेज भी जून 2023 से जेल में थीं, लेकिन सितंबर में मुकदमे के दौरान उन्हें रिहा कर दिया गया था। इस बीच शावेज के वकील राउल नोब्लेसिला ने स्थानीय रेडियो स्टेशन आरपीपी को बताया कि उन्हें कई दिनों से अपनी मुवक्किल से कोई खबर नहीं मिली और उन्हें शावेज के मेक्सिकों दूतावास में शरण लेने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

साउथ चाइना सी दुनिया का अगला बड़ा टकराहट का मैदान बन रहा

बीजिंग। इंडो-पैसिफिक अब शांति का नहीं, टेंशन का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है। साउथ चाइना सी, जहां कभी सिर्फ मछली पकड़ने और व्यापारिक जहाजों की आवाजाही होती थी, आज वही इलाका दुनिया की अगली बड़ी टकराहट का मैदान बनता जा रहा है। वजह साफ है, 10 से ज्यादा देशों ने पिछले कुछ दिनों में एक के बाद एक ऐसी आर्मी डील साइन की है, जो सीधे तौर पर चीन की बढ़ती दादागिरी को चुनौती देती है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल, तैयारी तो चीन को घेरने की है, लेकिन प्लान किसका है फि लीपींस और कनाडा ने रविवार एक बड़ी आर्मी समझौता किया। स्टेट ऑफ विजिटंग फोर्सेस एग्रीमेंट के तहत दोनों देशों की सेनाएं अबएक-दूसरे के इलाके में जाकर ट्रेनिंग और ऑपरेशन कर सकेंगी यानी कनाडा की फौज पहली बार इंडो-पैसिफिक में एक्टवि होगी। 10 से ज्यादा देशों ने पिछले कुछ दिनों में कई आर्मी डील साइन की फिलीपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो टिओडोरो ने साफ कहा कि यह समझौता सिर्फ ट्रेनिंग का नहीं, बल्कि रूल्स-बेस्ड इंटरनेशनल ऑर्डर को बचाने का है।

तीन महीने में 50 किलो वजन घटाओ..........पोर्शे पैनामेरा कार ले जाओ

बीजिंग। चीन में मोटापे से जूझ रहे लोगों के लिए एक फिटनेस सेंटर ने वजन घटाने को लेकर ऐसा ऑफर

दिया है, जो कि अब चर्चा में आ गया है। शेडॉन्ग प्रांत के बिनझोउ में मौजूद एक जिम ने एलान किया है कि जो व्यक्ति तीन महीने में 50 किलो वजन कम करेगा, उस शख्स को इनाम में एक पोर्शे पैनामेरा कार दी जाएगी। यह योजना न केवल चर्चा में है, बल्कि लोगों में उत्सुकता और जोश भी पैदा कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रतियोगिता की घोषणा 23 अक्टूबर को की गई थी। जिम के विज्ञापन में बताया गया कि इनाम में मिलने वाली कार की कीमत करीब 1.1 मिलियन युआन (करीब 1.36 करोड़ रुपये) है। हालांकि, जिम के फिटनेस कोच वांग ने साफ किया है कि यह कार नई नहीं, बल्कि जिम मालिक की 2020 मॉडल की निजी गाड़ी है, जिसे वह पिछले कुछ सालों से चला रहे हैं। चीन में एक जिम का विज्ञापन चर्चा के केंद्र में वांग ने बताया कि प्रतियोगिता पूरी तरह असली है और इसमें हिस्सा लेने के लिए अब तक लगभग सात से आठ लोगों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि पंजीकरण केवल 30 प्रतिभागियों तक सीमित रखा गया है, जिसके बाद एंट्री बंद होगी। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने वालों को करीब 10,000 युआन (करीब 1.23 लाख रुपये) बतौर पंजीकरण शुल्क देना होगा। प्रतिभागियों को तीन महीने के दौरान जिम में ही विशेष कमरों में रहना होगा, जहां उनकी डाइट, वर्कआउट और प्रगति पर लगातार नजर रखी जाएगी। जिम की इस अनोखी पहल ने सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी है। कुछ लोगों ने मोटिवेशनल कदम बताया, जबकि कुछ ने इतनी बड़ी चुनौती को असंभव और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बताया।

व्लादिमीर पुतिन-डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठक जल्द आयोजित करने की जरूरत नहीं : पेस्कोव

मॉस्को, 04 नवंबर (एजेंसियां) ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात रद्द होने को लेकर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि पुतिन और ट्रंप के बीच बैठक जल्द आयोजित करने की कोई जरुरत नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेस्कोव ने रविवार को कहा कि इस तरह की बैठक की तुरंत तैयारी संभव है, लेकिन फिलहाल इसकी कोई जरूरत नहीं है। पेस्कोव ने कहा कि इस समय यूक्रेन समझौते की समस्या पर बहुत बारीकी से काम करने की जरूरत है। 16 अक्टूबर को पुतिन के साथ फोन पर बातचीत के बाद ट्रंप ने कहा था कि दोनों नेता जल्द ही हंगरी के बुडापेस्ट में मिलेंगे, हालांकि 22 अक्टूबर को ट्रंप ने बैठक रद्द होने की जानकारी देते हुए कहा था कि उन्होंने निर्धारित बैठक रद्द कर दी है, मुझे ठीक नहीं लगी और ऐसा नहीं लग रहा था कि हम उस मुकाम तक पहुंच पाएंगे, जहां हमें पहुंचना चाहिए।

पुतिन ने पहले ही कहा था कि बुडापेस्ट में होने वाली बैठक रद्द होने की बजाय स्थगित होने की ज्यादा संभावना है। पुतिन ने कहा था कि दोनों नेताओं के बीच होने वाली इस बैठक की शुरुआत अमेरिका ने की थी। 26 अक्टूबर को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा था कि उच्चतम स्तर पर व्यक्तिगत संपर्कों का भविष्य अमेरिकी पक्ष पर निर्भर करेगा।

दोनों नेताओं की आखिरी आमने-सामने की मुलाकात 15 अगस्त को अलास्का के एंकोरेज स्थित ज्वाइंट बेस एल्मेंडॉर्फ-रिचर्डसन में हुई थी। यह शिखर सम्मेलन रूस-यूक्रेन युद्धविराम या युद्ध समाप्ति के किसी अहम समझौते के बिना समाप्त हुआ था। 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद पुतिन और ट्रंप की यह पहली आमने-सामने की मुलाकात थी। इधर रूस ने शनिवार को यूक्रेन पर हमला किया। इस हमले में दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई। रूसी मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि शनिवार रात से रविवार सुबह तक यूक्रेन पर रूस ने ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए। रूस के इस हमले के बाद करीब 58 हजार घरों में अंधेरा छा गया। हमले में मारे गए बच्चों में एक की उम्र 11 और दूसरे की उम्र 14 साल बताई जा रही है।

ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर बने तो संघीय सहायता रोकी जाएगी, ट्रंप की धमकी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर में मेयर पद का चुनाव अंतिम दौर पर बेहद दिलचस्प हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सोमवार को खुलकर सामने आ गए। उन्होंने प्रभावशाली उम्मीदवार जोहरान ममदानी की कड़ी आलोचना करते हुए सार्वजनिक रूप से एंड्रयू कुओमो का समर्थन किया। ट्रंप ने कहा ममदानी घोर कम्युनिस्ट है। अगर वह मेयर पद का चुनाव जीतते हैं तो न्यूयॉर्क शहर को मिलने वाली संघीय धनराशि रोक दी जाएगी। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लंबी पोस्ट में यह भी चेतावनी दी कि ममदानी के नेतृत्व में न्यूयॉर्क शहर को 'आर्थिक और सामाजिक आपदा' का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने लिखा, 'अगर कम्युनिस्ट उम्मीदवार ज़ोहरान ममदानी न्यूयॉर्क शहर के मेयर का चुनाव जीत जाते हैं, तो मैं अपने प्यारे पहले घर के लिए आवश्यक न्यूनतम राशि के अलावा, संघीय धनराशि रोक देंगे। कम्युनिस्ट ममदानी इस महान शहर को संभाल नहीं सकते है!' ट्रम्प ने यह भी कहा कि जो लोग कर्टिस स्लीवा को वोट देंगे, वह ममदानी को वोट देना जैसा होगा। उन्होंने मतदाताओं का आह्वान किया कि भले ही आप व्यक्तिगत रूप से एंड्रयू कुओमो को नापसंद करते हों पर उन्हें वोट जरूर दें। उम्मीद करिये वो शानदार काम करेंगे। इस पर ममदानी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। ममदानी ने कहा, 'न्यूयॉर्क वासियों के लिए सबसे अच्छा मेयर नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के लिए सबसे अच्छा मेयर चाहिए।' ममदानी ने एलन मस्क के भी कुओमो का समर्थन करने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और दुनिया के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक दोनों के चुनाव के अंतिम समय में हस्तक्षेप के बावजूद वह ही जीतेंगे।' ममदानी ने कुओमो को 'ट्रंप की कठपुतली' भी कहा।

अमेरिका और सहयोगियों को संयुक्त राष्ट्र से मिल सकता है गाजा पर शासन करने का अधिकार

वाशिंगटन, 04 नवंबर (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र से अमेरिका को गाजा पर शासन करने का अधिकार मिल सकता है। संयुक्त राष्ट्र के मसौदा प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका और उसके सहयोगियों को गाजा पर शासन करने और सुरक्षा प्रदान करने का व्यापक अधिकार दिया जाएगा। इस मसौदे की एक प्रति एक्सियोस समाचार साइट के हाथ लगी है।

एक्सियोस समाचार साइट की रिपोर्ट के हवाले से यह अहम जानकारी प्रसारित की है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पास गाजा में अंतरराष्ट्रीय बल स्थापित करने का प्रस्ताव भेजा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इसका विस्तृत मसौदा तैयार कर लिया है। प्रस्ताव का मसौदा अमेरिका और अन्य भागीदार देशों को गाजा पर शासन करने और वहां सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने के लिए दो साल का व्यापक अधिकार देता है।

रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल, इजराइल और मिस्त्र के साथ गाजा पट्टी की सीमाओं की सुरक्षा, नागरिकों और मानवीय क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और नए फिलिस्तीनी पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित करने का प्रभारी होगा। बल को स्पष्ट रूप से हमास को निशस्त्र करने का अधिकार होगा। बल गाजा पट्टी के विसैन्यीकरण की प्रक्रिया सुनिश्चित करके गाजा में सुरक्षा वातावरण को स्थिर करेगा। इसमें सैन्य, आतंकवादी और आक्रामक बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण को नष्ट करना और रोकना, साथ ही गैर-राज्य सशस्त्र समूहों के हथियारों को स्थायी रूप से नष्ट करना शामिल है। ' मसौदे में यह भी कहा गया है कि यह बल गाजा समझौते के पक्ष में आवश्यक अतिरिक्त कार्य करेगा और इसका संचालन मिस्त्र और इजराइल के साथ घनिष्ठ परामर्श और सहयोग से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक्सियोस का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्तावित शांति बोर्ड को 'एक संक्रमणकालीन शासन प्रशासन' के अधिकार देने का आह्वान किया गया है।

साइलेंट किलर बना चुनौती: मां के पेट में मरोड़ रहा बच्चों की नसें

वाशिंगटन। गहन अमेज़न जंगलों में बसी आदिवासी महिलाएं अब गर्भधारण से डरने लगी हैं। जीवनरेखा मानी जाने वाली नदियां अब पानी नहीं, ज़हर बहा रही हैं। अवैध सोने की खदानों से पारा नदी में घुल गया, जो गर्भस्थ शिशुओं के लिए घातक साबित हो रहा है। मुंडुरुकु समुदाय की नेता एलेसेंड्रा कोराप ने दर्द भरी आवाज़ में कहा, मां का दूध अब पवित्र नहीं रहा। साई सिन्जा गांव में तीन साल की रैनी केटलेन पारे की पहली शिकार बनी। उसकी मांसपेशियां इतनी ऐंठ गईं कि सिर तक नहीं उठा पाती। क्षेत्र के 36 पीड़ितों में अधिकांश बच्चे हैं, जिन्हें न्यूरोलॉजिकल विकार हो गए। रैनी के पिता रोसील्टन सॉ खनिक हैं, परिवार के लकड़ी के एक कमरे वाले घर में बुजुर्ग रोसेनिल्डो बताते हैं- खतरा पता था, फिर भी मजबूरी में खनन। हर हफ्ते 30 ग्राम सोना निकालकर गुज़ारा मुश्किल से होता है। परिवार मुख्य भोजन 'सुरुबिम' मछली खाता है, जो बियोम नदी में पारा जमा करती है। पिछले वर्षों में सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों ने दर्जनों समान मामलों की रिपोर्ट दी, लेकिन जांच व चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी से सटीक कारण पता लगाना असंभव। एक स्थानीय नर्स कहती हैं, स्वास्थ्य निर्देशों के बावजूद मछली छोड़ नहीं सकते, वरना भूखे मर जाएंगे।

परदादा के 100-200 साल पुराने कपड़े पहनता हैं युवक

लंदन, 04 नवंबर (एजेंसियां) ।

ब्रिटिश शख्स जैक पिन्सेंट ने विंटेज फैशन को अपना जीवन बना लिया है। यह युवक बगैर किसी की परवाह किए सिर्फ अपने परदादा के 100-200 साल पुराने कपड़े पहनता हैं विक्टोरियन स्टाइल के कोट, वेस्टकोट और बूट्स। जींस, टीशर्ट या मॉडर्न कैजुअल वियर से उन्हें सख्त नफरत है।

उनका मानना है कि ये कपड़े ना केवल असुविधाजनक हैं, बल्कि आत्मा को व्यक्त करने का मौका भी नहीं देता है। कुछ समय पहले जैक पिन्सेंट पर बनी एक छोटी सी शॉर्ट फिल्म वायरल हो गई, जिसमें जैक अपनी कहानी बयान करते दिखे। क्लिप में वे कहते दिखे कि लोग उन्हें घूरते हैं, लेकिन ये उनकी पहचान है।

इस वीडियो ने यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टिकटॉक पर करोड़ों व्यूज बटोर लिए और जैक का मैसेज—सेल्फ एक्सेप्टेंस, सेल्फ एक्सप्रेशन और काइंडनेस दुनिया भर में गूंज गया। जैक पिन्सेंट, जो पिन्सेंट टेलरिंग के नाम से इंस्टाग्राम पर सक्रिय हैं, लंदन में रहते हैं। उनकी जिंदगी 18वीं-19वीं शताब्दी के फैशन के इर्द-गिर्द घूमती है। परदादा के वार्डरोब से मिले कपड़ों को वे संभालकर रखते हैं। कुछ को रिस्टोर करवाया है तो कुछ को खुद सिलवाया है। 'मॉडर्न क्लोथिंग फास्ट फैशन का शिकार है, जो पर्यावरण नुकसान पहुंचाती,' वे कहते नजर आए। वे जींस को 'बेकार और बोरिंग' मानते हैं जबकि टीशर्ट को 'स्लॉपी' कहते हैं। इसके बजाय वे सिल्क टाई, वूलन कोट और लेदर बेल्ट पसंद करते हैं। जब भी वो बाहर निकलते हैं, लोग पलट-पलटकर देखते हैं। कभी हंसते हैं तो कभी सवाल पूछते हैं। अपने कपड़ों की वजह से जैक पिन्सेंट को कई तरह की स्थितियों का सामना करना पड़ता है।

रूस ने लॉन्च की परमाणु ऊर्जा चलित पनडुब्बी खाबरोवस्क, अमेरिका समेत नाटो देशों में हलचल

मास्को, 04 नवंबर (एजेंसियां) ।

रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने भारी परमाणु ऊर्जा चलित पनडुब्बी खाबरोवस्क लॉन्च की। यह पनडुब्बी पोसेइडॉन नामक परमाणु ड्रोन से लैस है, जिसे 'डूम्सडे मिसाइल' भी कहा जाता है क्योंकि यह तटीय देशों को पूरी तरह नष्ट करने की क्षमता रखती है। इस कार्यक्रम में रूसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेव और अन्य वरिष्ठ रक्षा अधिकारी मौजूद थे। बेलौसोव ने कहा कि आज हमारे लिए एक अहम घटना है। भारी परमाणु ऊर्जा चालित मिसाइल क्रूजर खाबरोवस्क का प्रसिद्ध सेवमाश से प्रक्षेपण किया जा रहा है। सेवेरोडविंस्क स्थित सेवमाश शिपयार्ड वही सुविधा है जहां कभी भारत के विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य का नवीनीकरण किया गया था।

मीडिया रिपोर्ट में रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक खाबरोवस्क पनडुब्बी को एक प्रमुख

नौसैनिक इंजीनियरिंग फर्म, रुबिन डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया है। यह पनडुब्बी रूस की समुद्री सीमाओं और हितों की सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए आधुनिक अंडरवाटर हथियारों और रोबोटिक प्रणालियों से लैस है। अधिकारियों ने कहा कि यह पोत वैश्विक जलक्षेत्र में रूस की सुरक्षा बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। इस पनडुब्बी में परमाणु ऊर्जा से चलने वाले पोसाइडन ड्रोन भी होने की उम्मीद है, जिन्हें रूस के सबसे उन्नत और गुप्त हथियारों में से एक माना जाता है।

पोसाइडन एक पानी के नीचे चलने वाला ड्रोन है जो एक छोटे परमाणु रिएक्टर से संचालित होता है, जैसा कि राष्ट्रपति पुतिन ने हाल ही में बताया था कि यह एक सामान्य परमाणु पनडुब्बी के रिएक्टर से 100 गुना छोटा है। रूसी मीडिया के मुताबिक यह ड्रोन बहुत गहराई और लंबी अंतरमहाद्वीपीय दूरियों तक यात्रा कर सकता है और अधिकांश पनडुब्बियों या टॉरपीडो से भी तेज़ गति से चलता है।

सुरक्षा परिषद के उप-अध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने इसे प्रलय का दिन मिसाइल कहा है, जबकि रूस की ड्यूमा रक्षा समिति के प्रमुख आंद्रेई कार्तपोलोव ने दावा किया कि पोसाइडन पूरे तटीय देशों को मिटा सकता है। खाबरोवस्क का प्रक्षेपण रूस द्वारा पोसाइडन ड्रोन के सफल परीक्षण की पुष्टि के कुछ ही दिनों बाद हुआ है। खाबरोवस्क समेत नई पनडुब्बी श्रेणी भविष्य में पोसाइडन ड्रोन का मुख्य वाहक बनने की उम्मीद है। सैन्य विश्लेषकों ने पोसाइडन प्रणाली को एक संभावित रणनीतिक निवारक बताया है, जिसका इस्तेमाल अगर कभी किया गया तो यह विनाशकारी क्षति पहुंचाने में सक्षम है, क्योंकि यह तटीय शहरों को निशाना बनाकर रेडियोधर्मी सुनामी उत्पन्न कर सकती है।

अब अगले साल ही मैदान पर उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली, 04 नवंबर (एजेंसियां) ।

आईसीसी एकदिवसीय महिला विश्वकप जीतने वाली भारतीय टीम अब अगले साल की शुरुआत में ही मैदान में उतरेगी। ऐसे में उसकी खिलाड़ियों के पास जीत का जश्न मनाने के साथ ही खेल से ब्रेक लेने का भी अच्छा समय है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार खिताब जीता है। भारतीय टीम को अब फरवरी 2026 में ही ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक टेस्ट मैच खेलना है। इस दौरे की शुरुआत टी20 सीरीज से होगी। इसके बाद एकदिवसीय और टेस्ट सीरीज रखी गयी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच पहला टी20 मैच 15 फरवरी को सिडनी में खेला जाएगा। वहीं सीरीज का दूसरा टी20 मैच 19 को कैनबरा में जबकि आखिरी टी20 मैच 21 फरवरी को एडिलेडे में होगा। टी20 के बाद एकदिवसीय सीरीज 24 फरवरी से बिस्ब्रेन में शुरु होगी। वहीं दूसरा एकदिवसीय 27 फरवरी जबकि तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच एक मार्च को होबार्ट में खेला जाएगा। इसके बाद 6 मार्च से पर्थ में खेला जाएगा । ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद भारतीय महिला टीम इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। टीम मई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इसमें उसे 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज का आयोजन 28 मई से 2 जून तक होगा। इसके बाद टीम इंडिया को टी20 विश्व कप में खेलना है ।

यशस्वी ने रणजी में शतक के साथ ही पूरे किये 1000 रन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज यशस्वी आजकल रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं। यशस्वी ने रणजी में मुंबई की ओर से शतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यशस्वी ने रणजी में अपना पांचवां शतक लगाने के साथ ही घरेलू क्रिकेट में 1000 रन भी पूरे किये हैं। यशस्वी ने राजस्थान के खिलाफ जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में मुंबई की ओर से दूसरी पारी में शतक लगाया। राजस्थान की टीम ने अपनी पहली पारी 617/7 का विशाल स्कोर बनाने के बाद घोषित की थी। वहीं मुंबई ने पहली पारी में 254 रन बनाए थे। पहली पारी में पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में मुंबई के लिए पारी की शुरुआत करते हुए यशस्वी ने 120 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से शतक लगाया। इस मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया था और वह 67 रनों पर आउट हुए थे। वहीं राजस्थान की ओर से दीपक हुड्डा ने 248 और कार्तिक शर्मा ने 139 रन बनाये थे। यशस्वी के शतक से टीम हार से बची हुई है। यशस्वी ने शतक के साथ ही रणजी में अपने 1000 रनों का आंकड़ा भी हासिल कर लिया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका ये 17वां शतक है, क्योंकि 7 शतक उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में हैं। 5 शतक रणजी ट्रॉफी में और 5 अन्य फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय ऑफ स्पिनर आर. अश्विन घुटने की चोट के कारण बिग बैश लीग से बाहर

नई दिल्ली। बिग बैश लीग का नया सीज़न 14 दिसंबर से शुरू होने वाला है। भारतीय ऑफ स्पिनर आर.

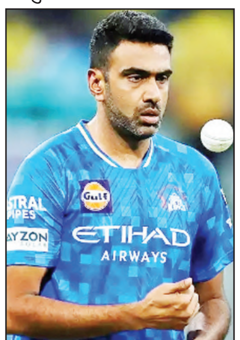

अश्विन आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) सीज़न से बाहर हो गए हैं। चेन्नई में टूर्नामेंट की तैयारी के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई, जिसके चलते उन्हें एक सर्जरी करानी पड़ी। अश्विन ने इस बारे में मंगलवार को सोशल मीडिया पर जानकारी दी। अश्विन ने ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए लिखे संदेश में कहा, 'मैं इस टीम का हिस्सा बनने और आपके सामने खेलने को लेकर बहुत उत्साहित था। फिलहाल मेरा पूरा ध्यान रिहैब, रिकवरी और मजबूत वापसी पर है। क्लब के साथ पहली बातचीत से ही मुझे स्टाफ, खिलाड़ियों और प्रशंसकों से बहुत स्नेह मिला। आप सबने मुझे घर जैसा महसूस कराया, इसके लिए धन्यवाद।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं सभी मैचों को देखूंगा और हमारी पुरुष व महिला दोनों टीमों का समर्थन करूंगा। अगर रिहैब और यात्रा की स्थिति ठीक रही, और डॉक्टरों की अनुमति मिली, तो मैं सीज़न के अंत में टीम से मिलने की कोशिश करूंगा — कोई वादा नहीं, लेकिन यही इरादा है।' 39 वर्षीय अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और इस साल अगस्त में आईपीएल से संन्यास लिया था। वह इस बार सिडनी थंडर के लिए खेलने वाले थे। यह उनका पहला बीबीएल सीज़न होने वाला था।

राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित: जितेश शर्मा कप्तान, वैभव सूर्यवंशी को मिला मौका

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को राइजिंग स्टार एशिया कप के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी। विकेटकीपर–बल्लेबाज जितेश शर्मा को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि पंजाब के ऑलराउंडर नमन धीर उपकप्तान होंगे। वहीं, युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को भी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 14 से 23 नवंबर तक कतर में खेला जाएगा। भारत को ग्रुप बी में ओमान, यूएई और पाकिस्तान ए के साथ रखा गया है। टीम 14 नवंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। मुकाबले वेस्ट एंड इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, दोहा में खेले जाएंगे। वहीं, ग्रुप ए में बांग्लादेश ए, हांगकांग, अफगानिस्तान ए और श्रीलंका ए की टीमें होंगी। भारत ए की पूरी टीम इस प्रकार है: प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, नहल वडेरा, नमन धीर (उपकप्तान), सुर्यांश शेजगे, जितेश शर्मा (कप्तान/विकेटकीपर), रमनदीप सिंह, हर्ष दुबे, आशुतोष शर्मा, यश ठाकुर, गुरजपनीत सिंह, विजय कुमार वैषक, युधवीर सिंह चरक, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), सुयश शर्मा। स्टैंडबाय खिलाड़ी: गुरनूर सिंह बरार, कुमार कुशाग्र, तनुष कोटियन, समीर रिजवी, शेख राशिद।

टिम सीफर्ट उंगली की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर–बल्लेबाज टिम सीफर्ट आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी दाहिनी तर्जनी उंगली में फ्रैक्चर हुआ है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को प्रेस रिलीज़ जारी कर इसकी पुष्टि की। सीफर्ट नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से फोर्ड ट्रॉफी में वेलिंगटन फायरबर्ड्स के खिलाफ बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हो गए थे। बाद में स्कैन में उनकी उंगली में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने सीफर्ट की चोट पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'हम सभी टिम के लिए दुखी हैं। वह हमारी टी20 टीम के अहम सदस्य हैं। शीर्ष क्रम पर उनकी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग दोनों ही टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उम्मीद है कि वह जल्द स्वस्थ होकर मैदान पर लौटेंगे।' सीफर्ट की जगह मिच हाय को टीम में शामिल किया गया है। हाय अब तक न्यूजीलैंड के लिए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और उनके नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सबसे ज्यादा 6 डिसमिसल्स का विश्व रिकॉर्ड भी है। कोच वॉल्टर ने कहा, 'मिच ने अब तक अपने सीमित अंतरराष्ट्रीय मौकों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

प्रीमियर लीग हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए गैरी नेविल और ईडन हज़ार्ड

लंदन

लंदन,04 नवंबर (एजेंसियां) ।

गैरी नेविल और बेल्जियम के पूर्व स्टार ईडन हज़ार्ड को प्रीमियर लीग हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने की घोषणा की।

हॉल ऑफ फेम का उद्देश्य 1992 में लीग की स्थापना के बाद से असाधारण सफलता हासिल करने वाले और लीग में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले खिलाड़ियों और प्रबंधकों को सम्मानित करना है। केवल वे खिलाड़ी और मैनेजर चुने जा सकते हैं जो फुटबॉल से संन्यास ले चुके हों।

इस वर्ष नेविल और हज़ार्ड को 24 मौजूदा हॉल ऑफ फेम सदस्यों के मतदान से चुना गया। अन्य प्रमुख सदस्यों में सर एलेक्स फर्ग्यूसन, आर्सेन वेंगर, पॉल स्कोल्स, डेनिस बर्गकैंप, विन्सेंट कंपनी और डिडिएर ड्रोग्बा जैसे महान खिलाड़ी शामिल हैं।

गैरी नेविल ने अपने चयन पर खुशी जाहिर करते हुए एक बयान में कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। जब आप उन नामों को सुनते हैं जो पहले से इस सूची में शामिल हैं — फुटबॉल के दिग्गज — तो उनके साथ होना बहुत खास है। मैंने हमेशा मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की और यह सम्मान मेरे लिए गर्व का पल है।'

वहीं, ईडन हज़ार्ड ने कहा, 'मेरे लिए, जो बेल्जियम के एक छोटे शहर ब्रेन–ले–कॉम्ट से हूं और जिसने सिर्फ म ो के लिए फुटबॉल खेलना शुरू किया, यह सम्मान अविश्वसनीय है। प्रीमियर लीग हॉल ऑफ फेम में शामिल होना एक सपना जैसा है। यह उपलब्धि मेरे परिवार, साथियों, प्रशंसकों और दोस्तों सभी की है।'

गैरी नेविल का करियर

गैरी नेविल ने अपना पूरा करियर मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ बिताया। वे क्लब के स्वर्ण युग का अहम हिस्सा रहे और अपनी लीडरशिप, समझदारी और निरंतरता के लिए प्रसिद्ध थे।

नेविल ने 1992 से 2011 तक यूनाइटेड के लिए 400 प्रीमियर लीग मैच खेले, 100 से अधिक क्लीन शीट्स दर्ज कीं और 35 असिस्ट दिए।

उन्होंने अपने करियर में 8 प्रीमियर लीग खिताब जीते, जिनमें 1998/99 का ऐतिहासिक ट्रेबल (प्रीमियर लीग, एफए कप और यूएफा चैंपियंस लीग) शामिल है।

उनके कोच सर एलेक्स फर्ग्यूसन ने कहा, 'गैरी की लंबी और सफल यात्रा – 14 साल की उम्र में यूनाइटेड की युवा टीम से लेकर इंग्लैंड टीम तक – उन्हें इस सम्मान का सही हकदार बनाती है।'

ईडन हज़ार्ड का करियर

ईडन हज़ार्ड ने 2012 में लिले से चेल्सी में शामिल होकर प्रीमियर लीग में धमाकेदार शुरुआत की। उन्होंने चेल्सी के लिए 245 मैचों में 85 गोल और 54 असिस्ट किए। 2014/15 सीज़न में उन्होंने 14 गोल और 9 असिस्ट के साथ टीम को खिताब दिलाया और उस वर्ष प्रीमियर लीग प्लेयर ऑफ द सीज़न, पीएफए प्लेयर्स' प्लेयर ऑफ द ईयर, और फुटबॉल राइटर्स' प्लेयर ऑफ द ईयर का तिहरा सम्मान जीता। उन्होंने 2016/17 में भी चेल्सी को दूसरी बार लीग चैंपियन बनाया। हज़ार्ड चार बार क्क्ष टीम ऑफ द ईयर में शामिल हुए और 2019 में प्रीमियर लीग को अलविदा कहा। उनके पूर्व कोच जोसे मोरिन्हो ने कहा, 'ईडन, तुम्हें इस सूची में शामिल होते देख मुझे बहुत गर्व है। तुम उन सबसे अद्भुत खिलाड़ियों में से एक हो जिनके साथ मैंने काम किया है, और तुम्हारा वहां होना पूरी तरह योग्य है।' दोनों खिलाड़ियों को औपचारिक रूप से 4 नवंबर 2025 को आयोजित हॉल ऑफ फेम कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। प्रत्येक सम्मानित व्यक्ति को उनके नाम से अंकित पदक और 10,000 (लगभग 10 लाख रुपये) की राशि उनके पसंदीदा चैरिटी संगठन को दान के रूप में दी जाएगी। बता दें कि प्रीमियर लीग हॉल ऑफ फेम की शुरुआत 2021 में हुई थी। पहले साल डेविड बेकहम, डेनिस बर्गकैंप, एरिक कैंटोना, थिएरी ऑनरी, रॉय कीन, फ्रैंक लैम्पार्ड, स्टीवन जेरार्ड और एलन शीयरर को शामिल किया गया था। इसके बाद सर्जियो अगुएरो, डिडिएर ड्रोग्बा, वेन रूनी, विंसेंट कंपनी, पॉल स्कोल्स, पैट्रिक विएरा, और इयान राइट को स्थान मिला। 2023 में सर एलेक्स फर्ग्यूसन और आर्सेन वेंगर पहले प्रबंधक के रूप में शामिल हुए। पिछले साल एश्ले कोल, एंडी कोल, और जॉन टेरी को यह सम्मान मिला था।

धर्मशाला में शुरू हुई 40वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 एथलेटिक्स प्रतियोगिता

धर्मशाला,04 नवंबर (एजेंसियां) ।

धर्मशाला में हिमाचल स्कूल खेल संगठन एवं स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 40वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 वार्षिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता मंगलवार को शुरू हुई। प्रतियोगिता का शुभारंभ उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने किया। धर्मशाला के सिंथेटिक एथलैटिक्स ट्रैक मैदान में प्रतियोगिता की शुरुआत सरस्वती वंदना और ध्वजारोहण के साथ हुई।

इस अवसर पर उपायुक्त हेमराज बैरवा ने कहा कि धर्मशाला को इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता की मेजबानी करने का अवसर मिलना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों से आए बच्चे न केवल अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे बल्कि उन्हें इस क्षेत्र की संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य को भी देखने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि ऐसे खेल आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। केवल किताबी शिक्षा पर्याप्त नहीं होती, बल्कि खेल बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। यह प्रतियोगिताएं न केवल राज्य स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देते हैं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिभाओं की पहचान करने में भी सहायक होती हैं।

उन्होंने कहा कि खेल अब जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं और यह आवश्यक है कि स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम में खेल गतिविधियों को प्रमुखता दी जाए, ताकि बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ–साथ रचनात्मक और शारीरिक रूप से सक्रिय बने रहें।

प्रदेशभर से 450 खिलाड़ी ले रहे हैं भाग

इस प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी 12 जिलों से लगभग 450 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता 4 से 7 नवम्बर 2025 तक चार दिनों तक चलेगी, जिसमें प्रारंभिक दो दिन लड़कों की स्पर्धाएं तथा अगले दो दिन लड़कियों की स्पर्धाएं आयोजित होंगी। स्पर्धाओं में शॉट पुट, डिस्कस थ्रो, 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 400 मीटर रिले दौड़, हाई जंप, लांग जंप और कुरैश प्रतियोगिता शामिल हैं।

जैक लीच ने सॉमरसेट के साथ करार बढ़ाया, ईसीबी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हुए बाहर

लंदन। इंग्लैंड के स्पिनर जैक लीच ने अपने काउंटी क्लब समरसेट के साथ नया करार किया है। उन्होंने यह फैसला तब लिया जब उन्होंने खुलासा किया कि इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज़ कर दिया है। लीच ने अब तक इंग्लैंड के लिए 39 टेस्ट मैच खेले हैं। उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच पिछले साल पाकिस्तान दौरे पर था। इस सीज़न में वे काउंटी चैम्पियनशिप में 50 विकेट लेने वाले एकमात्र स्पिनर रहे, लेकिन इसके बावजूद इंग्लैंड टीम में उनकी जगह अब विल जैक्स को बैकअप स्पिनर के तौर पर चुना गया है। लीच 2021–22 सीज़न से ईसीबी के साथ सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में थे, लेकिन अब वे अपने होम क्लब समरसेट के साथ ही खेलना जारी रखेंगे। समरसेट ने सोमवार को घोषणा की कि लीच ने अपना करार दो साल बढ़ाकर 2028 तक कर लिया है। इंग्लैंड ने अभी तक 2025–26 सीज़न के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की घोषणा नहीं की है, लेकिन लीच ने बातचीत में बताया कि उन्हें मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने सूचित किया था कि उनका कॉन्ट्रैक्ट नवीनीकृत नहीं किया जाएगा। लीच ने एक बयान में कहा कहा, 'मेरा कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था, और रॉब की ने मुझे बताया कि मुझे एशेज़ स्क्वॉड में भी शामिल नहीं किया जाएगा। यह मेरे लिए बहुत निराशाजनक था क्योंकि यही मेरा लक्ष्य था। अब मैं खुद को बेहतर बनाने और दोबारा टीम में जगह बनाने की कोशिश करूंगा।

द. अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस चोट से पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां) ।

दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव (शोल्डर मसल स्ट्रेन) की शिकायत है, जो उन्हें शनिवार को लाहौर में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले के दौरान लगी थी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने फिलहाल ब्रेविस के स्थान पर किसी विकल्प खिलाड़ी का ऐलान नहीं किया है।

22 वर्षीय यह बल्लेबाज़ अब पाकिस्तान में ही रहकर रीहैब (पुनर्वास प्रक्रिया) से गुजरेगा। इसके बाद टीम भारत दौरे पर जाएगी, जिसमें दो टेस्ट, तीन वनडे और पांच टी20 मुकाबले शामिल हैं। ब्रेविस ने पाकिस्तान दौरे पर खेले गए सभी मैचों में हिस्सा लिया था, लेकिन उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा। उन्होंने टेस्ट और टी20 मिलाकर छह पारियों में सर्वाधिक 54 रन बनाए, जो गद्दाफी स्टेडियम में दूसरी पारी में आया था।

वनडे करियर की बात करें, तो अब तक खेले छह मैचों में उनके नाम 110 रन हैं, जिसमें सर्वश्रेष्ठ स्कोर 49 है। इसके बावजूद ब्रेविस को दक्षिण अफ्रीका का भविष्य का सितारा माना जाता है। ब्रेविस की चोट से दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम और कमजोर हो गई है। टीम ने पहले से ही अपने प्रमुख ऑल–फॉर्मेट खिलाड़ियों जैसे एडन मार्करम और कगिसो रबाडा को आराम दिया है। वहीं, तेज गेंदबाज़ क्वेना मफाका और एनरिख नॉर्टजे पहले ही चोट के कारण बाहर हैं। इस सीरीज़ में मैथ्यू ब्रीट्ज़के कप्तानी करेंगे, जिन्होंने इसी साल वनडे डेब्यू किया था। वह अनुभवी क्विंटन डी कॉक पर काफी हद तक निर्भर रहेंगे, जो अपनी वनडे से संन्यास वापसी के बाद पहली बार 50 ओवर क्रिकेट खेलेंगे।

महिला वनडे विश्व कप की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' घोषित, मंधाना सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां) ।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' की घोषणा हो गई है, जिसकी कप्तान दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट को बनाया गया है। इस 12 सदस्यीय टीम में भारत की स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा को शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कप्तान वोल्वार्ड्ट के साथ मारिजान काप और नादिन डी क्लर्क का चयन हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया से एश्ले गार्डनर, एनेबल सदरलैंड और अलाना किंग को जगह मिली है। इंग्लैंड की नेट सिवर–ब्रंट और सोफी एक्लेस्टोन तथा पाकिस्तान की विकेटकीपर सिद्रा नवाज टीम को पूरा करती हैं।

भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

भारत की तीन खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। दीप्ति शर्मा ने 22 विकेट लेकर टूर्नामेंट की सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। फाइनल में उनके 5 विकेट ने भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। स्मृति मंधाना ने 434 रन बनाए, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक भी शामिल है। जेमिमा रॉड्रिग्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन बनाकर टीम को फाइनल में पहुंचाया।

अन्य देशों का प्रदर्शन

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट 571 रनों के साथ टूर्नामेंट की सर्वाधिक रन स्कोरर रहीं, जिसमें सेमीफाइनल और फाइनल में लगातार शतक शामिल हैं। उनकी साथी मारिजान काप ने 12 विकेट लिए और दो अर्धशतक जड़े। नादिन डी क्लर्क ने भारत के खिलाफ 84 नाबाद रन बनाए और 9 विकेट भी लिए। ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग ने इतिहास रचते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 7/18 का स्पेल डाला — जो महिला विश्व कप इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। एनेबल सदरलैंड ने 17 विकेट और 98* रन बनाए, जबकि एश्ले गार्डनर ने दो शतक और 7 विकेट हासिल किए। पाकिस्तान की सिद्रा नवाज ने विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 कैच और 4 स्टंपिंग किए। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने 16 विकेट झटके, जबकि कप्तान नेट सिवर–ब्रंट (262 रन, 9 विकेट) को 12वें खिलाड़ी के रूप में चुना गया।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट'

स्मृति मंधाना (भारत), लौरा वोल्वार्ड्ट (द. अफ्रीका) (कप्तान),जेमिमा रॉड्रिग्स (भारत), मारिजान काप (द. अफ्रीका), एश्ले गार्डनर (ऑस्ट्रेलिया), दीप्ति शर्मा (भारत), एनेबल सदरलैंड (ऑस्ट्रेलिया), नादिन डी क्लर्क (द. अफ्रीका), सिद्रा नवाज (पाकिस्तान) (विकेटकीपर), अलाना किंग (ऑस्ट्रेलिया), सोफी एक्लेस्टोन (इंग्लैंड), नेट सिवर–ब्रंट (इंग्लैंड) 12वीं खिलाड़ी।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत और रोमानिया ने मजबूत व्यापार और निवेश संबंधों पर चर्चा की

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)। **केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को बुखारेस्ट में रोमानिया की विदेश मंत्री ओआना-सिल्विया त्सोइउ के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला सहयोग को और गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।**

जितिन प्रसाद ने रोमानिया की विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक की

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक मंत्रियों ने इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच स्थिर व्यापार और निवेश संबंधों की समीक्षा की गई। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने इस वर्ष चल रही वार्ताओं के लिए निर्धारित राजनीतिक दिशा के अनुरूप निष्पक्ष, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों पक्षों ने इस बैठक के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग सामग्रियों, दवाइयों और सिरेमिक जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आपूर्ति-श्रृंखला से जुड़े संबंधों को और बढ़ाने तथा दोनों पक्षों की बाज़ार तक पहुंच में वृद्धि के लिए मानकों के निर्माण, परीक्षण और निवेश साझेदारी में सहयोग को सुगम बनाने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने उत्पादन में विविधता लाने तथा विश्वसनीय साझेदारों के रूप में मज़बूत और अधिक सामर्थ्यवान आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमति व्यक्त की ताकि दोनों देशों के व्यवसायों में स्थिरता आए और आपसी विश्वास सुनिश्चित हो सके।

भारत और रोमानिया के नेतृत्व के बीच हाल ही में हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के आधार पर दोनों पक्ष नियमित रूप से विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से इस तरह की बातचीत में गति बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में रोमानिया को भारत का निर्यात 1.03 अरब अमेरिकी डॉलर के पार चला गया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 2.98 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद भारत और रोमानिया के बीच आर्थिक सहयोग के लिए संयुक्त समिति (जेसीईसी) की 19वीं बैठक में भाग लेने के लिए रोमानिया सरकार के निमंत्रण पर बुखारेस्ट की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

डीजीसीए एयरलाइंस कंपनियों के साथ मासिक समीक्षा बैठकें करेगा

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से अगले तीन दिनों तक विभिन्न एयरलाइंस कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया और इंडिगो के लिए समीक्षा बैठकें होंगी। बैठक में समय पर कार्य निष्पादन, उड़ान की समय-सीमाएं, ग्राहक शिकायतों का निवारण तथा एयरलाइनों को संचालन के दौरान आने वाली चुनौतियों सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। हाल के दिनों में विमानन कंपनियों को बम की झूठी धमकियों, विमानों में तकनीकी समस्याओं, उड़ानों के रद्द होने और देरी आदि समस्याओं का सामना करना पड़ा है। डीजीसीए नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में एक नियामक संस्था है, जो मुख्य रूप से सुरक्षा संबंधी मुद्दों से निपटती है। ये घरेलू हवाई परिवहन सेवाओं के विनियमन और नागरिक हवाई नियमों, हवाई सुरक्षा और उड़ान योग्यता मानकों के प्रवर्तन के लिए ज़िम्मेदार है।

इंडिगो के पूर्व सीओओ संजय कुमार को स्पाइसजेट ने कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

नई दिल्ली। बजट एयरलाइंस कपनी स्पाइसजेट ने अनुभवी विमानन पेशेवर एवं इंडिगो के पूर्व मुख्य रणनीति एवं राजस्व अधिकारी संजय कुमार को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। स्पाइसजेट ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि रणनीतिक विकास, परिवर्तन और विस्तार योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए संजय कुमार को 3 नवंबर से कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। कुमार कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी भूमिका में एयरलाइंस की रणनीतिक पहलों का नेतृत्व करेंगे। वह सीधे विमान कंपनी स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह के अधीन काम करेंगे। कंपनी ने बताया कि सोमवार को कार्यभार संभालने वाले कुमार सीधे स्पाइसजेट के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह को रिपोर्ट करेंगे। संजय कुमान ने इंडिगो में 12 वर्षों तक मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी और तीन वर्षों तक मुख्य रणनीति एवं राजस्व अधिकारी के रूप में कार्य किया।

भारत ने छत्तीसगढ़ से कोस्टा रिका को फोर्टिफाइड चावल कर्नेल की पहली खेप भेजी

नई दिल्ली। भारत के पोषण और निर्यात अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित स्पंज एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड ने कोस्टा रिका को 12 टन फोर्टिफ इड राइस कर्नेल (एफआरके) की पहली खेप का निर्यात किया गया है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने वर्चुअल फ्लैग-ऑफ के जरिए इस उपलब्धि को हासिल करने में शामिल निर्यातकों और हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारत से फोर्टिफाइड चावल का निर्यात न केवल देश के कृषि-निर्यात पोर्टफोलियो को मज़बूत करता है, बल्कि विज्ञान-आधारित और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खाद्य समाधानों के माध्यम से कुपोषण को दूर करने की हमारी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करता है। अभिषेक देव ने फोर्टिफाइड और मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों के लिए बाजारों के विस्तार में निर्यातकों को एपीडा के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने निर्यातकों और हितधारकों को बधाई दी उन्होंने कहा कि ये पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी कार्यक्रम, 'कुपोषण मुक्त भारत' के अनुरूप है, जिसे पोषण अभियान के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पूरे देश में फोर्टिफाइड चावल वितरित कर रहा है। देव ने कहा कि फोर्टिफाइड राइस कर्नेल का निर्यात भारत के घरेलू पोषण मिशन को वैश्विक पहुंच के साथ एकीकृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। छत्तीसगढ़ चावल निर्यातक संघ (टीआरईए-सीजी) के अध्यक्ष मुकेश जैन ने खेप की सुविधा के लिए एपीडा द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में नए गंतव्यों को एफआरके के निर्यात की योजना बनाई जा रही है।

श्रीजी ग्लोबल का आईपीओ लॉन्च 7 नवंबर तक लगा सकते हैं बोली

12 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)।

श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड का 85 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 125 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2.50 लाख रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 68 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं।

आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 3 नवंबर सोमवार को श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड ने 5 एंकर इनवेस्टर्स से 14.53 करोड़ रुपये जुटाए। इन एंकर इनवेस्टर्स में क्राफ्ट इमर्जिंग मार्केट फंड सबसे बड़ा इनवेस्टर रहा। इसने कंपनी से 3.20 लाख शेयर खरीदे। इसके अलावा, बीकॉन स्टोन कैपिटल, चाणक्या अपॉर्च्यूनिटी फंड, इनक्यूब ग्लोबल अपॉर्च्यूनिटीज और सीटाडेल कैपिटल फंड जैसे नाम भी एंकर बुक में शामिल हुए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 28.50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 46.56 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 19.94 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए इंटरैक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है। वहीं, एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। जबकि एसवीसीएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड और बीएन राठी सिक्योरिटीज लिमिटेड कंपनी के मार्केट मेकर हैं।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.05 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.47 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 12.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 9.20 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 468.70 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 588.99 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 650.85 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 में कंपनी को 251.18 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 19 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 25.51 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 30.45 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ थोड़ा कम होकर 29.55 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 4.74 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 11.71 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 13.60 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 तक ये 22.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2022-23 में 4 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 10.92 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 20.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 तक ये 13.83 करोड़ रुपये के स्तर पर रहा।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला ग्रो का पब्लिक इश्यू, 12 नवंबर को होगी लिस्टिंग

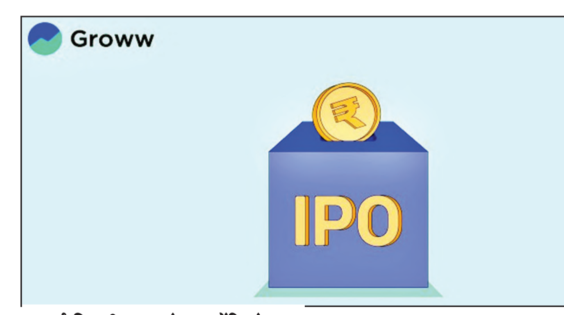

नई दिल्ली,04 नवंबर (एजेंसियां)।

स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियन ब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 3 नवंबर को कंपनी ने 100 से अधिक एंकर इनवेस्टर्स से 2,984.54 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन एंकर इनवेस्टर्स को 100 रुपये प्रति शेयर की दर से 29.84 करोड़ इक्विटी शेयर आवंटित किया गया है। जिन एंकर इनवेस्टर्स ने ग्रो के आईपीओ में बोली लगाई है, उनमें एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, सिंगापुर गवर्नमेंट, कोटक म्यूचुअल फंड, गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल, एसबीआई म्यूचुअल फंड, अबू धाबी इनवेस्टमेंट अथॉरिटी, गोल्डमैन सैक्स, एक्सिस म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, मिराए एसेट म्यूचुअल फंड, टाटा म्यूचुअल फंड, मॉर्गन स्टैनली, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

ग्रो के प्लेटफॉर्म के जरिए म्यूचुअल फंड्स, शेयर, फ्यूचर्स एंड ऑप्शंसस, इक्विटी ट्रेडेड फंड्स, आईपीओ, डिजिटल गोल्ड और अमेरिकी स्टॉक्स में निवेश किया जा सकता है। साल 2016 में शुरू हुए ग्रो प्लेटफॉर्म के पास फिलहाल 1.4 करोड़ से ज्यादा एक्टिव रिटेल इनवेस्टर हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तैयार है का...

आतंकी राणा सैफुल्लाह का बहावलपुर से एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें वह गजवा-ए-हिंद के लिए आतंकियों को तैयार कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर-2 को लेकर रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर-2 की तैयारी का मकसद हमला करना नहीं बल्कि हमला रोकना है, जिससे पाकिस्तान या आसपास का कोई भी देश भारत पर बुरी नजर नहीं रख सके। विशेषज्ञों ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी ताकत दिखाई थी और अब पूरे सामरिक सामर्थ्य से ऑपरेशन सिंदूर-2 की भी तैयारी हो चुकी है।

चुनाव आयोग...

याचिका पर इसी सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है।

एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होते ही पश्चिम बंगाल में राजनीतिक पारा चरम पर चढ़ गया है। सत्ताधारी पार्टी टीएमसी इसके विरोध में सड़कों पर उतर आई है। बंगाल के विपक्षी दल भाजपा का दावा है कि अवैध घुसपैठियों को मतदाता सूची में शामिल करके बंगाल की डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) को सुनियोजित तरीके से बदला जा रहा है। सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा बंगाली प्रवासियों को बांग्लादेशी बताकर बंगाल के खिलाफ झूठी खबरें फैला रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के ज़रिए बंगाल के मतदाताओं को डराने की कोशिश कर रही है। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा वोटों के दम पर नहीं, बल्कि नोटों के दम पर चुनाव जीतना चाहती है। एसआईआर के विरोध में निकाली गई रैली में बोलते हुए सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र को चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि अगर बंगाल में मतदाता सूची से एक भी योग्य मतदाता का नाम हटाया गया, तो हम भाजपा सरकार का पतन सुनिश्चित करेंगे।टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि एसआईआर की घोषणा के बाद, इसके कारण जितने लोगों की जान गई, हम आज उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। आज हमने एसआईआर के खिलाफ विरोध रैली में भाग लिया। आज की भीड़ देखकर भाजपा को सोचना चाहिए कि अगर हम दो दिनों में इतनी बड़ी भीड़ जुटा सकते हैं, तो जब हम अपने विरोध प्रदर्शन के लिए दिल्ली जाएंगे तो हमारी भीड़ कितनी होगी। उन्होंने दावा किया कि पिछले सात दिनों में एसआईआर के डर से मरने वालों के परिवार के सदस्य आज की रैली में हमारे साथ मौजूद हैं। अब अगले गंतव्य, दिल्ली की तैयारी करें। हम दिल्ली में एसआईआर के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं।वहीं, पश्चिम बंगाल भाजपा के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने एसआईआर को लेकर कहा कि अगर ममता बनर्जी को कुछ कहना है तो वे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती हैं। राज्य में अराजकता का माहौल है और कानून व्यवस्था ध्वस्त है। चाहे आरजी कर हो, मुर्शिदाबाद हो या डेमोग्राफी बदलने की बात, ममता बनर्जी रोहिंग्याओं को राज्य में बुला रही हैं। क्या लोग चाहते हैं कि रोहिंग्याओं को मतदाता सूची में शामिल किया जाए। सिर्फ बंगाल में ही जनसांख्यिकी नहीं बदली जा रही है बल्कि बिहार और झारखंड में भी ऐसा हो रहा है। समिक भट्टाचार्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग एसआईआर चाहते हैं और ये होकर रहेगा।

वंशवाद लोकतंत्र...

जिसमें पार्टी को प्रतिक्रिया देने की जगह नहीं मिलती।

भाजपा ने शशि थरूर के लेख को हाथों हाथ लिया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने थरूर को खतरे के खिलाड़ी बता कर सराहा और कहा, थरूर ने सही कहा कि गांधी परिवार ने राजनीति को फैमिली बिजनेस बना दिया है। राहुल और तेजस्वी जैसे नेपो किड्स पर शशि थरूर का लेख सीधा हमला है। भाजपा के सीआर केसवान ने इसे ट्रुथ बम बताया, जो नेहरू-गांधी के मिसरूल को उजागर करता है। इससे पहले, शशि थरूर द्वारा केरल की लेफ्ट सरकार की तारीफ और 2016 सर्जिकल स्ट्राइक पर बयान से भी पार्टी असहज हुई थी। जयराम रमेश ने तब कहा था, थरूर का बयान पार्टी की राय नहीं है।तिरुवनंतपुरम के सांसद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने अपने लेख में लिखा, सच कहें तो ऐसी वंशवादी राजनीति पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रचलित है। उन्होंने पाकिस्तान में भुट्टो और शरीफ, बांग्लादेश में शेख और जिया परिवार, और श्रीलंका में भंडारनायके और राजपक्षे परिवार का उदाहरण दिया। थरूर ने कहा, यह कुप्रथा की तरह भारतीय राजनीति में हर पार्टी, हर क्षेत्र और हर स्तर पर व्याप्त है। थरूर ने राजनीतिक परिदृश्य में वंशवाद के प्रचलन की ओर इशारा करते हुए कहा, बीजू पटनायक के निधन के बाद, उनके बेटे नवीन ने अपने पिता की खाली लोकसभा सीट जीती। महाराष्ट्र में शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने यह पद अपने बेटे उद्धव को सौंप दिया, जिनके अपने बेटे आदित्य स्पष्ट रूप से कतार में इंतजार कर रहे हैं। यही बात समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव पर भी लागू हुई, मुलायम यूपी के पूर्व सीएम रहे, उनके बेटे अखिलेश यादव भी मुख्यमंत्री बने। अखिलेश अब सांसद और पार्टी के अध्यक्ष हैं। बिहार में, लोक जनशक्ति पार्टी के नेता रामविलास पासवान के बाद उनके बेटे चिराग पासवान ने पदभार संभाला। थरूर ने कहा, जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला परिवार की तीन पीढ़ियों ने सत्ता संभाली। पंजाब में भी शिरोमणि अकाली दल में प्रकाश सिंह बादल के बाद सुखबीर बादल ने मोर्चा संभाला।केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने थरूर के लेख के बाद कांग्रेस और राजद पर तंज कसते हुए कहा, थरूर ने यह लेख अपने अनुभव के आधार पर लिखा है। मैं शशि थरूर के बयान का स्वागत करता हूं। उनकी टिप्पणी से कांग्रेस और राजद को निश्चित रूप से ठेस पहुंचेगी क्योंकि उनकी राजनीति एक परिवार तक सीमित है। वे अपने परिवार से बाहर सोच ही नहीं सकते।

एनडीए की प्रचंड...

अब 10 नए मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं और 10 नए मेडिकल कॉलेज के लिए योजना बन रही है।भोजपुर के खानगांव पंचायत की मुखिया और भाजपा नेता शालिनी सिंह से बात करते हुए पीएम मोदी ने पूछा कि बूथ लेवल का काम कैसा चल रहा है। इस पर शालिनी ने इलाके की जानकारी देते हुए बताया कि हम बूथ लेबल तक काम कर रहे हैं। यहां के प्रत्याशी के लिए पर्चा कटवा रहे हैं। चुनाव चिन्ह के बारे में लोगों को जानकारी दे रहे हैं। घर-घर जाकर काम कर रहे हैं। घर में भी जाते हैं और नुक्कड़ पर जाकर भी बताते हैं। बातचीत में महिलाओं ने बताया कि स्थानीय स्तर पर महिलाओं को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देते हैं। कई लोग कहते होंगे कि हम तो एनडीए को ही वोट डालते हैं। फिर भी जो भी प्रत्याशी हैं, उनका परिचय बताते हैं और उनके चुनाव चिन्ह से अवगत कराते हैं। ये हमारे यहां का चुनाव चिन्ह है और इस पहचान कराते हैं।गरीब कल्याण योजनाओं, मुद्रा योजना की जानकारी महिलाओं को दी जाती है। संवाद के दौरान महिलाओं ने बताया कि योजना का लोगों को फायदा मिल रहा है। गरीबों को हर महीने राशन मिल जाता है। रोटी कपड़ा और मकान की मूलभूत जरूरतों में रोटी और आवास तो मोदी सरकार ने दे दिया है। ये लोग कमा कर तीसरी जरूरत को पूरा कर रहे हैं। घरों में खुशहाली आ रही है और वो पीएम मोदी को आशीर्वाद दे रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार में चुनाव प्रचार की शुरुआत के वक्त वे भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर जी के घर गए थे। उनके परिवार से मिले थे। कर्पूरी ठाकुर जी सामाजिक न्याय के पुरोधा थे। एनडीए सरकार में इस पर पूरा काम किया गया है। क्या महिलाओं को इसकी जानकारी है? इस पर महिलाओं ने अपने क्षेत्र के विकास की जानकारी दी और टोलियां बना कर हर तरह की जानकारी स्थानीय महिलाओं को उपलब्ध कराने के बारे में बताया। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने पहले मतदान फिर जलपान का मंत्र भी बताया। साथ ही महिलाओं को शत प्रतिशत वोट डालने के लिए घर-घर जाकर जागरूक करने की बात भी कही। औरंगाबाद की मंडल अध्यक्ष नीलम चंद्रवंशी ने बचत के बारे में पूरी जानकारी दी और कहा कि महिलाओं को इसके लिए जागरूक किया गया है।

हादसे में छह...

वहीं स्थानीय प्रशासन भी मदद में जुटा हुआ है। इस हादसे की वजह से कई ट्रेनों का परिचालन ठप हो गया है। कई ट्रेन दूसरे रूट से अपने गंतव्य के लिए जा रहे हैं। हादसे का कारण अज्ञात है। रेलवे की टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल कर रही है। यह हादसा बिलासपुर कटनी रेल मार्ग पर हुआ है, जो की सबसे व्यस्ततम मार्ग है जांच पड़ताल के बाद ही स्पष्ट होगा कि इस हादसे की असली वजह क्या है।घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनका इलाज चल रहा है। मालगाड़ी और पैसेंजर ट्रेन में टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पैसेंजर ट्रेन मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गई। मौके पर यात्रियों की चीख पुकार मची हुई थी। सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। रेलवे और जिला प्रशासन को मामले की सूचना दी गई, इसके बाद बचाव और राहत कार्य जारी है।

भारत में ...

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ पारंपरिक रूप से नक्सल आंदोलन का मुख्य केंद्र रहा है। वामपंथी उग्रवादियों के आत्मसमर्पण के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा नक्सलवादियों की हत्या हुई है। ये राज्य-केंद्र के बीच बेहतर तालमेल और दूर-दराज के क्षेत्र में विकास की पहुंच को दर्शाता है। खास बात यह है कि मई 2014 से दिसंबर 2018 तक रमन सिंह के नेतृत्व में यहां भाजपा सरकार थी। उस वक्त राज्य में करीब 2697 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और 408 वामपंथी उग्रवादी मारे गए। इस चरण में केंद्र-राज्य के बीच मजबूत तालमेल देखने को मिला। यहां केंद्रीय गृह मंत्रालय के अभियान और राज्य पुलिस की कार्रवाइयां एक साथ काम कर रही थीं।इसके विपरीत, कांग्रेस शासन (भूपेश बघेल और अजीत जोगी) के दौरान 7 दिसंबर 2018 से 13 दिसंबर 2023 तक, यह आंकड़ा घटकर लगभग 2,019 आत्मसमर्पण और 228 वामपंथी उग्रवादियों की हत्याओं के रहे। हालांकि नागरिक और सुरक्षा बलों की हताहतों की संख्या में मामूली सुधार हुआ।

दिसंबर 2023 में विष्णु देव साय की भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद, सितंबर 2025 तक 1887 से ज्यादा आत्मसमर्पण और 493 नक्सली मारे जा चुके हैं। इससे पता चलता है कि केंद्र और राज्य के बीच भाजपा शासित सरकारों के बीच बेहतर तालमेल रहा और नतीजे भी सामने आए।झारखंड और ओड़ीशा में इनकी संख्या लगातार कम होती जा रही है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश अपेक्षाकृत शांत हुआ है। पश्चिम बंगाल और केरल में हाल के वर्षों में घटनाओं की संख्या नगण्य दर्ज की गई है, जो रेड कॉरिडोर के सिकुड़ने को दर्शाता है। 2016 में नक्सलियों ने सबसे ज्यादा आत्मसमर्पण किया। इससे पता चलता है कि पुनर्वास कार्यक्रम सफल रहा। 2025 (30 सितंबर तक) में नक्सलियों की एक्टिविटी सबसे कम दिखी। ये बेहतर कार्रवाई, गुप्त जानकारी, अच्छा तालमेल और तकनीकी मदद से नक्सलवाद को समाप्त करने के केंद्र सरकार के दृढ़ संकल्प का संकेत है। समय के साथ आत्मसमर्पण की बढ़ती संख्या ये बताता है कि नक्सलवाद के रीढ़ अब टूट चुके हैं।सुरक्षाबलों ने भी बड़ी तादाद में नक्सलवाद की कीमत चुकाई है। मई 2014 से अब तक 548 जवान शहीद हो चुके हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में इसकी संख्या में कमी आई है। इस दौरान 1,630 नागरिकों की जानें गई हैं। हालांकि विद्रोहियों के नियंत्रण वाले क्षेत्रों के सिकुड़ने के साथ नागरिकों को निशाना बनाकर की जाने वाली घटनाओं में कमी आई है। ग्यारह वर्षों में 8751 आत्मसमर्पण हुए हैं। नक्सलियों में जो गंभीर अपराधों में शामिल नहीं हैं, उनके लिए परामर्श, आर्थिक प्रोत्साहन और कानूनी राहत देकर समस्या के निवारण की ओर कदम बढ़ाया गया।

गृह मंत्री शाह ने नक्सलियों के बातचीत को ठुकरा कर आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर किया है। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ की संख्या भी बढ़ी, जिससे नक्सलियों के लिए अपने सशस्त्र आंदोलन को जारी रखने की कोई गुंजाइश नहीं बची। सभी वजहों ने मिलकर नक्सलियों के कमर तोड़ दिए। पिछले 11 वर्षों में 5,277 हथियार बरामद किए गए। इससे विद्रोहियों के पुनर्गठित होने की क्षमता और कम हो गई। लगातार हथियारों की बरामदगी और मुठभेड़ों की बढ़ती संख्या ने नक्सलियों के हौसले पस्त कर दिए। इससे जंगलों में छिपकर हमला करने की उनकी योजनाओं पर भी असर पड़ा है। नक्सलवाद की मौजूदगी अब चुनिंदा जंगल वाले क्षेत्रों तक सीमित रह गया है। मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने की सरकार ने घोषणा की है। दूरसंचार का फैलता नेटवर्क, कल्याणकारी योजनाओं का असर और लगातार आत्मसमर्पण कर रहे नक्सलियों को देखकर उम्मीद की जा सकती है कि मार्च 2026 का टारगेट पूरा होगा और देश से नक्सलवाद हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा।

जगतगुरु गुरु नानक देव जी

सुनी पुकार दातार प्रभु।।
गुरु नानक जग माही पठायआ।।
कलि तारण गुरु नानक आइआ।।

जब जब विश्व में दिन हिन पतितो का पतन होता रहा,अन्याय ने अपना सिर उठाया, मानवता धूमिल हुई, ऐसे में मानवता का संदेश देने इस धरातल पर महापुरुषों का आविर्भाव हुआ। महापुरुषों द्वारा समय समय पर समाज के विश्व कल्याण के उद्धार हेतु बीड़ा उठाया गया। भारत की मध्यकालीन समस्त स्थितियों के चलते तत्कालीन महापुरुषों ने भी अपना उत्तरदायित्व जानकर सामाजिक ,धार्मिक भेदभाव , असंगतियों का विरोध किया। मानव कल्याण के उपाय सुझाए। मानवता का उपदेश दिया। गुरु नानक देव जी भी ऐसे ही महापुरुष के रूप में संसार में अवतरित हुए। गुरु नानक देव जी का आविर्भाव जिन दिनों हुआ था उन दिनों भारतवर्ष में समाज अनेक प्रकार की जातियों और संप्रदायों में विभक्त था। हिंदू मुस्लिम भेदभाव पहले से ही बहुत जटिल सामाजिक व्यवस्था को और अधिक उलझाता जा रहा था ।मानवता को अमानवीय प्रवृत्तियां द्वारा पैरों तले रौंदा जा रहा था। अज्ञान के अंधकार में मानव पतभ्रष्ट हो रहा था। धार्मिक आस्थाओं का पतन हो रहा था ।अंधविश्वास, कुरीतियों, मिथ्या आडंबर में सामान्य जन उलझ कर रह गया था। सर्वत्र अन्याय ,अत्याचार, अधर्म ,हिंसा से ग्रसित समाज को एक ऐसे लोकनायक की आवश्यकता थी जो उनका सहारा बन उन्हें सही मार्ग दिखा सके ।समय की भी यही मांग थी कि जब जब धर्म का पतन हुआ, मानवता निरीह हुई ,तब तब महापुरुष अवतीर्ण हुए।

इस संसार में गुरु नानक देव जी जैसे महापुरुष का आगमन भी मानवता का संदेश समस्त संसार को देने के लिए ही हुआ था। श्री गुरु नानक देव जी का जन्म सन 1469 में बेदी कालू चंद जी एवं माता तृप्ताजी के घर रायभुई की तलवंडी जो अब ननकाना साहिब में है ,में हुआ।गुरु नानक देव जी ने बाल्यावस्था से ही सबको प्रेम एवं समानता का संदेश दिया । गुरु नानक देव जी ने बिना किसी का दिल दुखाए, किसी पर आघात किए प्रेम का सरल मार्ग बताया। और इसी प्रेम के आवेश में आकर गुरु नानक देव जी ने अपने पिता द्वारा मोदी खाने में नौकरी लगाए जाने पर अनाज डालते समय तेरा तेरा गिनते गिनते जब 13 पर आए तब तेरा तेरा अर्थात मैं तेरा हूं ,यह सब कुछ तेरा ही है इस भावना में इतने अधिक हो गए कि सारा भंडार खाली हो गया। परमात्मा के प्रति इतनी श्रद्धा, विश्वास, प्रेम था कि गुरु नानक देव जी का सांसारिक कार्य में मन नहीं लगा और वे अध्यात्म के मार्ग पर चल पड़े ।मानवता के प्रसार के लिए उन्होंने देश तथा विदेशों में दूर-दूर तक जाकर चार यात्राएं की जो चार उदासी के नाम से प्रसिद्ध है। इन चार यात्राओं में उन्होंने धर्म के मार्ग से भटके हुए, बुरे कर्म में प्रवृत्त लोगों का अपने उपदेशों के माध्यम से उद्धार किया। गुरु नानक देव जी ने जाति-पाति, मिथ्या कर्मकांडो का विरोध किया। नारी तथा निम्न जाति के लोगों को सम्मान दिया। मानवता तथा मानव धर्म का प्रसार किया। अपनी वाणी को अपने साथी मर्दाना की रबाब की संगीत की धुनों पर चढ़ा अपने संदेशों को सामान्य जन मानस तक पहुंचाया। गुरु नानक देव जी वसुधेव कुटुंबकम के वाहक तथा लोकमंगल की सहायक थे।अपने जीवन काल में गुरु नानक देव जी ने स्वयं प्रभु स्मरण कर उस परम सत्ता की सर्वश्रेष्ठता को श्रेष्ठ माना। स्वयं श्रम किया। नौकरी की ।अपने खेत में किसान बन हल चलाया। तथा अपने पास जो कुछ उसे सदैव औरों में बांटा ।उनके यही कार्य सिख धर्म के तीन बुनियादी तत्व बन गए हैं ।नाम जपना, कीरत अर्थात श्रम करना और बांटकर खाना। अर्थात नाम जपने से मन शुद्ध होगा प्रभु से सदा जुड़कर रहेगा ,शांत रहेगा। उसमें किसी प्रकार का कोई विकार ,स्वार्थ कपट का भाव नहीं आएगा। कीरत करना अर्थात श्रम द्वारा मनुष्य अपना तथा अपने परिवार का समाज का पालन पोषण कर पाएगा तब वह किसी के आगे पराश्रित परावलंबी नहीं रहेगा। एक संतोष भरा जीवन जी पाएगा तथा किसी और का हक भी नहीं छिनेगा। और अपने धर्म की कमाई से सबके साथ मिल बांट कर खाना। ऐसा करने से कोई भूखा नहीं रहेगा तथा हम सब एक है ऐसी भावना पल्लवित होगी। सारांश रूप से कहा जाए तो गुरु नानक देव जी के तत्वों के सार में ही मानवता का पुष्प पल्लवित होता नजर आता है ।जो मनुष्य श्रम द्वारा अपना जीवन निर्वाह कर अपनी नेक कमाई जरूरतमंद में बांटता है और ऐसा करते समय परम संतुष्ट अनुभव करता है, प्रभु का धन्यवाद करता है, वह मानव सेवा ही माधव, ईश्वर सेवा है ,का पालन कर प्रभु प्रेम की प्राप्ति करता है।

गुरु नानक देव जी एक महान संत, समाज सुधारक एवं महान चिंतक थे। उनका कहना है कि मनुष्य का लक्ष्य केवल मात्र अपने जीवन जीने की हद तक सीमित ना हो,अपितु मानव सेवा ,समस्त सृष्टि प्रेम और मानव कल्याण में होना चाहिए। आज के युग में तथा आने वाले समय में गुरु नानक देव जी द्वारा बताया गया विश्व बंधुत्व, मानवता एवं भाईचारे का मार्ग सर्वश्रेष्ठ है ।उन्होंने प्रेम, समानता एवं सेवा भाव का सरल धर्म उपदेश दिया है । उनका कहना एको धरम दृड सच सोईअर्थात धर्म एक ही है और सत्य इसमें दृढ़ रूप से विद्यमान है । ऐसे जगतगुरु श्री गुरु नानक देव जी के बताएं उपदेशों पर चलकर एक खुशहाल, शांतिपूर्ण एवं श्रेष्ठ जीवन यापन किया जा सकता है। श्री गुरु नानक देव जी के 556वें पावन प्रकाश उत्सव की सभी को अनंत शुभकामनाएं ।

डॉ. राजेंद्र कौर महाजन
हैदराबाद
(फ़ोन : 86398 10368)

गंगा स्नान के बाद जरूर करें इन पांच चीजों का दान

हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान किया जाता है, जो इस बार 5 नवंबर, बुधवार को रहेगा। इस दिन गंगा स्नान करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है और मनुष्य को मोक्ष मिल सकता है। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिल सकती है। वहीं, गंगा स्नान के बाद दान करने का भी खास महत्व होता है। इस दिन कुछ विशेष चीजों का दान करने से जीवन के समस्त दुख दूर हो सकते हैं और धन-धान्य में भी वृद्धि होती है।

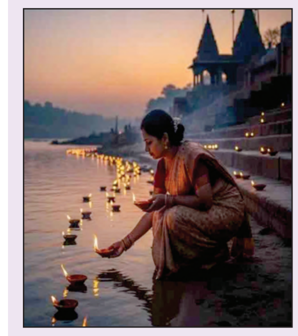

7 प्रकार के अनाज का दान करें

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के बाद आप किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति के सात प्रकार के अनाज का दान कर सकते हैं। गेहूं, चावल, जौ, बाजरा, मूंग आदि ऐसे सात अलग-अलग प्रकार के अनाजों का दान करने से बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है और जातक को कभी भी धन-धान्य की कमी नहीं होती है। साथ ही, इस उपाय को करने से ग्रहों को शांत करने में सहायता मिलती है और जीवन में खुशहाली दस्तक देने लगती है।

ऊनी वस्त्र करें दान

गंगा स्नान करने के पश्चात आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति को वस्त्रों का दान भी कर सकते हैं। अब सर्दियों का मौसम शुरू हो रहा है। ऐसे में ऊनी व गर्म वस्त्रों का दान करने से बेहद उत्तम फल प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली समस्याओं से भी आपको मुक्ति मिल सकती है। अगर आप श्रद्धापूर्वक गंगा स्नान करने के बाद ऊनी वस्त्रों का दान करते हैं तो इससे करियर में भी उन्नति प्राप्त हो सकती है और कार्य में आने वाली बाधाएं भी धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

पूजा की सामग्री करें दान

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने के बाद आप पूजा की सामग्री जैसे धूप-दीप, आरती की थाली आदि भी दान कर सकते हैं। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की इन वस्तुओं का दान किसी ऐसे व्यक्ति को करना चाहिए, जो धार्मिक और इनका सम्मान करता हो। इस प्रकार पूजा की सामग्री दान करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। साथ ही, घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और सौभाग्य में भी वृद्धि हो सकती है।

सोना, चांदी या बर्तन करें दान

ऐसी मान्यता है कि सोना और चांदी दान करने से जातक को कई गुना फल प्राप्त होता है। ऐसे में अपने सामर्थ्य के अनुसार, आप किसी जरूरतमंद या गरीब को सोने या चांदी की कोई वस्तु दान कर सकते हैं। हालांकि, इस समय सोना-चांदी के दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। ऐसे में आप बर्तन दान कर सकते हैं। ऐसा करने से व्यक्ति के आर्थिक संकट से राहत मिल सकती है और धन-धान्य में वृद्धि होती है। लेकिन इस बात का ख्याल रखें की कभी भी किसी को प्लास्टिक के बर्तन नहीं देने चाहिए। ऐसा करना अच्छा नहीं माना जाता है।

जौ और घी का करें दान

गंगा स्नान के बाद आप जौ का दान भी कर सकते हैं क्योंकि, जौ के दान को स्वर्ण दान के समान ही माना गया है। ऐसा करने से स्वर्ण दान के बराबर पुण्य फल की प्राप्ति होती है। वहीं, कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के बाद आप घी का दान भी कर सकते हैं। इससे जातक को पापों से मुक्ति मिल सकती है और मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

देव दिवाली पर मां लक्ष्मी और सभी देवताओं की बरसेगी कृपा

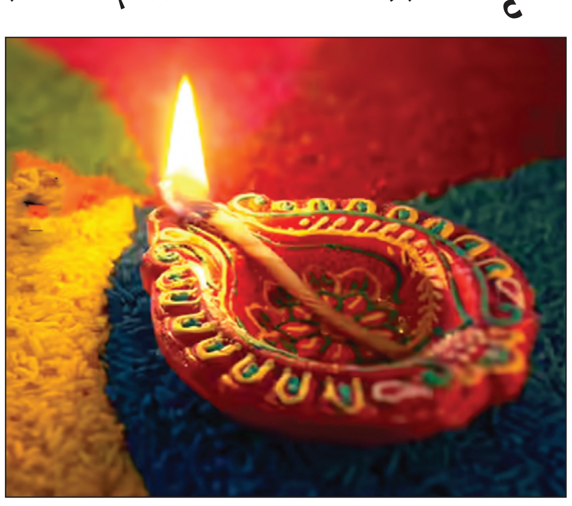

हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को देव दिवाली का त्यौहार मनाया जाता है। इस साल 5 नवंबर, बुधवार को देव दिवाली पड़ रही है। इस दिन शाम के समय लक्ष्मीनारायण की विधि-विधान से पूजा और आरती की जाती है। साथ ही, खास दीपक प्रज्वलित किए जाते हैं। ऐसा करने से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। मान्यता है कि हमेशा शुभ मुहूर्त में ही पूजा-पाठ करना चाहिए और दीपक जलाने चाहिए।

देव दिवाली पर पूजा का शुभ मुहूर्त

देव दिवाली के दिन प्रदोष काल में दीपक जलाने का खास महत्व होता है और इस समय को सबसे उत्तम माना जाता है। 5 नवंबर, बुधवार के दिन शाम को 5 बजकर 30 मिनट से लेकर 7 बजकर 40 मिनट तक का समय पूजा करने के लिए सबसे श्रेष्ठ रहेगा।

देव दिवाली पर दीपक जलाने का शुभ मुहूर्त

इस दिन पूजा के बाद दीपक जरूर जलाने चाहिए। जिसका शुभ समय शाम को 5 बजकर 30 मिनट से लेकर 7 बजकर 40 मिनट तक होगा। इस अवधि के दौरान दीपक जलाना सबसे उत्तम माना जाएगा।

देव दिवाली पूजा की विधि

शाम के समय प्रदोष काल में पूजा घर में गंगाजल का छिड़काव करें और उस स्थान को सुबह ही अच्छी तरह साफ कर लेना चाहिए। इसके बाद, एक लकड़ी की चौकी पर पीला या लाल रंग का वस्त्र बिछाएं। चौकी पर माता लक्ष्मी और विष्णुजी की तस्वीर स्थापित करें। साथ ही, इस दिन माता पार्वती और शिवजी की भी पूजा करनी चाहिए। अब विष्णु भगवान, शिवजी और मां लक्ष्मी के मंत्र का जाप करें। 'ओम नमः शिवाय, ओम नमो भगवते रूद्राय।' और 'ओम लक्ष्मी नारायणाय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें।

मंत्रों का जाप करने के बाद आरती करें और देवी-देवताओं को भोग लगाएं। अब सात दीपक जलाएं और सात फूल ले लें। इसके बाद, रसोई में एक बड़े बर्तन में पानी भर लें या पानी रखने वाली जगह पर 7 घी के दीपक जलाएं।

दीपक के सामने पुष्पों को भी जरूर रखें और फिर, फूल और दीयों को 7 जगहों पर रख दें। इनमें से एक शिव के मंदिर के पास, आंवले के पेड़ के नीचे, एक विष्णुजी के मंदिर के पास, बेलपत्र के पेड़ के नीचे, पीपल के वृक्ष के नीचे, रखें। इस प्रकार सात अलग-अलग स्थानों पर दीपक और फूल रखने चाहिए। साथ ही, मन में अपनी कामना भी बोलें और कुछ समय बाद वृक्ष के नीचे रखे एक फूल को घर में लाकर रखें। ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मीजी की कृपा प्राप्त होती है और उनका वास घर में बना रहता है। इस दिन एक दीपक घर की चौखट पर भी जरूर रखना चाहिए।

शुभ संयोग में आज मनाई जाएगी कार्तिक पूर्णिमा

कार्तिक पूर्णिमा इस साल 5 नवंबर को है। कार्तिक मास को सभी महीनों में बेहद शुभ व फलदायी माना गया है। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदी में स्नान व दान करने से इस पूरे महीने के गए पूजा-पाठ के बराबर फल मिलता है। कार्तिक महीना भगवान विष्णु को अतिप्रिय है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि पंचांग के अनुसार कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 04 नवंबर को रात 10:36 मिनट पर पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 05 नवंबर को शाम 06:48 मिनट पर पर होगा। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा का पर्व 5 नवंबर को मनाया जाएगा।कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली के नाम से जाना जाता है। 5 नवंबर को भद्रावास योग समेत कई शुभ और दुर्लभ योग बन रहे हैं। इन शुभ संयोगों में भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व है। कहा जाता है कि इस दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना करने से मनुष्य को मनोवांछित फल प्राप्त होता है और जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मान्यता है कि कार्तिक मास में भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था। इसी तिथि पर भगवान विष्णु का मत्स्य अवतार हुआ था। इसे भगवान विष्णु का पहला अवतार माना जाता है। प्राचीन समय में जब जल प्रलय आया था, तब मत्स्य अवतार के रूप में भगवान ने पूरे संसार की रक्षा की थी। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस तिथि पर शिव जी ने त्रिपुरासुर नाम के दैत्य का वध किया था, इस वजह से इसे त्रिपुरारी पूर्णिमा कहते हैं। कार्तिक पूर्णिमा को देवताओं की दीपावली के रूप में भी मनाया जाता है। इस कारण इसे देव दीपावली कहते हैं। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान और दीपदान करने की परंपरा है। साथ ही हवन, दान, जप, तप आदि धार्मिक कार्यों का विशेष महत्व बताया गया है। विष्णु पुराण के अनुसार, इस दिन भगवान नारायण ने मत्स्यावतार लिया था। साथ ही इस दिन उपछाया चंद्रग्रहण भी लग रहा है। जो इस दिन महत्व को और अधिक बढ़ाता है। कार्तिक मास की अंतिम तिथि यानी पूर्णिमा पर इस माह के स्नान समाप्त हो जाएंगे। मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान, दीपदान, पूजा, आरती, हवन और दान-पुण्य करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

इस दिन भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़नी और सुननी चाहिए। जरूरतमंद लोगों को फल, अनाज, दाल, चावल, गरम वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। कार्तिक पूर्णिमा पर अगर नदी में स्नान करने नहीं जा पा रहे हैं तो घर ही सुबह जल्दी उठें और पानी में थोड़ा सा गंगाजल मिलाकर स्नान करें। स्नान करते समय सभी तीर्थों का और नदियों का ध्यान करना चाहिए। सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। जल तांबे के लोटे से चढ़ाएं। अर्घ्य देते समय सूर्य के मंत्रों का जाप करना चाहिए। किसी गौशाला में हरी घास और धन का दान करें। इस दिन शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जाप करें। कर्पूर जलाकर आरती करें। शिव जी के साथ ही गणेश जी, माता पार्वती, कार्तिकेय स्वामी और नंदी की भी विशेष पूजा करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

शुभ संयोग

इस साल देव दीपावली पर सिद्धि योग बन रहा है। उस दिन सिद्धि योग प्रात:काल से लेकर दिन में 11:28 मिनट तक है। देव दीपावली के दिन भद्रावास योग का दुर्लभ और शुभ संयोग भी बन रहा है। यह योग सुबह 8:44 मिनट तक रहेगा। इस दौरान भद्रा स्वर्ग लोक में रहेंगी, जिसे शास्त्रों में अत्यंत मंगलकारी माना गया है। मान्यता है कि जब भद्रा स्वर्ग या पाताल लोक में रहती हैं, तो पृथ्वी पर सुख-समृद्धि और शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस योग में भगवान शिव की आराधना करने से व्यक्ति के जीवन से दुख और बाधाएँ दूर होती हैं तथा सौभाग्य और सफलता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। देव दीपावली के दिन शिववास योग का अत्यंत मंगलकारी संयोग बन रहा है। यह योग शाम 6 बजकर 48 मिनट से प्रारंभ होगा। इस विशेष योग में भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करने से सभी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। माना जाता है कि शिववास योग में की गई पूजा से जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास होता है।

कार्तिक पूर्णिमा

पंचांग के अनुसार कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 04 नवंबर को रात 10:36 मिनट पर पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 05 नवंबर को शाम 06:48 मिनट पर पर होगा। ऐसे में कार्तिक पूर्णिमा का पर्व 5 नवंबर को मनाया जाएगा।

देव दीपावली

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि देव दीपावली के दिन सभी देवता गंगा नदी के घाट पर आकर दीप जलाकर अपनी खुशी को दर्शाते हैं। इसीलिए कार्तिक पूर्णिमा के दिन दीपदान का बहुत अधिक महत्व है। इस दिन नदी और तालाब में दीपदान करने से सभी तरह के संकट समाप्त हो जाते हैं और कर्ज से भी मुक्ति मिलती है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन घर के मुख्यद्वार पर आम के पत्तों से बनाया हुआ तोरण जरूर बांधे और दीपावली की ही तरह चारों और दीपक जलाएं।

तुलसी पूजन

कार्तिक पूर्णिमा के दिन शालिग्राम के साथ ही तुलसी जी की पूजा की जाती है। इस दिन तुलसी पूजन का बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन तीर्थ पूजा, गंगा पूजा, विष्णु पूजा, लक्ष्मी पूजा और यज्ञ और हवन का भी बहुत अधिक महत्व होता है। इस दिन किए हुए स्नान, दान, होम, यज्ञ और उपासना का अनंत फल होता है। इस दिन तुलसी के सामने दीपक जरूर जलाएं। जिससे आपके मनोकामना पूरी हो और दरिद्रता दूर हो सके।

जरूरतमंदों को करें दान

कार्तिक पूर्णिमा के दिन दान करने से दस यज्ञों के समान फल प्राप्त होता है। इस दिन दान का बहुत अधिक महत्व होता है। कार्तिक पूर्णिमा के दिन अपनी क्षमता अनुसार अन्न दान, वस्त्र दान और अन्य जो भी दान कर सकते हों वह जरूर करें। इससे घर परिवार में धन-समृद्धि और बरकत बनी रहती है।

भगवान शिव बने थे त्रिपुरारी

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक महाबलशाली असुर का वध इसी दिन किया था। इससे देवताओं को इस दानव के अत्याचिारों से मुक्ति मिली और देवताओं ने खुश होकर भगवान शिव को त्रिपुरारी नाम दिया।

भगवान विष्णुं का प्रथम अवतार

पौराणिक कथाओं में बताया गया है कि भगवान विष्णुं का प्रथम अवतार भी इसी दिन हुआ था। प्रथम अवतार के रूप में भगवान विष्णुप मत्स्यि यानी मछली के रूप में प्रकट हुए थे। इस दिन सत्यकनारायण भगवान की कथा करवाकर जातकों को शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

कार्तिक पूर्णिमा पर तिल स्नान से मिलेगी शनि दोषों से राहत

कार्तिक पूर्णिमा पर तिल जल में डालकर स्नान करने से शनि दोष समाप्त होंगे। खासकर शनि की साढ़ेसाती। वही कुंडली में पितृ दोष, चांडाल दोष की स्थिति यदि है तो उसमें भी शीघ्र लाभ होगा।

राशि अनुसार आपको किन चीजों का दान करना चाहिए

मेष-गुड़
वृष- गर्म कपड़ों
मिथुन-मूंग की दाल
कर्क-चावल
सिंह-गेहूं
कन्या-हरे रंग का चारा
तुला भोजन
वृश्चिकृ- गुड़ और चना
धनु-गर्म खाने की चीजें, जैसे बाजरा,
मकर-कंबल
कुंभ-काली उड़द की दाल
मीन- हल्दी और बेसन की मिठाई

फिल्म जटाधारा की शूटिंग के दौरान मेकर्स ने करवाए असली तांत्रिक अनुष्ठान

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू अभिनीत मैग्नम ओपस 'जटाधारा' अपनी रिलीज़ से पहले ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है और हाल ही में सामने आए एक बिहाइंड-द-सीन्स खुलासे ने फिल्म की गहराई और इसकी प्रामाणिकता के प्रति निर्माताओं की प्रतिबद्धता को और भी उजागर कर दिया है। वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल द्वारा निर्देशित 'जटाधारा' केवल एक अलौकिक ड्रामा नहीं, बल्कि संस्कृति, अनुष्ठान और भावनाओं से जुड़ी एक सिनेमाई यात्रा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की शूटिंग के दौरान टीम ने एक अहम सीक्वेंस के लिए न सिर्फ वास्तविक तांत्रिक अनुष्ठान करवाए, बल्कि सच्चे मंत्रों का जाप भी करवाया, जिससे दृश्य को आध्यात्मिक रूप से प्रामाणिक और ऊर्जावान बनाया जा सके। सांस्कृतिक और धार्मिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए निर्माताओं ने गहन शोध किया और अपने काम में महारत हासिल कर चुके तांत्रिकों से परामर्श लिया, जिन्होंने सेट पर अनुष्ठान का मार्गदर्शन किया। कास्ट और क्रू के अनुसार, उन दिनों का माहौल एक सामान्य फिल्म शूट जैसा नहीं था, बल्कि विशेषज्ञ तांत्रिकों की निगरानी में, सभी की सुरक्षा व सहजता को ध्यान में रखते हुए, पूरी सावधानी और सम्मान के साथ अनुष्ठान करवाए गए। इस संदर्भ में निर्देशक वेंकट कल्याण कहते हैं, हम सिर्फ उस ऊर्जा को दोहराना नहीं चाहते थे, बल्कि हम उसे महसूस करना चाहते थे।

'जटाधारा' जैसी कहानी में बात सिर्फ दृश्यों या इफेक्ट्स की नहीं है, बल्कि उस गहराई को जगाने की है जो मनुष्य को अदृश्य से जोड़ती है। ये अनुष्ठान दिखावे के लिए नहीं थे, बल्कि सच्चाई के लिए थे, जिससे हमारे लिए साथ दर्शकों के लिए भी यह अनुभव पवित्र और वास्तविक बन सके।

निर्माता प्रेरणा अरोड़ा ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, 'जटाधारा' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था और निर्भीकता से जन्मा एक अनुभव है। हम ऐसा संसार बनाना चाहते थे जो सच्चा लगे। हर मंत्र, हर अनुष्ठान, हर भावना, सब कुछ सच्चाई से उपजा था। सेट की ऊर्जा शब्दों से परे थी और ऐसा लग रहा था जैसे सिनेमा और दिव्यता का संगम हो गया हो।

सह-निर्देशक अभिषेक जायसवाल भी कहते हैं, जब आप रहस्यमय तत्वों को दिखाने की कोशिश करते हैं, तो विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर होना आसान है, लेकिन हम प्रामाणिकता चाहते थे। वो कंपन, वो ध्वनि, जो प्राचीन अनुष्ठानों में होती है उन्हें दिखाना बेहद ज़रूरी था। विशेष रूप सेट पर वे पल बेहद शक्तिशाली थे, और मुझे यकीन है दर्शक भी स्क्रीन पर उसकी तीव्रता महसूस करेंगे।

भव्य पैमाने और भावनात्मक गहराई से भरी कहानी के ज़रिए 'जटाधारा' आस्था, भय और भक्ति जैसे विषयों को नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने जा रही है। यह फिल्म दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाएगी जहां रहस्य और मानवता का संगम होता है। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत 'जटाधारा' एक द्विभाषी (बाइलिंगुअल) सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जिसका निर्माण उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा ने किया है। फिल्म में अक्षय केजरीवाल और कुस्सुम अरोड़ा सह-निर्माता, दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकाला और सुबलेखा सुधाकर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। सच कहें तो ज़ी म्यूज़िक कंपनी द्वारा प्रस्तुत इसके शक्तिशाली साउंडट्रैक के साथ, 'जटाधारा' वर्ष की सबसे महत्वाकांक्षी और दृष्टिगत रूप से शानदार सिनेमाई प्रस्तुतियों में से एक साबित होने जा रही है। यह एक ऐसी महागाथा होगी, जो आस्था, नियति और प्रकाश-अंधकार के अनंत संघर्ष की कहानी कहती है।

फिल्म प्रोडक्शन हाउस राजश्री ने दी तब्बू को जन्मदिन की बधाई याद किया 'साधना' का आइकॉनिक किरदार

बाल कलाकार के तौर पर साल 1980 में आई फिल्म 'बाजार' से डेब्यू करने वाली तब्बू यानी तबस्सुम फातिमा मंगलवार को अपना 54वां जन्मदिन मनाया। एक्ट्रेस के जन्मदिन पर बॉलीवुड स्टार्स भी खूब सारा प्यार लुटा रहे हैं। अब राजश्री फिल्म ने तब्बू को खास तरीके से जन्मदिन की बधाई दी है और उनके आइकॉनिक किरदार को याद किया है। फिल्म प्रोडक्शन हाउस राजश्री ने तब्बू को जन्मदिन की बधाई देते हुए खास पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने उनके आइकॉनिक किरदार 'साधना' की फोटो शेयर की है। उन्होंने लिखा, शानदार तब्बू को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ! हम 'हम साथ साथ हैं' की आदर्श बड़ी बहू साधना का जश्न मना रहे हैं। शालीनता, गर्मजोशी और प्यार से परिपूर्ण एक किरदार; तब्बू ने उसे सचमुच यादगार बना दिया। उनके इन किरदारों से कोई भी कभी नफरत नहीं कर सकता!

राजश्री फिल्म ने 'हम साथ साथ हैं' में आदर्श बहू बनी तब्बू के साधना के किरदार की फोटो शेयर की है, जिसमें वे एक शर्मिली लड़की से लेकर परिवार को साथ लेकर चलने वाली बहू के रूप में दिखी हैं। फिल्म में साधना, यानी तब्बू, परिवार न टूटे और भाइयों में संपत्ति को लेकर किसी तरह का विवाद न हो, इसलिए वह परिवार से अलग गांव में जाकर बस जाती हैं। साधना के रोल को बहुत सराहा गया था। फिल्म प्रोडक्शन हाउस राजश्री के अलावा बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने भी तब्बू को जन्मदिन की बधाई दी है। उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो, खूबसूरत तब्बू। हम आपके अच्छे स्वास्थ्य और खुशी की कामना करते हैं और आपका आने वाला साल खुशियों से भरा रहे।

बता दें कि तब्बू का आने वाला साल काफी व्यस्त है, क्योंकि एक्ट्रेस फिल्म से लेकर वेब सीरीज में दिखने वाली हैं। तब्बू को करीना कपूर और कृति सैनन स्टारर फिल्म 'क्रू' में देखा गया था और अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट 'क्रू 2' आने वाला है। इसके अलावा, तब्बू 'अंधाधुन 2' और 'चांदनी-2' में दिखेंगी। अभी तक 'दृश्यम 3' की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन मेकर्स ने फिल्म लाने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो फिल्म की शूटिंग अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में भी तब्बू दिख सकती हैं।

रश्मिका मंदाना ने पहली बार कैमरे पर दिखाई सगाई की अंगूठी

विजय देवरकोंडा के सवाल पर शर्म से झुकी नजरें

रश्मिका मंदाना इस वक्त जहां अपनी सगाई को लेकर चर्चा में हैं वहीं वो अपनी नई फिल्म 'गर्लफ्रेंड' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। रश्मिका हाल ही में एक्टर जगपति बाबू के टॉक शो 'जयम्मु निश्चयमु रा' पर पहुंचीं। इस शो के अपकमिंग एपिसोड में रश्मिका अपनी नई फिल्म 'गर्लफ्रेंड' का प्रमोशन करती दिखेंगी। इसी शो के दौरान रश्मिका अपनी सगाई की अंगूठी भी दिखाती नजर आईं।

इस शो के अपकमिंग एपिसोड के एक प्रोमो में रश्मिका को 'विजय' का नाम लेकर उन्हें चिढ़ाया जा रहा है। वह अपनी अंगूठियां भी दिखाती नजर आ रही हैं, जिनमें से एक कथित तौर पर उनकी सगाई की अंगूठी है। इस प्रोमो में जगपति रश्मिका से पूछते हुए दिखाई दे रहे हैं, 'विजय देवरकोंडा से दोस्ती, विजय सेतुपति की फैन और थलपति विजय की ऑलटाइम फैन? तो ऐसा लगता है कि आप 'विजयम' (सफलता) और विजय की मालिक हैं।' एक्ट्रेस उनकी बातें सुनकर मुस्कुराती दिखीं।

जगपति बाबू ने रश्मिका मंदाना से यह भी पूछा कि उन्होंने जो ये अंगूठियां पहनी हैं, क्या इससे उनका सेंटिमेंट्स जुड़ा है, जिस पर रश्मिका ने जवाब दिया, 'ये सभी बहुत महत्वपूर्ण अंगूठियां हैं।' जगपति बाबू ने इसके बाद कहा, 'लेकिन मुझे यकीन है कि उनमें से एक अंगूठी आपकी पसंदीदा है और इसका अपना इतिहास है।' उनकी बातें सुनकर रश्मिका मुस्कुराने लगीं। रश्मिका मंदाना की 'गर्लफ्रेंड' की बात करें को राहुल रवींद्र द्वारा लिखित और निर्देशित ये फिल्म इसी हफ्ते 7 नवंबर को रिलीज होने जा रही है। फिल्म में रश्मिका एक गंभीर भूमिका में हैं, जो एक जटिल रिश्ते में फंसी महिला का किरदार निभा रही हैं। इसमें दीक्षित शेट्टी, अनु इमैनुएल, रोहिणी और राव रमेश भी लीड रोल में हैं।

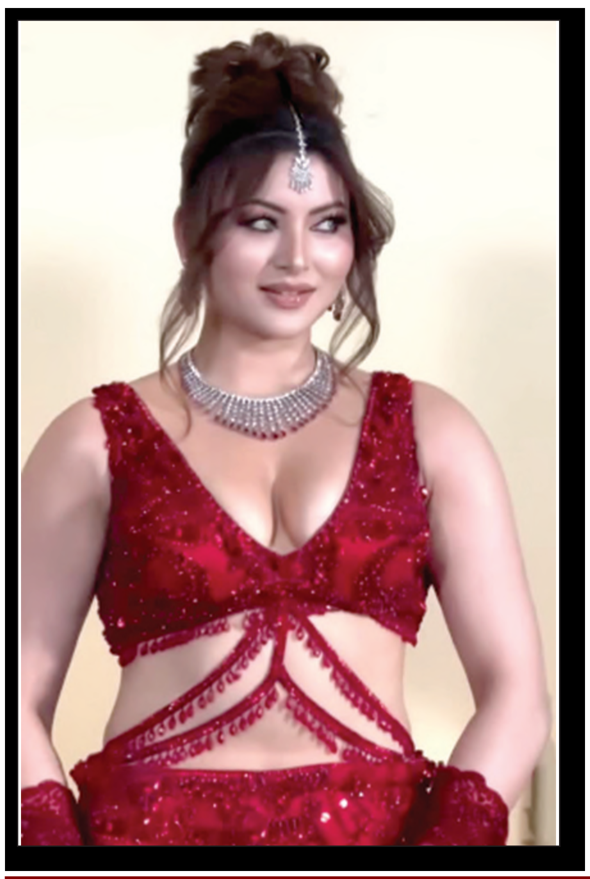

उर्वशी रौतेला ने 16 लाख की लाल लहंगे में दीवाली पार्टी में दिखाया जलवा

उर्वशी रौतेला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस स्टाइल आयकॉन में से एक क्यों मानी जाती हैं। एक दीवाली सेलिब्रेशन में वह जैसे ही 16 लाख रुपये के शानदार लाल लहंगे में पहुंचीं, सबकी नज़रें उन पर थम गईं। यह आलीशान लहंगा बारीक कढ़ाई और शानदार कारी-गरी से सजा हुआ था, जिसने त्योहारी फैशन की खूबसूरती को बखूबी दर्शाया और उर्वशी के शाही अंदाज़ को और भी उभार दिया। गहरे लाल रंग ने जहां पारंपरिक छटा बिखेरी, वहीं उसके डिज़ाइन और स्टाइलिंग में मॉडर्न टच ने उनके लुक को एकदम दिव्य बना दिया। इस पूरे लुक को और भी खास बनाया उर्वशी के अंदाज़ ने – उनकी शालीनता, आत्मविश्वास और सहजता ने लोगों का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया। उनका ज्वेलरी चुनाव, मेकअप और स्टाइलिंग लहंगे के साथ खूबसूरती से मेल खा रहे थे, जिसने उन्हें एक एथरियल फेस्टिव ग्लो दिया। इतने भव्य परिधान के बावजूद, उर्वशी का व्यवहार विनम्र और सौम्य रहा। उन्होंने अपनी प्यारी मुस्कान के साथ सभी मेहमानों और फोटोग्राफ़रों का गर्मजोशी से अभिवादन किया, जिससे ग्लैमर में एक अपनापन जुड़ गया।

इस लुक के साथ उर्वशी रौतेला ने सिर्फ दीवाली पार्टी में शिरकत ही नहीं की, बल्कि एक साथ परंपरा, उत्सव और लक्ज़री की भावना को साकार कर दिया। उनके इस त्योहारी फैशन मोमेंट ने इस साल दीवाली ग्लैमर के मापदंड को नए स्तर पर पहुँचा दिया है।

मधुरिमा तुली ने शानदार इंडियन परिधान में बिखेरा ग्लैमर

फिल्म 'तेहरान' एक्ट्रेस मधुरिमा तुली ने हाल ही में अपने एलीगेंट थ्रोबैक लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। विंटेज आकर्षण और मॉर्डन अंदाज़ का बेहतरीन मिश्रण पेश करते हुए, उन्होंने पुराने बॉलीवुड दौर की याद दिलाने वाला क्लासिक इंडियन आउटफिट पहना, जिससे उनका रेट्रो अंदाज़ तुरंत सबके दिलों में उतर गया। उनके परिधान में पारंपरिक डिटेलिंग, ग्रेसफुल ड्रेपरी और ऐसा आभा थी जो भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम युग को प्रतिबिंबित करती थी। जिस तरह उन्होंने इस लुक को कैरी किया और उनके शालीन एक्सप्रेशन्स थे, सबकुछ मिलकर एक परिष्कृत और नॉस्टैल्जिक एहसास दे रहे थे। स्टेटमेंट ज्वेलरी और सॉफ्ट ग्लैम मेकअप के साथ किया गया स्टाइलिंग इस रेट्रो लुक को और भी निखार रहा था, जबकि यह आज की आधुनिक सौंदर्यता से भी जुड़ा रहा।

'तेहरान' में अपने प्रभावशाली किरदार से दर्शकों का दिल जीतने वाली मधुरिमा यह साबित करती रहती हैं कि उनकी बहुमुखी प्रतिभा सिर्फ स्क्रीन तक ही सीमित नहीं है। चाहे बात अभिनय की हो या फैशन सेंस की, वे हर अंदाज़ से अपनी छाप छोड़ना जानती हैं।

इस लुक के साथ उन्होंने एक बार फिर याद दिलाया कि वो दौर जब फैशन में गरमाहट, शालीनता और सादगीपूर्ण ड्रामा झलकता था – कुछ स्टाइल कभी पुराने नहीं होते, वे तो बस उनके साथ होते हैं जो उन्हें शान से कैरी करते हैं।

काशिका कपूर : आधुनिक एलिगेंस की मिसाल जहाँ विनम्रता मिलती है हॉट कुट्योर से

फैशन मौसम के साथ बदलता रहता है, लेकिन काशिका कपूर का स्टाइल सेंस हमेशा से ही सदाबहार, साहसी, क्लासिक और सहज रूप से आकर्षक रहा है। हर एक उपस्थिति में, वह विनम्रता और हॉट कुट्योर का ऐसा अनोखा संगम लेकर आती हैं जो यह साबित करता है कि असली ग्लैमर दिखावे में नहीं, बल्कि उसकी गहराई में होता है। अपने मनमोहक क्रिमसन गाउन में काशिका एक अद्भुत आभा बिखेरती हैं – जैसे बहती हुई लाली में शक्ति और शालीनता का संगम हो। यह गहरा लाल रंग, जो जुनून और ताकत का प्रतीक है, उनके चारों ओर रेशमी प्रवाह की तरह लहराता है, जिससे उनका व्यक्तित्व एक साथ दिव्य और दृढ़ दिखाई देता है। वो मुस्कुराते हुए कहती हैं, मुझे तब अच्छा लगता है जब कोई आउटफिट आपको ज़िंदा महसूस कराए। बात सिर्फ रंग पहनने की नहीं, बल्कि उस एहसास को अपनाने की होती है।

टस्कनी की धूप में उनका रोज़-पिंक सैटिन लुक उनके कोमल और रोमांटिक रूप को दर्शाता है। एक कंधे पर गिरता ड्रेप और सिल्वर एम्ब्रॉयडरी का झिलमिलाता संयोजन उनके सहज सौंदर्य को और भी निखार देता है – मानो पुराने ज़माने की नज़ाकत आधुनिक आत्मविश्वास में लिपटी हो।

शैम्पेन क्रिस्टल गाउन में काशिका एक पुनर्जन्मी तारे की तरह दमकती हैं। नाज़ुक बीडवर्क और पंखों जैसी डिटेलिंग रोशनी और लक्ज़री का ऐसा मेल रचती है, जिसे वो सहजता के साथ धारण करती हैं। यही संतुलन – चमक और सादगी के बीच – उनकी असली स्टाइल भाषा को परिभाषित करता है।फिर आती है उनकी एमरल्ड-ग्रीन स्कल्प्टेड ड्रेस, जो संरचना और तरलता का साहसी संगम है। इसके आधुनिक डिजाइन, घुमावदार पैटर्न और क्रिस्टल एम्बेलिशमेंट्स उनके निडर फैशन एप्रोच को दर्शाते हैं। वह सिर्फ कपड़े नहीं पहनतीं – उन्हें जीवन देती हैं।काशिका मुस्कुराकर कहती हैं, मैं मानती हूँ कि फैशन आपकी शख्सियत को व्यक्त करना चाहिए – आपका सुकून, आपका साहस, आपका आत्मविश्वास। मैंने हमेशा विनम्र रहना, ज़रूरत पड़ने पर साहसी होना, और अपनी आत्मा को क्लासिक बनाए रखना पसंद किया है।

तेज़ लाल रंगों से लेकर गहरे समुद्री हरे रंगों तक, काशिका कपूर सिर्फ रंग नहीं पहनतीं – वह उन्हें भावनाओं में बदल देती हैं। हर गाउन, हर पोज़, हर लुक एक ऐसी स्त्री की कहानी कहता है जो अपनी कीमत जानती है – और उसे गरिमा के साथ जीती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने खान-पान का विशेष ध्यान रखें। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा।समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं लेकिन वहां किसी अनजान शख्स से आपकी बहस होने की अशंका है जिससे आपका मूड खराब हो जाएगा। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें और वे काम करें जिन्हें आप वाक़ई पसंद करते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें।इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसा अचानक आपके पास अएगा, नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं। अपने साथी पर किया गया संदेह एक बड़ी लड़ाई का रूप ले सकता है। आज आप अपने दोस्तों से जुड़ी कुछ जानकारियों को जानकर चकित हो सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है। दिन बहुत लाभदायक नहीं है- इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज के दिन भूलकर भी किसी को पैसे उधार न दें और यदि देना जरुरी हो तो देने वाले से लिखित में लें कि वो पैसा वापस कब करेगा। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी। आपके जीवनसाथी की बेरुख़ी दिन भर आपको उदास रख सकती है। किसी ऐसे शख़्स का फ़ोन आ सकता है जिससे आप बहुत लंबे समय से बात करना चाहते थे। बहुत-सी पुरानी यादें ताज़ा हो जाएंगी और आप समय में पीछे लौट जाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शारीरिक व्यायाम और वज़न घटाने की कोशिशें आपके रूप-रंग को निखारने में फ़ायदेमंद साबित होंगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे. उतावलापन अच्छा नहीं है, आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपको अपनी सेहत के प्रति ज़्यादा सावधानी बरतने की ज़रूरत है, ख़ास तौर पर रक्तचाप के मरीज़ों को। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इस समय जो समस्याएँ आपको झेलनी पड़ रही हैं, वे क्षणिक हैं और समय के साथ वे ख़ुद-ब-ख़ुद ख़त्म हो जाएंगी। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। जब आपको लगता है कि आपके पास घर वालों या अपने दोस्तों के लिए टाइम नहीं है तो आपका मन खराब हो जाता है। आज भी आपकी मन स्थिति ऐसी ही रह सकती है। आज के दिन बाहर का भोजन आपके पेट की हालात खराब कर सकता है। इसलिए बाहर खाने से आज बचें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके जीवन-साथी का प्यारा बर्ताव आपका दिन ख़ुशनुमा बना सकता है। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। परिवार की किसी महिला सदस्य की सेहत चिंता की वजह बन सकती है। छात्र-छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। अगर आप अपने जीवनसाथी से स्नेह की आशा रखते हैं, तो यह दिन आपकी आशाओं को पूरा कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। छुट्टी के दिन भी दफ़्तर का काम करने से बुरा और क्या हो सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

परिवार के इलाज से जुड़े ख़र्चों में इज़ाफ़े को नकारा नहीं जा सकता है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखें और आज हाथ खोलकर व्यय करने से बचें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। पैसा, प्यार, परिवार से दूर होकर आज आप आनंद की तलाश में किसी आध्यात्मिक गुरु से मिलने जा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उढ़ेलेगा। अकेलेपन को अपने ऊपर हावी न होने दें, इससे बेहतर होगा कि आप कहीं घूमने के लिए निकल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 नवंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि सायं 06:50 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रातः 09:41 तक
योग : सिद्धि प्रातः 11:28 तक
करण : विष्टि प्रातः 08:45 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कार्तिक पूर्णिमा व्रत-पुण्य , भीष्म पंचक व्रत-कार्तिक स्नान पूर्ण , श्रीनिम्बार्काचार्य - गुरुनानक जयंती , मन्वादि तिथि , भद्रा प्रातः 08:45 तक , गण्डमूल प्रातः 09:41 तक , कार्तिक मासे दीप-दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जोधपुर में सिलेंडर ब्लास्ट से गांव दहला, लोहे के टुकड़े शरीर में धंसे, 9 ग्रामीण गंभीर घायल

जोधपुर, 04 नवंबर (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के ओसियां क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को दहला दिया। बावड़ी के पास स्थित हरढाणी गांव में वेल्डिंग कार्य के दौरान ऑक्सीजन सिलेंडर अचानक धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना भीषण था कि उसके लोहे के तेज़ टुकड़े उड़कर आसपास खड़े कई ग्रामीणों के शरीर में जा धंसे। हादसे में नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल (एमडीएम) जोधपुर रेफ़र किया गया है। कैसे हुआ हादसा? : घटना बीरमाराम बांता के मकान में हुई, जहां टिन शेड लगाने का काम चल रहा था। इसके लिए श्रमिक वेल्डिंग कर रहे थे। वेल्डिंग के दौरान चिंगारी निकली, चिंगारी से पास में कुछ सामान में आग भड़क गई, आग बुझाने के प्रयास में श्रमिकों ने पानी डाला। पानी से अचानक ऑक्सीजन सिलेंडर में रिएक्शन हुआ और वह जोरदार धमाके से फट पड़ा हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग संभल भी नहीं पाए। धमाके की तेज आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

धमाके के बाद हरढाणी और बावड़ी गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। कई घायल जमीन पर गिर पड़े थे, जिनके शरीर में लोहे और शेड सामग्री के टुकड़े धंसे हुए थे। ग्रामीणों ने तुरंत घायलों को वाहनों में डालकर अस्पताल पहुंचाया।

घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार कई लोगों के शरीर से धंसे हुए धातु के टुकड़े निकालने के लिए ऑपरेशन किए जाने पड़े। डॉक्टरों की टीमें लगातार इलाज में जुटी हैं। पुलिस और प्रशासन ने मौके का मुआयना किया है और जांच की जा रही है कि वेल्डिंग कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन क्यों नहीं किया गया। प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने की बात कही जा रही है।

आईटीआई भवन निर्माण में खामियां उजागर, एसडीएम ने दिए सुधार के निर्देश

लालसोट, 04 नवंबर (एजेंसियां)। ग्राम लाखनपुर में निर्माणाधीन आईटीआई कॉलेज भवन के कार्य में कई खामियां सामने आई हैं। मंगलवार को उपखंड अधिकारी विजेन्द्र कुमार मीणा ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता नरसी गुर्जर और आरएसआरडीसी के कनिष्ठ अभियंता मीठालाल मीणा मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ठेकेदार ने भवन के सामने से ही मिट्टी की खुदाई कर दी है, जिससे वहां गहरे गड्ढे बन गए हैं। इस पर एसडीएम ने निर्देश दिए कि इन गड्ढों को तुरंत भरवाया जाए, ताकि भविष्य में किसी तरह का हादसा या नुकसान न हो।

स्थानीय लोगों ने बताया कि निर्माण कार्य में ब्लैक एम-सैंड का उपयोग किया जा रहा है, जिसमें सीमेंट मिश्रण की मात्रा अनिश्चित रहती है। इससे निर्माण की गुण-वत्ता पर असर पड़ सकता है। इस पर एसडीएम मीणा ने सख्ती दिखाते हुए निर्देश दिए कि भवन निर्माण में केवल व्हाइट या रेड एम-सैंड का ही उपयोग किया जाए।

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि भवन के कॉलम मानक अनुरूप नहीं हैं और नीचे की छत पर जलभराव के कारण दरारें पड़ गई हैं। इस पर एसडीएम ने कार्यकारी एजेंसी को चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य पूर्ण तकनीकी गुणवत्ता के साथ किया जाए और सभी खामियों को तुरंत दुरुस्त किया जाए। एसडीएम मीणा ने कनिष्ठ अभियंता मीठालाल मीणा को निर्देश दिए कि हर सात दिन में निर्माण की प्रगति और गुण-वत्ता रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आने वाली छोटी तकनीकी समस्याओं का भी समय पर समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो।

आगम हम सबका प्राण है जीवन के समान इसकी रक्षा, सेवा करना चाहिए : आचार्य वर्धमान सागर

टोंक, 04 नवंबर (एजेंसियां)। राजकीय अतिथि आचार्य श्री वर्धमान सागर का 33 साधुओं सहित आदर्श नगर से मंगल विहार पंचकल्याणक प्रतिष्ठा के लिए 1008 श्री पार्श्वनाथ जिनालय पुरानी टोंक चतुर्भुज तालाब के पास हुआ। आदर्श नगर से मंगल विहार के पूर्व आचार्य श्री ने धर्म सभा में बताया कि धर्म से प्रीति करना चाहिए संत समागम से, प्रवचन से, दर्शन से, संघ की वैयावृति सेवासे यह प्रेरणा मिलती है। आत्म साधकों की सेवा निष्ठा पूर्वक करना करना चाहिए। धर्म से प्रीति आत्म साधक बनाती है। पंच परावर्तन में यह प्राणी चारों गति में भ्रमण कर रहा है आर्तध्यान, रौद्र ध्यान से दुर्गति होती है, नर्क और त्रियंच गति में जाना होता है। राजेश पंचोलिया, गजराज लोकेश अनुसार आचार्य श्री ने प्रवचन में बताया कि संत समागम से धर्म पुण्य का अवसर मिलता है। व्रत आचार्य चक्रवर्ती आचार्य शांति सागर जी कहते थे कि आगम प्राण है जिस प्रकार आप जीवन की रक्षा करते हो, उसी प्रकार आगम की रक्षा सेवा करना चाहिए। राग द्वेष कषाय के कारण आत्मा मलिन होती है, इसलिए देव शास्त्र गुरु के माध्यम से धर्म को अपना कर धारण करने से जीवन में उन्नति होती है। पूरे चातुर्मास में छोटी उम्र के बालकों से लेकर वृद्ध प्रौढ़ श्रावक श्राविकाओं बालिकाओं के द्वारा जो संघ की सेवा, दर्शन, आहार दान,

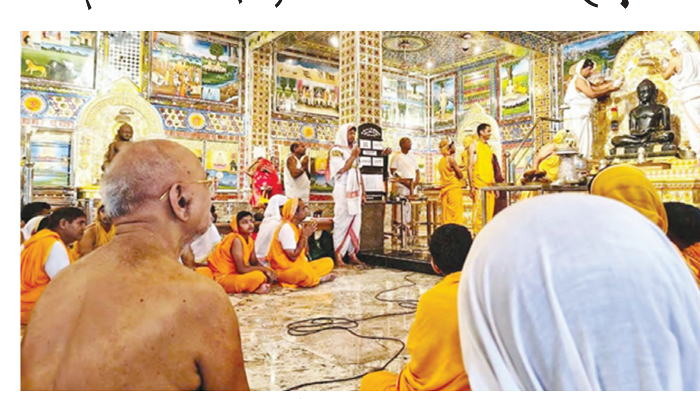

प्रवचन वृत्ति आदि किया गया है, उन सबके लिए सभी को मंगल आशीर्वाद देते हैं कि जो संत समागम की सेवा वैयावृतिआप सभी ने की है, वह निरंतर बनी रहना चाहिए। चातुर्मास में किशोर उम्र के दिव्यांश का जिक्र कर बताया कि उसमें धर्म की बहुत ललक थी, हमने अपने जीवन में पहली बार किसी श्रावक को अध्ययन कराया। सुबह 5:00 से रात्रि भर रहता था, पहले उसने रत्नाकरण श्रावकाचार का अध्ययन किया। अभी द्रव्य संग्रह का अध्ययन कर रहा हैं। पंच कल्याणक समिति के ओम प्रकाश बाकलीवाल, प्रकाश सोनी, शैलेंद्र चौधरी, विक्रम एडवोकेट अनुसार आगामी 7 नवंबर से 12 नवंबर तकपंच कल्याणक महोत्सव का आयोजन श्री 1008 श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया जी (श्याम बाबा) चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक एवं श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन नसिया जी तेरापंथीयान चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक एवं चतुर्भुज तालाब परिसर एरिया इन जगहों पर संपूर्ण पंच कल्याणक महोत्सव की सभी क्रियाएं/कार्यक्रम संपन्न होंगे।

जेजेपी संगठन में विस्तार, राष्ट्रीय-प्रदेश और हलका स्तर पर 32 पदाधिकारी घोषित

चंडीगढ़, 04 नवंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन में विस्तार करते हुए राष्ट्रीय, प्रदेश और हलका स्तर पर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी व अन्य वरिष्ठ नेताओं ने विचार-विमर्श करके 32 पदाधिकारियों की नियुक्तियों की सूची जारी की। जेजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी में मास्टर तारा चंद को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। एडवोकेट शेर सिंह खरब और धर्मपाल यादव राष्ट्रीय सदस्य होंगे। वहीं रणधीर पूनिया हिसार, करण सिंह देपल और मुंशीराम बेनीवाल को राष्ट्रीय विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया हैं। जेजेपी की प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव के पद पर जगबीर सिंह कुरुक्षेत्र, महम सिंह राजेपुर और सज्जन लावट को नियुक्त किया गया हैं। राजबीर नरवाल और यशपाल बुडैन को प्रदेश संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बेगराज नागर, सोहन लाल बठला और डॉ सौरभ गुप्ता प्रदेश सदस्य और अशोक मोर सोनीपत प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे।

जेजेपी किसान प्रकोष्ठ में प्रदेश उपाध्यक्ष के पद सुरेंद्र धोला पानीपत को नियुक्त किया गया हैं। धर्मबीर राठी, ईश्वर लोरा और बलवान सिंह थुआ को किसान प्रदेश महासचिव बनाया गया हैं। प्रदेश सचिव के पद की जिम्मेदारी अनिल कुंडू सरपंच पिल्लूखेड़ा, सुरेंद्र मलिक सोनीपत, राम रतन शर्मा और सोहन लाल गुर्जर को सौंपी गई है। जेजेपी किसान सेल में कैथल निवासी सुरेंद्र प्रदेश सदस्य होंगे। इनके अलावा जेजेपी ने कई हलका प्रधानों के नामों की भी घोषणा की हैं। इनमें गुरुग्राम में रविंद्र सिंगरोहा, असंध में सेवा सिंह, पंचकुला में राजेश निषाद, गोहाना में राजा खंदराई, बरोदा में सिल्लु खासा, यमुनानगर में आशीष तजाकपुर, रादौर में समय सिंह और पानीपत शहर में अतुल हांडा को हलका प्रधान बनाया हैं।

बख्शे नहीं जाएंगे प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करने वाले केमिस्ट : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 04 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि अवैध नशीली दवाओं की बिक्री से जुड़े लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे कोई भी केमिस्ट या मेडिकल स्टोर मालिक जो प्रतिबंधित या नशीली दवाओं की बिक्री करते पाए जाएंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को जांच करने के निर्देश दिए हैं। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत और खाद्य एवं औषधि प्रशासन हरियाणा के आयुक्त मनोज कुमार ने स्वास्थ्य मंत्री के निर्देशों पर आगे कार्रवाई शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि जिला सिरसा में अवैध नशीली दवाओं की बिक्री रोकने के लिए बड़े पैमाने पर छापेमारी अभियान चलाया

गया। इस अभियान में 35 सीनियर ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर्स और विभिन्न जोनों एवं जिलों से आए ड्रग्स कंट्रोल ऑफिसर्स ने भाग लिया। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए 8 विशेष टीमें गठित की गई, जिन्हें उन केमिस्ट दुकानों पर अचानक निरीक्षण करने का कार्य सौंपा गया जहाँ पर साइकोट्रोपिक / दोहरे उपयोग वाली दवाओं के दुरुपयोग की आशंका थी। इस छापेमारी की प्रत्यक्ष निगरानी राज्य ड्रग्स कंट्रोलर लालित कुमार गोयल ने की। उनके साथ खाद्य एवं औषधि प्रशासन मुख्यालय से तीन असिस्टेंट स्टेट ड्रग्स कंट्रोलर्स परविंदर सिंह, करण सिंह गोदारा और राकेश दहिया भी उपस्थित रहे।

छापेमारी अभियान सिरसा ज़िले के कई क्षेत्रों जैसे कालांवाली, बडागुढ़ा, डबवाली, रानियां, ऐलनाबाद और सिरसा शहर में एक साथ चलाया गया। निरीक्षण कल सुबह 11:30 बजे शुरू होकर शाम 6:00 बजे तक जारी रहा। इस अभियान के दौरान 67 मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया गया। इसी प्रकार 16 दुकानें रिकॉर्ड प्रस्तुत न करने और अन्य उल्लंघन पाए जाने पर सील की गई। अभियान के दौरान 15 सैंपल लिए गए। गड़बड़ी पाए जाने वाली सभी दुकानों को शो कॉज नोटिस जारी किए जाएंगे और आगे की कार्रवाई ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 एवं नियम 1945 के तहत की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि नशीली दवाओं का अवैध व्यापार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विदेशी धरती पर फंसे युवाओं की सुरक्षित घर वापसी कराए सरकार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 04 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार विदेशी धरती पर संकट में फंसे युवाओं की तुरंत सुरक्षित घर वापसी कराए। उन्होंने कहा कि विदेशों में फंसे युवाओं की सकुशल वापसी के लिए सरकार स्पेशल प्लेन भेजे, ताकि वो जल्द से जल्द अपने परिवार के पास लौट सकें। दीपेन्द्र हुड्डा ने आगे कहा कि खुद को डबल इंजन सरकार कह कर अपनी पीठ ठोंकने वाली बीजेपी सरकार के राज में हरियाणा में सबसे ज्यादा बेरोजगारी का दंश हमारे नौजवान ही झेल रहे हैं। विदेशों में काम करने के लिए अपना देश-प्रदेश छोड़कर गए यहाँ के युवाओं को रोज अपमान, प्रताड़ना, दर्द और जुल्म सहना पड़ रहा है। अनेक युवा तो ऐसे भी हैं जिन्हें या तो विदेशों में बंधक बना लिया गया है या एजेंटों ने धोखे से उन्हें विदेशी सेना में भर्ती करवाकर रूस-यूक्रेन में झोंक दिया है। पिछले दिनों ही खबर आई कि हिसार के मदनहेड़ी गांव के सोनू (28) और कैथल के कर्मचंद (22) की वहां मौत हो चुकी है। अनेक युवा ऐसे भी हैं जिनका परिवार को कुछ अता-पता ही नहीं लग रहा है। कई महीनों से इन युवकों का परिवार से संपर्क नहीं हो पाया रहा है। उनकी चिंता में परेशान परिवार के लोग राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक गुहार लगा रहे हैं, लेकिन युवाओं की सुरक्षित वापसी को लेकर कोई ठोस प्रयास नहीं हो रहा है। इन परिवारजनों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी किया लेकिन सरकार अब भी उदासीन रवैया अपनाए हुए है।

उन्होंने कहा कि काम की तलाश में विदेश गए हरियाणा के युवाओं की दुर्दशा के लिए बीजेपी सरकार जिम्मेदार है। यदि सरकार नौजवानों को यहीं अपने देश में रोजगार उपलब्ध कराती तो वे अपना घर-बार छोड़कर विदेश क्यों जाते। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि सरकार के खुद के आंकड़े बताते हैं कि हरियाणा में रोजगार नहीं, सिर्फ बेरोजगारी बढ़ी है।

बाढ़ एवं भारी वर्षा से प्रभावित किसानों के बिजली बिल 6 माह के लिए स्थगित

चण्डीगढ़, 04 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वर्ष 2025 के मानसून के दौरान राज्य में आई भारी वर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित किसानों को राहत प्रदान करने हेतु एक विशेष योजना की घोषणा की। राज्य के सभी कृषि ट्यूबवेल उपभोक्ताओं के लिए जुलाई, 2025 से दिसंबर, 2025 की अवधि के बिजली बिलों का भुगतान छह माह के लिए स्थगित कर दिया गया है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि जुलाई, 2025 में जारी बिजली बिल जनवरी, 2026 में देय होंगे। इसी प्रकार, अगस्त, 2025 के बिजली बिल फरवरी, 2026 में और दिसंबर, 2025 के बिल जून, 2026 में देय होंगे। इस निर्णय से राज्य के लगभग 7.10 लाख कृषि उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस अवधि के दौरान यूएचबीवीएन और डीएचबीवीएन द्वारा किसी भी

कृषि ट्यूबवेल उपभोक्ता से विलंब अधिभार नहीं वसूला जाएगा तथा बिजली आपूर्ति सामान्य रूप से जारी रहेगी।

इस सन्दर्भ में बिजली निगमों पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ को हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। यह निर्णय भारी वर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित किसानों को तात्कालिक आर्थिक राहत प्रदान करने के उद्देश्य से लिया गया, ताकि किसान अपनी कृषि गतिविधियों को पुनः आरंभ कर सकें।

चीनी मंत्री को गन्ना किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने की दी है सलाह: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चीनी मंत्री शिवानंद पाटिल को गन्ना किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने की सलाह दी गई है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने चिंता व्यक्त की है कि अगर स्थिति बिगड़ती है, तो पुलिस विभाग के लिए चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने सोमवार को भी मंत्री शिवानंद पाटिल से इस मामले पर चर्चा की थी और उन्हें जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने की सलाह दी थी। गन्ना मूल्य नियंत्रण या मूल्य निर्धारण के संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा, तो पुलिस विभाग के लिए इसे नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा। मंत्री शिवानंद पाटिल ने आश्वासन दिया है कि वह मंत्री सतीश जारकीहोली और लक्ष्मी हेब्बालकर से मिलकर चीनी मिलों के बारे में चर्चा करेंगे और समस्या का समाधान करेंगे। सोमवार को एक गन्ना किसान ने जहर पीने की कोशिश की। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे बचाया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं भविष्य में चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा करेंगी। भाजपा ऐसी ही स्थिति का इंतजार कर रही है। इसलिए उनका राजनीति करना स्वाभाविक है। लेकिन उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि उनके सत्ता में रहते हुए जो स्थिति थी, उसे बदला जाना चाहिए। वरथुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत एक महिला अधिकारी द्वारा घरेलू सहायिका के साथ मारपीट का मामला उनके संज्ञान में आया है। मैंने पुलिस आयुक्त को सटीक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मिलने के बाद दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल सहित किसी भी घटनाक्रम में आलाकमान का निर्णय अंतिम होता है। हम वरिष्ठों द्वारा लिए गए निर्णयों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई के उदाहरण मौजूद हैं, अगर उनकी अवहेलना की जाती है। भाजपा पहले कांग्रेस आलाकमान संस्कृति की आलोचना करती थी। अब उनमें भी आलाकमान संस्कृति प्रबल हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का यह बयान कि वह आलाकमान के फैसले के प्रति प्रतिबद्ध हैं, उचित है। मुख्यमंत्री द्वारा पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना के घर पर रात्रिभोज करने में कोई खास बात नहीं है। शुरू से ही यह परंपरा रही है कि जब मुख्यमंत्री तुमकुरु आते हैं तो राजन्ना के घर पर रात्रिभोज किया जाता है। हम भी रात्रिभोज के लिए जाते हैं। सभी विभागों में मांग के आधार पर बड़े पैमाने पर तबादले किए जाते हैं। केवल पुलिस विभाग में ही तबादलों की कोई समय-सीमा नहीं है। जब भी जरूरत होती है, तबादले किए जाते हैं। अधिकारियों का बदलाव साल के 365 दिन सामान्य बात है। अधिकारियों के तबादलों को मंत्रियों के बदलाव की पूर्वसूचना नहीं माना जा सकता। चूंकि मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वह मंत्रिमंडल में फेरबदल करेंगे, इसलिए इस मुद्दे पर हमारा बयान देना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि नए लोगों को जगह देने के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। नेतृत्व परिवर्तन होने पर परमेश्वर को मौका मिलेगा या नहीं, इस सवाल के जवाब में उन्होंने मीडिया को निर्देश दिया कि वे मुख्यमंत्री और मंत्री से जुड़े सवालों के अलावा अन्य सवाल न पूछें। उन्होंने मंत्री प्रियांक खड़गे के आरएसएस वाले बयान पर कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उन्होंने विभाग पर चर्चा के लिए सचिव लक्ष्मी हेब्बालकर से मुलाकात की थी।

कर्नाटक में महिलाओं के खिलाफ अपराध दो साल में 40 प्रतिशत बढ़े: एनसीआरबी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 2021 और 2023 के बीच लगभग 40 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि हुई है। अकेले 2023 में, राज्य में ऐसे 20,336 मामले दर्ज किए गए। प्रमुख श्रेणियों में शील भंग करने के इरादे से हमला, दहेज से संबंधित मामले, पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता और अपहरण शामिल थे। पुलिस अधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह वृद्धि वास्तविक अपराधों में वृद्धि के बजाय महिलाओं में बढ़ती जागरूकता और आगे आने की इच्छा को दर्शाती है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा हम महिलाओं का समर्थन कर रहे हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ा रहे हैं, यही वजह है कि अब अधिक पीड़ित शिकायत दर्ज करा रहे हैं। हम त्वरित कार्रवाई भी सुनिश्चित करते हैं। शिकायतों में वृद्धि के बावजूद, बड़ी संख्या में मामले अदालतों में लंबित हैं। पिछले वर्षों की तुलना में, विभिन्न अदालतों में लगभग 72,000 मामले लंबित हैं, और 2023 में 16,000 और मामले जुड़ गए। आंकड़ों से यह भी पता चला है कि 2023 में निपटाए गए मामलों में से लगभग 92 प्रतिशत मामलों में बरी कर दिया गया। पीड़ितों के साथ मिलकर काम करने वाले कार्यकर्ताओं ने व्यवस्था को मजबूत करने और ऐसी परिस्थितियों में महिलाओं को मजबूत कानूनी सहायता प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। जनवादी महिला संगठन की के.एस. विमला ने कहा इसकी शुरुआत जांच अधिकारी से होनी चाहिए। कई मामलों में, अधिकारी जरूरी सबूत इकट्ठा करने में विफल रहते हैं क्योंकि वे ऐसे मामलों को गंभीरता से नहीं लेते। कई मामलों में, सरकारी अभियोजक प्रतिबद्धता के साथ मामलों की जांच नहीं करते, जिसके परिणामस्वरूप बरी कर दिए जाते हैं। सभी स्तरों पर सभी को संवेदनशील बनाने की जरूरत है।

विजयपुरा जिले में 2.9 तीव्रता का हल्का भूकंप

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) ने बताया कि मंगलवार को विजयपुरा जिले में रिक्टर पैमाने पर 2.9 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र विजयपुरा तालुका के भूतनाल टांडा से लगभग 3.6 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था और भूकंप सुबह 7.49 बजे आया।

अधिकारियों ने बताया कि भूकंप हल्का था और किसी नुकसान की खबर नहीं है। केंद्र के विश्लेषण के अनुसार, भूकंप का केंद्र इंगनाल गांव से 4.3 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, हंचिनाल गांव से 4.6 किलोमीटर उत्तर-पूर्व, विजयपुरा शहर से 9.3 किलोमीटर उत्तर-पूर्व और अलमट्टी बांध भूकंप वेधशाला से लगभग 65 किलोमीटर उत्तर में था। भूकंप के झटके जमीन से 5 किलोमीटर नीचे महसूस किए गए। केएसएनडीएमसी ने स्पष्ट किया है कि भूकंप की तीव्रता कम है और इसे भूकंप केंद्र से 50-60 किलोमीटर के दायरे तक महसूस किया जा सकता है। इस भूकंप से स्थानीय समुदाय को कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि इसकी तीव्रता कम होती है, हालांकि स्थानीय स्तर पर झटके महसूस किए जा सकते हैं। ऐसी घटनाएं भी हुईं जब लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और डर का इजहार किया। भूकंप विजयपुरा और टिकोटा तालुकों में महसूस किया गया, जिनमें टिकोटा, कालकाकावाटागी, तोरावी, शिवगिरी, होन्नुतागी शामिल हैं। पिछले 2 महीनों में जिले में 13 भूकंप आ चुके हैं और लगातार आ रहे भूकंपों से लोग डरे हुए हैं।

बाल विवाह और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को रोकने के लिए अक्का टास्क फोर्स का गठन 19 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बाल विवाह रोकने और महिलाओं व बच्चों के खिलाफ हिंसा पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से गठित अक्का टास्क फोर्स का गठन 19 तारीख को किया जाएगा। इसकी शुरुआत के तौर पर, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने मंगलवार को गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर से मुलाकात की और बातचीत की। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने सदाशिवनगर स्थित डॉ. जी. परमेश्वर के घर का दौरा किया। अक्का टास्क फोर्स पर चर्चा हुई। ये टास्क फोर्स तालुका स्तर पर गठित किए जा रहे हैं और इनका उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न पर अंकुश लगाना है। इन बलों का गठन महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाली हिंसा के मामलों में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए

किया गया है। एक महिला पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में इस टास्क फोर्स में एनसीसी कैडेट, महिला एवं बाल कल्याण अधिकारी शामिल हैं। पुलिस विभाग की तर्ज पर इस बल के लिए अलग से गश्ती वाहन तैनात किए गए हैं। गश्ती वाहन बस स्टैंड, स्कूल, कॉलेज, बाजार और अन्य भीड़-भाड़ वाले इलाकों में तैनात किए जाएँगे। इस अधिनियम के तहत इस बल का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह को रोकना और पॉक्सो अधिनियम के बारे में जागरूकता पैदा करना है। अक्का बल ने 2023 में बीदर में पायलट आधार पर काम किया था। जनता से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद, आगे की जांच करने का निर्णय लिया गया। इस वर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, मैसूरु, बेलगावी और मेंगलूरु जिलों में पायलट बल का दूसरा चरण शुरू किया गया। हाल ही में, मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने बाल गर्भधारण की बढ़ती संख्या को देखते हुए पूरे राज्य में टास्क फोर्स का विस्तार करने का निर्णय लिया था। तदनुसार, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 19 नवंबर को अक्का बल का शुभारंभ करेंगे। दोनों मंत्रियों ने इस बात पर चर्चा की कि भविष्य में पुलिस विभाग से सहयोग कैसे प्राप्त किया जाए और टास्क फोर्स को और अधिक प्रभावी कैसे बनाया जाए।

शीतकालीन सत्र तक नए मुख्यमंत्री का पदभार ग्रहण हो जाएगा: श्रीरामुलु

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु ने भविष्यवाणी की है कि अगले बेलगावी शीतकालीन सत्र में नया मुख्यमंत्री आएगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बेलगावी सत्र में नया मुख्यमंत्री होगा और अगर मल्लिकार्जुन खड़गे आएं तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया-शिवकुमार की कुर्सी की लड़ाई में तीसरे पक्ष को फायदा होगा और आखिरी समय में वह मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन अगर खड़गे आते भी हैं तो आ सकते हैं। शिवकुमार की बातें एकतरफा हैं। अगर आप आज उनकी बातें सुनेंगे, तो आपको ऐसा लगेगा जैसे वह साधु बन गए हैं। उन्होंने कहा कि वह निराश हैं। मुझे मिली जानकारी के अनुसार, खड़गे खुद आ सकते हैं। इस प्रकार बेलगावी सत्र में नया मुख्यमंत्री होगा। उन्होंने आरोप लगाया है कि अब कांग्रेस में मंत्री बनने के लिए उन्हें काला धन देना पड़ता है। मंत्री पैसा नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए गेट पास देकर भेज देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वे एलआईसी एजेंटों को टारगेट देकर वसूली कर रहे हैं।

कर्नाटक ने 'डीप टेक दशक' को बढ़ावा देने के लिए 600 करोड़ रुपये के फंड की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार ने सोमवार को कहा कि वह 'डीप टेक दशक' में प्रवेश कर रही है और राज्य भर में डीप-टेक के विकास को गति देने के लिए विभिन्न पहलों को शुरू करने हेतु 600 करोड़ के निवेश पूल की भी घोषणा की। एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि सरकार की 600 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धता 'डीप टेक दशक' को बल प्रदान करेगी, जिसका उद्देश्य कर्नाटक को भारत की डीप टेक राजधानी के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने कहा यह पहल एआई, एमएल, क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, रोबोटिक्स और स्थिरता-संचालित नवाचार जैसी तकनीकों पर काम करने वाले उद्यमियों का समर्थन करने वाली एक मजबूत डीप-टेक पाइपलाइन बनाने के हमारे दृष्टिकोण को दर्शाती है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार इस निवेश पूल के आकार को 1,000 करोड़ या उससे अधिक तक बढ़ाने के लिए उद्यम पूंजी उद्योग के विभिन्न खिलाड़ियों, जिनमें पिछले सप्ताह उनकी मुलाकात भी शामिल है, के साथ बातचीत कर रही है। ऐसा नहीं है कि पूरे दशक के लिए डीप-टेक विकास के लिए 600 करोड़ पर्याप्त होंगे। हम आवश्यक निवेश पर पुनर्विचार करेंगे। हमें राज्य भर में डीप-टेक और एआई स्टार्टअप बनाने के लिए निश्चित रूप से अधिक धन की आवश्यकता होगी और इसके लिए हम वेंचर कैपिटल खिलाड़ियों के साथ मिलकर संयुक्त फंड बनाने पर भी विचार कर रहे हैं। मंत्री ने आगे कहा कि रोलआउट और फंडिंग का खाका पहले से ही तैयार है क्योंकि राज्य प्रौद्योगिकी परिदृश्य में अपने वैश्विक नेतृत्व को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से गंभीर है। खड़गे के अनुसार, डीप-टेक के लिए निर्धारित 600 करोड़ के निवेश में डीपटेक एलिवेट फंड के लिए 150 करोड़ शामिल होंगे, जिसमें एआई और अग्रणी तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार डीप-टेक मूल्य श्रृंखला में निरंतर पूंजी प्रवाह और मापनीयता सुनिश्चित करने के लिए वीसी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ सह-निवेश मॉडल के माध्यम से फंड-ऑफ-फंड्स की संभावना तलाशेगी। मंत्री ने आगे कहा बेंगलूरु टेक समिट (बीटीएस 2025) के 28वें संस्करण, जो 18 से 20 नवंबर तक बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में आयोजित होने वाला राज्य का तकनीकी प्रदर्शनी है, में फ्यूचर मेकर्स कॉन्क्लेव (एफएमसी) भी शामिल होगा।

इंफोसिस कर्मचारी हत्या मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सीसीएच59 अदालत ने इंफोसिस के एक कर्मचारी की हत्या के मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। महेश और गिरीश को 26 जून, 2018 को बिहार के पटना निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर सिद्धार्थ (26) की सेंट्रिंग रॉड से पीट-पीटकर हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। जेपी नगर में रहने वाला सिद्धार्थ अपने दोस्तों के साथ खाना खाकर घर लौट रहा था, तभी उसकी टक्कर महेश और गिरीश से हो गई, जो दोपहिया वाहन पर आ रहे थे। इसी दौरान बहस बढ़ गई और सिद्धार्थ पर पास के एक मकान निर्माण स्थल से सेंट्रिंग रॉड से हमला कर दिया गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और अस्पताल में भर्ती होने पर उसकी मौत हो गई। मिको लेआउट

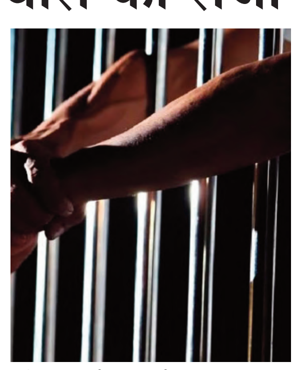

पुलिस स्टेशन के तत्कालीन इंस्पेक्टर आर.एम. अजय ने मामला दर्ज कर महेश और गिरीश को गिरफ्तार किया, उनसे पूछताछ की और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया। सीसी एच 59 अदालत में सुनवाई और आरोप सिद्ध होने के बाद, अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। सरकारी वकील की ओर से महालिंगप्पा ने दलीलें पेश कीं।

व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कलबुर्गी शहर के विजयनगर इलाके में एक चर्च के पास 30 वर्षीय एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान विजयनगर निवासी 30 वर्षीय रितेश धुलप्पा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हत्या का कारण पुरानी रंजिश हो सकती है और पुलिस को इस अपराध में रितेश के दोस्तों के शामिल होने का संदेह है। राघवेंद्र नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश जारी है।

सालों बाद नारियल पानी की कीमत में आई थोड़ी कमी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले दो सालों में कम बारिश और बीमारियों के कारण आसमान छू रहे नारियल पानी के दामों में अब भारी गिरावट आ रही है। आमतौर पर मार्च, अप्रैल और मई के महीनों में नारियल पानी की कीमतों में बढ़ोतरी होती है। हालांकि, यह पहली बार है कि पूरे साल में इसमें इतनी बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल इतना सूखा पड़ा था कि भुगतान करने पर भी नारियल पानी नहीं मिल रहा था।

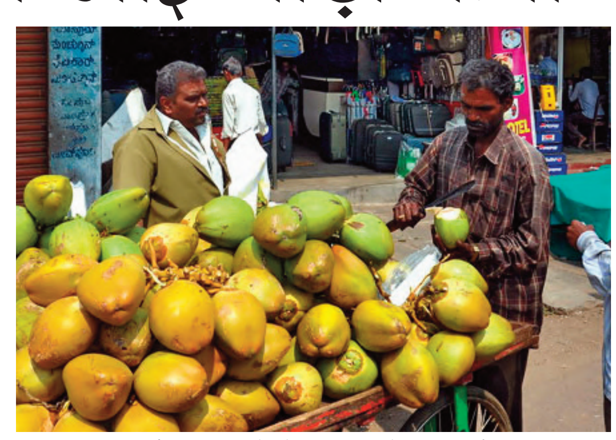

नारियल पानी ही नहीं, नारियल, नारियल की जटा और नारियल के छिलकों की कीमतों में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। पिछले दो सालों से कम बारिश, ब्लैकहेड्स और कीटों के प्रकोप के कारण इस साल नारियल की पैदावार पूरी तरह से चौपट हो गई है और नारियल पानी 60 से 80, नारियल लगभग 35 हजार रुपये प्रति क्विंटल और नारियल के छिलके 25 हजार रुपये प्रति टन बिककर इतिहास रच रहे हैं। एशिया की सबसे बड़ी नारियल पानी मंडी, मद्दुर एपीएमसी को इस साल भुगतान करने के बावजूद नारियल पानी की कमी का सामना करना पड़ा। मद्दुर बाजार में रामनगर, मांड्या, मैसूरु, कोल्लेगल, टी. नरसीपुर, तुमकुरु और अन्य स्थानों से नारियल पानी की आपूर्ति बहुत पहले से होती रही है। यहां से राजधानी बेंगलूरु, पड़ोसी तुलुनाडु और आंध्र प्रदेश को भी आपूर्ति की जाती है। हालांकि, पिछले एक साल से अपेक्षित मात्रा में नारियल पानी न मिलने से, कीमत बढ़ गई है और आपूर्ति पूरी तरह से कम हो गई है। बेंगलूरु में सड़कों के किनारे दिखने वाली नारियल पानी की दुकानें वीरान थीं। नारियल पानी सिर्फ एक ही जगह बिक रहा था, और वहां के दाम चकरा देने वाले थे। यह 60 से 80 रुपये में बिक रहा था। कुछ व्यापारियों ने नारियल पानी की कमी के कारण अपना व्यवसाय छोड़ दिया और सब्जियां, फूल और फल बेचने लगे। मद्दुर बाजार पर निर्भर रहने वाले व्यापारी, कुली और मजदूर बुरी तरह से संकट में थे। इस बार बारिश अच्छी हुई, पैदावार अच्छी हुई और नारियल पानी बाजार में आ रहा है। एक व्यापारी ने बताया कि हम पिछले 15 सालों से नारियल पानी का व्यापार कर रहे हैं और भीषण गर्मी में भी इसकी कीमत 50 रुपये से ऊपर नहीं जाती थी। लेकिन इस साल, हमने गर्मी, बारिश और सर्दी, तीनों में नारियल पानी 60 से 80 रुपये में बेचा है। हम मद्दुर से नारियल पानी लाते हैं, लेकिन वहां कोई उत्पाद न होने के कारण, हमें आपूर्ति नहीं हुई, इसलिए कीमत बढ़ गई थी। कुछ दिनों तक हमें बिना नारियल पानी के ही सब्जियों का व्यापार करना पड़ा। अब नारियल पानी की आपूर्ति सामान्य रूप से हो रही है और मद्दुर में यह 30 से 40 रुपये में उपलब्ध है। हम इसे 50 से 60 रुपये में बेच रहे हैं, जिसमें परिवहन लागत, मजदूरी और जमीन का किराया भी शामिल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com